RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-11 अंक:280 ता. 04 मई 2023, गुरूवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

नोएडा में मिला यीस्ट संक्रमित दुनिया का पहला मरीज, क्या होता है रोडोटुरुला संक्रमण

नोएडा। शहर के एक निजी अस्पताल के डॉक्टरों ने मंगलवार को रोडोटुरुला संक्रमण और सीएमवी मेनिंजाइटिस से पीड़ित दुनिया का पहला मरीज मिलने का दावा किया है। यीस्ट के संक्रमण से जुड़ी यह बीमारी एक नवजात में पाई गई। इलाज के बाद यह बच्चा अब स्वस्थ है। फोर्टिस अस्पताल के शिशु रोग विभाग के प्रमुख डॉ. आशुतोष सिन्हा ने बताया कि 19 जनवरी को परिजन दो माह के एक बच्चे का इलाज कराने के लिए अस्पताल आए थे। वो मथुरा के रहने वाले हैं। नवजात में बुखार, चिड़चिड़ापन, शरीर में असामान्य हरकत जैसी परेशानियां दिखीं। उसे रोज तीन से चार बार बुखार आ रहा था। एमआरआई, सीएसएफ (सेरीब्रोस्पाइनल फ्लूड), बायोफायर समेत कई प्रकार की मेडिकल जांच की गई, जिसमें दुर्लभ संक्रमण के बारे में पता चला। डॉ. आशुतोष सिन्हा ने बताया कि स्वास्थ्य से जुड़े दुनियाभर के प्रकाशित जनरल और विभिन्न वेबसाइट में इस बीमारी से पीड़ित एक भी मरीज नहीं मिला। अस्पताल प्रबंधन शिशु के इलाज, जांच आदि की रिपोर्ट स्वास्थ्य से संबंधित विभिन्न जनरल में प्रकाशित करने के लिए भेजेगा। नवजात अब पूरी तरह स्वस्थ नवजात का अस्पताल में लंबा इलाज चला। स्वस्थ होने के बाद उसे 21 मार्च को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। इसके बाद मरीज को फॉलोअप पर रखा गया। वह अब पूरी तरह स्वस्थ है। डॉक्टरों की टीम में शामिल डॉ. शुभम गर्ग ने बताया कि बच्चे की उम्र काफी कम होने के कारण इलाज काफी जटिल रहा।

इस बीमारी में जान भी जा सकती है

रोडोटुरुला ईस्ट की प्रजाति है। वहीं, सीएमवी यानी साइटोमेगलो एक वायरस है। इस वायरस के कारण मस्तिष्क की सतह में संक्रमण और सूजन हो जाती है। सीएमवी मेनिंजाइटिस में पहली बार रोडोटुरुला प्रजाति का यीस्ट मिला।

कर्नाटक में भाजपा ने लपक लिया बजरंग दल का मुद्दा, वोट बैंक साधने में होगा कितना कारगर?

कांग्रेस ने अपने मैनिफेस्टो में बजरंग दल को बैन करने की बात कही है।इसके बाद भाजपा ने इस मुद्दे को हथिया लिया है और कांग्रेस पर हमले तेज कर दिए हैं।

बेंगलुरु। कर्नाटक में विधानसभा चुनाव के लिए घोषणापत्र में कांग्रेस ने बजरंगदल और अन्य ऐसे संगठनों पर बैन लगाने का वादा किया है। बजरंग दल विश्व हिंदू परिषद का युवा संगठन है। कांग्रेस के इस मैनिफेस्टो को लेकर हिंदू संगठन भड़क गए हैं। वहीं भाजपा को चुनाव प्रचार और कांग्रेस पर हमला करने के लिए एक और मुद्दा मिल गया है। मंगलवार को पीएम मोदी ने जनसभा को संबोधित करते हुए इस मामले को बजरंगबली से जोड़ दिया और कहा कि पहले कांग्रेस ने राम मंदिर में ताला लगवाया था और अब बजरंगबली को ही बैन कर देना चाहते हैं। भाजपा हिंदुओं की भावनाओं को पकड़ने और कांग्रेस को घेरने में जुट गई है।

चिक्कामंगलुरु और हुबली-धारवाड़े के आसपास तटीय कर्नाटक में इस बार हिंदुत्व का मुद्दा असर दिखाने वाला है। यहां भाजपा ने भी अपना दांव चल दिया है। भाजपा ने कांग्रेस पर आरोप लगाया है कि वह प्रतिबंधित संगठन पीएफआई को प्रमुखता दे रही है। एक वरिष्ठ भाजपा नेता ने कहा कि कांग्रेस ने मुस्लिम आरक्षण लागू करने की बात कही है। कांग्रेस ने अपने घोषणापत्र में कहा है कि अगर उसकी सरकार आती है तो मुस्लिम आरक्षण को फिर से लागू कर दिया जाएगा। गृह मंत्री अमित शाह ने भी कांग्रेस पर हमला करते हुए कहा था कि आखिर किसकी कीमत पर कांग्रेस मुस्लिमों को आरक्षण देगी।

कर्नाटक के कई इलाकों में बढ़ा हिंदुत्व वोट बैंक

बता दें कि कर्नाटक के हुबली-धारवाड़ा और चिक्कामंगलुरु इलाके में हिंदुत्व वोट बैंक का प्रभाव 20 से 25 सीट तक बढ़ गया है। वैसे भाजपा इन सीटों पर पहले से ही प्रभावी है लेकिन इस बार हिंदुत्व का मुद्दा जगदीश शेट्टार के पार्टी छोडने के प्रभाव और पुराने विधायकों की एंटी इनकंबेंसी को कम कर देगा। बता दें कि बहुत सारे भाजपा नेताओं ने अपने सोशल मीडिया की प्रफाइल पिक्चर भी बदलकर बजरंगबली की तस्वीर लगा दी है।

कांग्रेस ने घोषणापत्र में क्या कहा था

कांग्रेस पार्टी ने अपने घोषणापत्र में कहा कि पार्टी ऐसे संगठनों पर कार्रवाई करने के लिए प्रतिबद्ध है जो कि समाज में घृणा की भावना फैलाते हैं और सांप्रदायिक सौहार्द को बिगाड़ते हैं, जाति और धर्म के आधार पर घृणा का सहारा लेते हैं। बजरंग दल और पीएफआई जैसे संगठनों द्वारा संविधान और कानून का उल्लंघन नहीं होना चाहिए। बता दें कि कांग्रेस ने पहली बार बजरंग दल को बैन करने की बात नहीं कही है। इससे पहले 2008 में यूपीए सरकार के दौरान कांग्रेस ने बजरंग दल पर बैन लगाने की बात कही थी। 1992 में बाबरी मस्जिद के ढहाए जाने के बाद भी बजरंग दल पर बैन लगाया गया था। हालांकि इस केस में सनवाई के लिए ट्राइब्यूनल बनाए जाने के बाद बैन हटा लिया गया था।

भाजपा ने लपक लिया मामला

भाजपा ने कांग्रेस के इस वादे वाले मुद्दे को लपक लिया है। अब इसके जरिए भाजपा उन लोगों को साधने की कोशिश कर रही है जो कि पार्टी की विचारधारा के आधार पर अब तक वोट देते हैं लेकिन वे इस बार भाजपा से संतुष्ट नहीं हैं। वीएचपी के प्रवक्ता विजय शंकर तिवारी ने कहा, कांग्रेस को इसका फल कर्नाटक चुनाव में भुगतना पड़ेगा।

चुनाव से पहले मुफ्त उपहारों सहित अन्य सामान हुआ बरामद, नकदी 300 करोड़ के पार

बेंगलुरु। चुनाव आयोग ने कहा कि 29 मार्च को आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद से अब तक चुनावी राज्य कर्नाटक में 305 करोड़ रुपए की नकदी और सामान जब्त किया गया है। पोल बॉडी ने कहा कि 2018 के चुनावों के दौरान, चुनावों में कुल जब्ती 83 करोड़ रुपए थी।

चुनावों से पहले हुई शराब और नकदी बरामद

मुख्य निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय के अनुसार, इस साल के चुनावों से पहले बरामदगी में नकद (110 करोड़), शराब (74 करोड़), सोना और चांदी (81 करोड़), मुफ्त उपहार (?22 करोड़) और ड्रग्स/नशीले पदार्थ (18 करोड़) शामिल हैं। उन्होंने कहा कि बरामदगी के संबंध में कुल 2,346 FIR दर्ज की गई हैं।

अधिकारियों ने कहा कि चुनाव की घोषणा से पहले करीब 58 करोड़ रुपये (9 मार्च से 27 मार्च की अवधि) की जब्ती की गई थी।

CEC ने दिए सख्त आदेश

305 करोड़ की कुल बरामदगी पर ध्यान देते हुए, मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने धन बल को नियंत्रित करने में विफल स्थानीय अधिकारियों की जिम्मेदारी तय करने को कहा। वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से राज्य में चुनाव व्यवस्था और कानून व्यवस्था की समीक्षा करते हुए, कुमार ने अधिकारियों से सीमावर्ती राज्यों के समर्थन से बरामदगी को बढ़ाने और उल्लंघन करने वालों के बीच प्रशासन का डर पैदा करने के लिए भी कहा। CEC ने तट रक्षक और मादक पदार्थ नियंत्रण ब्यूरो के अधिकारियों को कड़ी निगरानी रखने और नशीली दवाओं के खतरे को कम करने में मदद करने का निर्देश दिया।

राज्य की सीमाओं पर सतर्कता बढ़ाने के आदेश

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा बैठक में राज्य के मुख्य सचिव और पुलिस प्रमुख के साथ-साथ गोवा, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और महाराष्ट्र में उनके समकक्षों ने भाग लिया।

दिल्ली-यूपी, उत्तराखंड में तेज हवाओं के साथ होगी बारिश; अन्य राज्यों में कैसा रहेगा मौसम

नई दिल्ली। देशभर के कई राज्यों में बीते दिनों हुई बारिश से मौसम सुहावना बना हुआ है। सुबह और शाम के वक्त मौसम में नमी आई है। मौसम विभाग की मानें तो अगले कुछ दिनों तक देश के कई राज्यों में मौसम ऐसा ही रहेगा। मौसम विभाग के अनुसार, अगले 2 दिनों के दौरान उत्तर पश्चिम भारत में हवा की गति 30-40 किमी प्रति घंटे रहने की संभावना है और कई जगहों पर हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। ढ्ढरूष्ठ का कहना है कि दो दिन बाद बारिश में काफी कमी आने की संभावना है।

दिल्ली-एनसीआर वासियों को गर्मी से मिली राहत

मई माह के दूसरे दिन मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली का मौसम अच्छा रहा है। मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि बुधवार को भी ऐसा ही मौसम रहेगा। बुधवार के लिए यलो अलर्ट भी जारी किया गया है। मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि बुधवार को भी बादल छाए रहेंगे। गर्जन वाले बादल बनने और हल्की से मध्यम स्तर की वर्षा होने की संभावना है। 30 से 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चल सकती है। साथ ही अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 27 और 19 डिग्री रहने के आसार हैं। मौसम विभाग के मुताबिक, दिल्ली-एनसीआर सहित उत्तर भारत के ज्यादातर हिस्सों में अभी पांच दिन तक कम या ज्यादा वर्षा होने और बादल छाए रहने वाला मौसम बना रहेगा। आठ मई से मौसम खुल जाएगा।

उत्तराखंड में बारिश और बर्फबारी के आसार

मौसम विभाग ने बताया कि आज उत्तराखंड में बारिश और बर्फबारी के आसार हैं। IMD का पूर्वानुमान है कि उत्तराखंड के पर्वतीय क्षेत्रों में भारी बर्फबारी हो सकती है। वहीं, निचले इलाकों में ओलावृष्टि की चेतावनी जारी की गई है। इसके साथ ही मैदानी क्षेत्रों में तेज हवाएं चलने की संभावना है। मौसम विभाग ने बताया कि रुद्रप्रयाग, चमोली, उत्तरकाशी, बागेश्वर और पिथौरागढ़ में बर्फबारी हो सकती है और निचले इलाकों में ओलावृष्टि व गरज के साथ बारिश को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

जम्मू-कश्मीर में बारिश की संभावना

जम्मू-कश्मीर में पिछले 24 घंटों के दौरान बादल छाए रहे। मौसम विभाग ने कहा कि अगले 24 घंटों में व्यापक रूप से हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। मौसम विज्ञान विभाग ने कहा- जम्मू-कश्मीर में अगले 24 घंटों के दौरान व्यापक रूप से हल्की से मध्यम बारिश/गरज के साथ छींटे पड़ने की संभावना है।

शादी से लौट रहा पिकअप वैन पलटा, 5 की मौत; 11 लोग गंभीर रूप से जख्मी

गुमला। झारखंड में भीषण सड़क हादसा हो गया। शादी से लौट रहे पिकअप वैन के पलटने से 5 लोगों की मौत हो गई। 11 लोग गंभीर रूप से घायल हैं। बताया जाता है कि पिकअप वैन में क्षमता से ज्यादा लोग सवार थे। बारात से लौट रहे इस पिकअप वैन में कुल 55 लोगों के सवार होने की जानकारी सामने आ रही है। घायलों को गुमला सदर अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।

गुमला के जरडा गांव के पास हुआ हादसा

घटना गुमला जिले की है। घटना के संबंध में मिली जानकारी के मुताबिक गुमला के जरडा गांव के पास 55 लोगों से भरा पिकअप वैन पलट गया। हादसे में मौके पर ही 5 लोगों की मौत हो गई। दर्जन भर से ज्यादा लोग घायल हैं जिनमें 11 लोगों की हालत गंभीर है। बताया जाता है कि वाहन में सवार लोग डुमरी के सारंगडीह में लड़की की शादी करा कर वापस कटारी लौट रहे थे कि तभी हादसा हो गया।

अतीक अहमद की हत्या करने वाले को मिली थी टिल्लू की सुपारी, उसी गन से माफिया को मार दिया

नई दिल्ली। दिल्ली के गैंगस्टर टिल्लू ताजपुरिया की तिहाड़ जेल में हत्या कर दी गई है। यह वही टिल्लू ताजपुरिया था, जिसे मारने की सुपारी अतीक-अशरफ के हत्यारोपित सनी सिंह को मिली थी। टिल्लू की हत्या के लिए तुर्किये की जो जिगाना पिस्टल सनी सिंह को दी गई थी, उसी से सनी ने अतीक और अशरफ की हत्या कर दी। फिलहाल अतीक हत्याकांड के आरोपितों की प्रतापगढ़ जेल में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक दिल्ली निवासी जितेंद्र उर्फ गोगी गैंगस्टर था। जरायम की दुनिया में टिल्लू ताजपुरिया से उसकी टशन चल रही थी। जितेंद्र ने टिल्लू को खत्म करने के लिए अपने गुर्गे मेरठ निवासी सोढ़ी को हुकुम दिया। टिल्लू की हत्या के लिए तुर्किये की दो जिगाना पिस्टल मंगा ली गई। इस बीच सोढ़ी की हमीरपुर

निवासी मोहित उर्फ सनी सिंह से मुलाकात हुई। सोढ़ी ने सनी को तुर्किये की दोनों पिस्टल टिल्लू की हत्या के लिए दी थी लेकिन इसकी भनक टिल्लू को लग गई। उसने 24 सितंबर 2021 को गैंगस्टर जितेंद्र गोगी की दिल्ली रोहिणी कोर्ट के भीतर हत्या करा दी। इसके बाद सोढ़ी ने अपने सभी साथियों को अंडरग्राउंड कर दिया। सनी भी विदेशी पिस्टल लेकर छिप गया। पुलिस रिकॉर्ड के मुताबिक सनी सिंह के खिलाफ यूपी में 2019 में आखिरी एफआईआर दर्ज हुई थी। जेल से जमानत पर रिहा होने के बाद सनी एनसीआर में जितेंद्र गैंग से मिला था। सितंबर 2021 में जितेंद्र की हत्या के बाद सनी किसके संपर्क में आया, यह पता नहीं चला। अचानक 15 अप्रैल 2023 को अतीक और अशरफ को उसी तुर्किये पिस्टल से सनी ने हत्या की, जिससे टिल्लू को मारना था। सनी अपने साथी लवलेश तिवारी और अरुण मौर्य के साथ सरेंडर कर दिया। वर्तमान में तीनों आरोपित प्रतापगढ़ जेल में बंद हैं। टिल्लू की हत्या के बाद एक बार फिर सनी सिंह का नाम सुर्खियों में है।

1 साल 8 महीने पहले हुए कत्ल का बदला-रोहिणी कोर्ट में 24 सितंबर 2021 की दोपहर वकील की ड्रेस में आए दो बदमाशों ने कुख्यात गैंगस्टर जितेन्द्र गोगी की गोली मारकर हत्या कर दी थी। कोर्ट रूम में हुई वारदात की जांच में सामने आया कि टिल्लू ताजपुरिया के गैंग ने इसे अंजाम दिया। हत्याकांड की साजिश मंडोली जेल में बंद टिल्लू ने रची थी और हत्या से पहले तक वह लाइव चैट के जरिए दोनों हमलावरों के संपर्क में था। एक साल आठ माह बाद गोगी गैंग ने जितेन्द्र के कत्ल का बदला ले लिया। सूत्रों ने बताया कि जितेन्द्र की हत्या के बाद उसके गिरोह ने टिल्लू गैंग के कई आरोपियों को निशाना बनाया। कई बार हत्या की साजिश रची गई, लेकिन हर बार दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने गोगी गिरोह की इस साजिश को फेल कर दिया। पुलिस ने इस दौरान गोगी गैंग के आठ शूटरों को पकड़ा, जो हथियार के साथ गैंगवार को अंजाम देने के लिए आए थे। कई बार योजना फेल सूत्रों का कहना है कि टिल्लू की हत्या से पहले कई बार योजना बनाई गई, लेकिन हर बार फेल होती चली गई।

बृजभूषण के बाद अनुराग ठाकुर पर भी बरसे पहलवान, मामले को दबाने का आरोप

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के जंतर मंतर पर प्रदर्शन कर रहे पहलवानों ने अब केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर पर आरोप लगा दिए हैं। स्टार रेसलर विनेश फोगाट ने दावा किया है कि ठाकुर ने मामले को दबाने की कोशिश की है। हाल ही में पहलवानों ने यह भी कहा था कि वह करियर के डर के कारण कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ बोलने से डर रहे थे। फोगाट ने खेल मंत्री ठाकुर पर कार्रवाई नहीं करने के आरोप लगाए। उन्होंने कहा, हमने खेल मंत्री के साथ बातचीत के बाद विरोध प्रदर्शन बंद कर दिया था और सभी खिलाड़ियों ने उन्हें यौन उत्पीड़न के बारे में बताया था। उन्होंने कमेटी गठित कर मामले को दबाने की कोशिश की और उस दौरान कोई कार्रवाई नहीं की गई। पहलवान सिंह की गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं।

फोगाट ने बताया कि वह जंतर मंतर पर पहली बार प्रदर्शन करने से पहले एक अधिकारी से भी मिले थे, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। उन्होंने कहा, %तीन-चार महीने पहले जंतर-मंतर पर बैठने से पहले, हमने एक अधिकारी से मुलाकात की थी। हमने उन्हें सबकुछ बताया था कि कैसे महिला खिलाड़ियों

का यौन उत्पीड़न किया जा रहा है और मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा है। जब कोई कार्रवाई नहीं की गई, तो हम धरने पर बैठ गए।

सियासी हुआ मामला

ओलंपिक खिलाड़ी बजरंग पुनिया ने दूसरे दौर के प्रदर्शन के दौरान राजनीतिक दलों से भी जुड़ने की अपील की थी। इसके बाद से ही आम आदमी पार्टी और कांग्रेस नेताओं की यहां खासी सक्रियता रही। इधर, महासंघ के अध्यक्ष सिंह भी इस प्रदर्शन में कांग्रेस नेताओं के शामिल होने का आरोप लगा रहे हैं। उन्होंने कई पहलवानों पर भी सवाल उठाए थे।

डरते थे!

यौन उत्पीड़न के आरोपों को लेकर रेसलर साक्षी मलिक समेत कई लोगों ने डर की बात कही। मलिक ने कहा, यही वजह है कि हम लंबे समय तक चुप रहे। हम रेसलिंग करना चाहते थे और अपना करियर बचाना चाहते थे, क्योंकि हम जानते थे कि इसका अंत कैसे होगा। तब हम आवाज उठाने की हिम्मत नहीं कर सके, लेकिन आज हम उस स्तर पर पहुंच गया है कि हम साथी खिलाड़ियों के लिए बोल सकते हैं।

अतीक-अशरफ की पीएम रिपोर्ट में खुलासा, पहली ही गोली लगने से मार गए दोनों

प्रयागराज । बीती 15 अप्रैल 2023 को माफिया अतीक अहमद और अशरफ की 3 हमलावरों ने ताबड़तोड़ गोलियां मारकर हत्या कर दी थी। अब मामले में अतीक और अशरफ का पोस्टमार्टम करने वाले डॉक्टरों ने कई अहम खुलासे किए हैं। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, माफिया अतीक और अशरफ का पोस्टमार्टम करने वाले डॉक्टरों ने बड़ा खुलासा किया है। डॉक्टरों के मुताबिक, तीन शूटरों ने अतीक अहमद और अशरफ अहमद को कुल 13 गोलियां मारी थीं। जिसमें से पहली ही गोली दोनों के सिर और माथे में लगी थी, जिससे दोनों की मौत हो गई थी। पीएम रिपोर्ट के मुताबिक माफिया अतीक और उसके भाई अशरफ की पहली ही गोली लगने से मौत हो गई थी। बता दें कि इस हत्याकांड की जांच कर रही एसआईटी टीम शूटरों के बयान दर्ज कर चुकी है। वहीं, घटना के समय मौजूद अन्य लोगों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं। इसी क्रम में पोस्टमार्टम करने वाले 4 डॉक्टरों के बयान दर्ज किए गए हैं। उल्लेखनीय है कि प्रयागराज के माफिया डॉन अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ अहमद की गोली मारकर हत्या कर दी। प्रयागराज में मेडिकल के लिए ले जाते समय गोली मारकर इस हत्याकांड को अंजाम दिया गया। दोनों के हाथों में हथकड़ी लगी हुई थी। तीन हमलावरों ने अतीक के सिर में गोली मारी और अशरफ के भी सिर में गोली लगी। हमलावरों ने कई राउंड फायरिंग की। गोली मारने के बाद तीनों हमलावरों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में दो आतंकवादी ढेर

श्रीनगर । जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा स्थित माछिल इलाके के पास सुरक्षा बलों के साथ हुई मुठभेड़ में दो आतंकवादी मारे गए हैं। साथ ही कश्मीर में बड़े आतंकी हमले की साजिश की खुफिया जानकारी के बाद पठानकोट से लेकर जम्मू तक में हाई अलर्ट घोषित कर दिया गया है। इसके साथ ही इलाके के सारे सैनिक स्कूल बंद करने के निर्देश दिए गए हैं। बीते दिनों पठानकोट से लगती भारत-पाकिस्तान सीमा पर 3 संदिग्ध दिखाई दिए थे। बीएसएफ द्वारा रोकने पर वे फायरिंग करते हुए फरार हो गए थे। इस बीच खुफिया एजेंसियों ने जानकारी दी कि आतंकी 5 मई या उससे पहले जम्मू-कश्मीर में किसी बड़े हमले की तैयारी कर रहे हैं। खुफिया एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, आतंकी पुलवामा हमले की तरह ही सुरक्षाबलों के काफिले या फिर उसके संस्थानों को निशाना बनाने की योजना बना रहे हैं। यह देखकर पठानकोट से लेकर जम्मू तक हाई अलर्ट घोषित कर दिया गया है। यहां आर्मी कैंट के अंदर स्थित सैनिक स्कूलों को एहतियात के तौर पर एक दिन के लिए बंद कर दिया गया है।

आरजेडी का विरोध भी नहीं रोक पाया धीरेंद्र शास्त्री का कार्यक्रम, तैयारियां जारी

पटना। आरजेडी ने भले ही खूब विरोज किया है, लेकिन बागेश्वर धाम के प्रमुख धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के पटना आगमन को नहीं रोक पाया है। कार्यक्रम को लेकर सियासी हलकों में भले राजनीति हो रही हो, लेकिन इनके कार्यक्रम के लिए भव्य तैयारी की जा रही है। धीरेन्द्र शास्त्री के पटना के नौबतपुर के तरेत पाली मठ में 13 से 17 मई के बीच होने वाले हनुमत कथा आयोजन को लेकर तैयारी जोर शोर से चल रही है। इस आयोजन में प्रतिदिन तीन लाख से अधिक लोगों के पहुंचने की संभावना है। जानकारी के अनुसार मठ प्रांगण पूरे 600 एकड़ में फैला हुआ है, जिसमें हनुमत कथा प्रवचन के लिए तीन लाख वर्ग फीट में पंडाल बन रहा है। भूमि पूजन हो गया है। श्रद्धालुओं की गाड़ियों की पार्किंग के लिए 15 लाख वर्ग फीट में पार्किंग स्थल बनाया जा रहा है। श्रद्धालुओं के रहने और खाने की मुफ्त व्यवस्था की जा रही है। प्रसाद वितरण के लिए 40 से अधिक काउंटर बनाए जाने की उम्मीद है। इस कथा आयोजन में उत्तर प्रदेश, झारखंड, पश्चिम बंगाल से भी श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। बिहार बागेश्वर फाउंडेशन के अधिकारियों द्वारा की जा रही तैयारी में किसी प्रकार की कमी नहीं रहे इसका पूरा ख्याल रखा जा रहा है। कथा शुरू होने के पहले कलश यात्रा निकाली जाएगी। कथा में बड़ी संख्या में महिलाओं के भी पहुंचने की संभावना है। आचार्य धीरेंद्र शास्त्री के कार्यक्रम को लेकर बिहार में सियासी पारा भी चढ़ा हुआ है। उनके विरोध और समर्थन को लेकर राजनीति शुरू हो गई है। बिहार के वन और पर्यावरण मंत्री तेज प्रताप यादव ने ट्वीट कर लिखा कि धर्म को टुकड़ों में बांटने वालों को करारा जवाब मिलेगा, तैयारी पूरी है, हिन्दू, मुस्लिम, सिख, ईसाई आपस में हैं, भाई-भाई। राजद के कई नेता धीरेंद्र शास्त्री के विरोध में बयान दे चुके है। इधर, धीरेंद्र शास्त्री के स्वागत में पटना में पोस्टर भी लगे हैं।

खूंखार कुत्तों के झुंड ने किया बच्चों पर हमला, एक की मौत, एक घायल

बरेली। यूपी के बरेली जनपद में एक आवारा कुत्तों के झुंड ने बच्चों पर हमला कर दिया। इस दौरान एक बच्चे अयान की मौत हो गई जबकि एक अन्य घायल है। जानकारी के अनुसार यहां गर्मी बढ़ने के साथ ही आवारा हिंसक कुत्तों का आतंक देखने को मिल रहा है। ताजा मामले में कुत्तों के झुंड ने एक 12 साल के बच्चे को नोच नोच कर मार डाला, दूसरा बच्चा गंभीर रूप से घायल है। कुत्तों ने उसे कई जगहों से नोचा है, जिसकी वजह से उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। गौरतलब है कि जनपद बरेली में पिछले 2 महीनों में इस तरीके की कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं। बावजूद इसके नगर निगम के अधिकारी लापरवाह बने हुए हैं। बरेली जनपद के सीबीगंज थाना क्षेत्र के खना गौटिया में 12 साल के अयान पर आवारा कुत्तों ने हमला कर दिया। हमले में घायल हुए बच्चे की मौत हो गई। मृतक बच्चा ईदगाह के पास 5 अन्य बच्चों के साथ खेल रहे था। अचानक कई कुत्तों के झुंड ने बच्चों पर हमला कर दिया। कुछ बच्चे तो भाग गए, लेकिन अयान को कुत्तों ने नोच नोच कर मौत में घाट उतार दिया। वहीं बच्चे रोते हुए आम के पेड़ पर चढ़ गए। उनकी चीख-पुकार सुनकर आसपास के ग्रामीण मदद को दौड़े। तब तक कुत्ते अयान के शरीर से कई जगह मांस नोच चुके थे। दूसरी घटना में आवारा कुत्तों के झुंड ने 5 साल के अर्श पर हमला कर दिया। अर्श जब घर के बाहर खेल रहा था, उस समय कुत्तों ने हमला किया। अर्श के रोने की आवाज सुनकर पिता मुस्तकीम लाठी से उन्हें भगाया। कुत्तों ने अर्श के सिर, सीने, हाथ-पैर से कई जगह मांस नोच लिया था। अर्श फिलहाल अस्पताल में भर्ती है। गांव में दो घटनाएं होने से ग्रामीणों ने बच्चों को घर से निकलना बंद कर दिया। लाठियां लेकर गलियों में पहरेदारी की जा रही। बरेली आईवीआरआई के वैज्ञानिक डॉ अभिजीत पावड़े बताते है कि भूखे कुत्ते इस तरह हमला करते हैं। जो प्रतिदिन मांस के आदी होते है वो इस तरह से हमला करते है। नगर आयुक्त निधि गुप्ता वत्स ने बताया कि कुत्तों को पकड़ने का अभियान चलाकर उनका बधियाकरण कराया जाए।

चार दिन की गिरावट के बाद फिर बढ़े देश में कोरोना के मामले

नई दिल्ली। देश में लगातार चार दिन की गिरावट के बाद कोरोना के मामलों में फिर बढ़ोतरी दिखी है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि बीते 24 घंटे में कोरोना के कुल 3,720 मामले सामने आए हैं। मंगलवार को कोरोना के कुल 3,325 मामले दर्ज किए गए थे। मंत्रालय ने बताया कि बीते 24 घंटे में कोरोना से कुल 7,698 लोग ठीक भी हुए हैं। इसके साथ ही कोरोना के सक्रिय केस घटकर अब 40,177 हो गए हैं। मंगलवार को सक्रिय मरीजों की संख्या कुल 44,175 थी। रिपोर्ट के अनुसार बीते 24 घंटे में कोरोना से 20 लोगों की जान भी गई है। इसके साथ ही अब तक कुल 5 लाख 31 हजार 584 मरीजों की मौत हो चुकी है। देश में कोरोना के अब तक कुल 4 करोड़ 49 लाख 56 हजार 716 मामले सामने आ चुके हैं। 4 करोड़ 43 लाख 84 हजार 955 लोग कोरोना से ठीक भी हो चुके हैं। देश में अभी सक्रिय केस कुल मामलों का 0.09 फीसदी है। राष्ट्रीय रिकवरी दर 98.73 फीसदी हो गई है। मृत्यु दर अभी 1.18 फीसदी हो गई है।

केदारनाथ में लगातार हो रही बर्फबारी, प्रशासन ने यात्रियों से सूचना के बाद यात्रा करने को कहा

रुद्रप्रयाग। उत्तराखंड में मौसम की करवट ने चारधाम यात्रा पर निकले श्रद्धालुओं की परेशानी बढ़ दी हैं। केदारनाथ में मंगलवार शाम से बर्फबारी हो रही है। सोनप्रयाग में अभी भी बारिश जारी है, यह देखकर अभी तक यात्रियों को सोनप्रयाग से केदारनाथ के लिए रवाना नहीं किया गया है। उत्तराखंड के डीजीपी अशोक कुमार ने बताया कि केदारनाथ में पिछले 24 घंटों से लगातार बर्फबारी जारी है, हमने आज की यात्रा को पूरी तरह से रोक दिया है। जो यात्री कल यहां आए थे उनमें से अधिकांश लोग यहां से प्रस्थान कर चुके थे और जो बच गए थे, वहां आज प्रस्थान कर रहे है क्योंकि यहां की स्थिति अच्छी नहीं है कि यहां यात्री रुक सके। यात्री कल के लिए भी हमारे एडवाइजरी की प्रतीक्षा करें फिर अपनी यात्रा शुरू करे।

द केरल स्टोरी फिल्म के प्रोड्यूसर ने एक बड़ा बदलाव

32 हजार हिंदू महिलाओं को बनाया गया मुस्लिम... इस दावे से पलटे द केरल स्टोरी के मेकर्स!

- इंट्रोडक्शन के टेक्स्ट में चेंजेस किए गए

मुंबई (एजेंसी)। हाल ही में मूवी द केरल स्टोरी फिल्म के प्रोड्यूसर ने एक बड़ा बदलाव किया है। एक्ट्रेस अदा शर्मा की इस फिल्म का नया टीजर रिलीज किया गया है, जिसमें इंट्रोडक्शन के टेक्स्ट में चेंजेस किए गए हैं। इससे पहले टेक्स्ट में लिखा था कि केरल से 32 हजार महिलाएं गुमशुदा हुई हैं। अब बदलाव के बाद इसे 32 हजार से तीन कर दिया गया है। फिल्म में अदा शर्मा के अलावा योगिता बिहानी, सोनिया बालानी, सिद्धी इदनानी, विजय कृष्णा, प्रणव मिश्रा और प्रणय पचौरी सहित कई स्टार्स हैं। ये 5 मई को थिएटर्स में रिलीज होगी। फिल्म में ये औरतें ब्रेनवॉश के बाद इस्लाम कुबूल कर लेती हैं और बाद में उन्हें हकीकत पता चलती है।

उन्हें आतंकी बनने के लिए मजबूर कर दिया जाता है। जिस दिन द केरला स्टोरी का टीजर सामने आया था, उसी दिन इसको लेकर बहस छिड़ गई थी। इस फिल्म को बैन करने की मांग होने लगी। विपक्ष के नेता वीडी सतीसन ने कहा कि उनका रुख स्पष्ट है और आजादी की अभिव्यक्ति के नाम पर, वे किसी को भी अफवाहें फैलाने की इजाजत नहीं देंगे। इससे उचित तरीके से निपटा जाएगा और वे पहले ही फिल्म पर प्रतिबंध लगाने के लिए कह चुके हैं। केरल हाईकोर्ट के सामने एक याचिका दायर की गई थी, जिसमें मूवी की स्क्रीनिंग को बैन करने की मांग की गई थी। कुछ संगठनों ने दावे को साबित करने के लिए नकद पुरस्कारों की घोषणा की।

मुस्लिम यूथ लीग की केरल राज्य समिति ने फिल्म में लगाए गए आरोपों को साबित करने वाले व्यक्ति के लिए 1 करोड़ रुपये का ईनाम देने की अनाउंसमेंट की। एक दक्षिणपंथी कार्यकर्ता और हिंदू सेवा केंद्र के संस्थापक प्रतीश विश्वनाथ ने भी इसके विपरीत साबित करने के लिए 10 करोड़ रुपये की पेशकश की कि केरल से कोई भी ढूस्में शामिल होने के लिए सीरिया नहीं गया है। इस मूवी को सुदीप्तो सेन ने डायरेक्ट किया है। फिल्म के ट्रेलर में दिखाया गया है कि केरल में कॉलेज की चार स्टूडेंट्स कैसे इस्लामिक स्टेट का हिस्सा बन जाती हैं। इसके क्रिएटिव डायरेक्टर और प्रोड्यूसर विपुल अमृतलाल शाह हैं।

70 टन वजनी लॉरी के गुजरते ही भरभराकर गिरा 100 साल पुराना पुल

अमरावती। आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम जिले में अंग्रेजों के जमाने में बना एक प्राचीन पुल ढह गया है। इच्छापुरम के पास बाहुड़ा नदी पर बना यह पुल 100 साल पुराना बताया जाता है। बुधवार सुबह छह बजे अचानक पुल भरभराकर टूट गया। इच्छापुरम से राष्ट्रीय राजमार्ग की ओर जाने वाले रास्ते में बना पुल टूट जाने से यातायात में परेशानी हुई। बताया जा रहा है कि सुबह जब 70 टन वजनी पत्थर की एक लॉरी गुजर रही थी तो पुल ढह गया। इस घटना में लॉरी चालक व क्लीनर को मामूली चोटें आई हैं। इस दौरान पुल टूट गया और वजनी लॉरी नीचे गिर गई। हालांकि इस घटना में कोई जनहानि नहीं होने से सभी ने राहत की सांस ली। इस ब्रिज का निर्माण ब्रिटिश काल के दौरान 1929 में हुआ था। पुल के गिरने की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने बचाव कार्य शुरू किया। इस पुल पर हाल ही में एक नई सड़क भी बिछाई गई थी। पुल पर मरम्मत होने के बाद यह देखने में अच्छा लग रहा था। हालांकि पुल ग्रेनाइट लोडेड लॉरी का वजन नहीं उठा सका और ढह गया। स्थानीय लोगों ने बताया कि हादसा ओवरलोड लोड और पुराने पुल के कारण हुआ। बताया जाता है कि पुल और नदी के बीच महज 20 मीटर की ऊंचाई थी, इसलिए बड़ा हादसा टल गया।

समलैंगिक विवाह: कैबिनेट सेक्रेटरी की अध्यक्षता में कमेटी बनने को तैयार हुआ केंद्र

-सॉलिसिटर जनरल ने सुप्रीम कोर्ट को दी जानकारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में समलैंगिक विवाह की कानूनी मान्यता पर वर्तमान में चर्चा हो रही है। सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को समलैंगिक विवाह के मामले पर सुनवाई की जा रही है। केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट में कहा है कि वह समलैंगिक कपल्स को सोशल बेनेफिट्स देने पर विचार करने के लिए समिति बनाने को तैयार है। यह कमेटी कैबिनेट सेक्रेटरी की अध्यक्षता में बनेगी जो इस पर विचार करेगी कि अगर समलैंगिक कपल्स की शादी को कानूनी मान्यता न मिले तब उन्हें कौन-कौन से सामाजिक फायदे उपलब्ध कराए जा सकते हैं।

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सुप्रीम कोर्ट को अवगत कराया कि समलैंगिक जोड़े के सामने आने वाले मुद्दों को देखने के लिए कैबिनेट सचिव की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया जाएगा। एसजी मेहता का कहना है कि याचिकाकर्ता सुझाव दे सकते हैं, ताकि समिति इस पर ध्यान दे सके। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से 3 मई तक संभावित सामाजिक लाभों पर जवाब देने को कहा था। इससे पहले 27 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र को सामाजिक लाभों पर अपनी प्रतिक्रिया के साथ 3 मई को वापस आने के लिए कहा था। सुप्रीम कोर्ट ने

कहा था कि समलैंगिक जोड़ों को उनकी वैवाहिक स्थिति की कानूनी मान्यता के बिना क्या सामाजिक लाभ दिए जा सकते हैं सॉलिसिटर जनरल ने सुप्रीम कोर्ट से कहा कि समलैंगिक जोड़ों की चिंताओं को दूर करने के लिए प्रशासनिक कदमों की खोज के सुझाव के बारे में केंद्र सरकार सकारात्मक है।

मामले की सुनवाई कर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि समलैंगिक विवाह को मान्यता का मुद्दा हम तय करने वाले हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि संविधान पीठ ये तय करेगी कि सैमलैंगिक विवाह को मान्यता दी जा सकती है या नहीं। वहीं सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा, 'कुछ ना मिले इससे कुछ पाना उपलब्धि होगी। न्यायालय एक साथ रहने के अधिकार की स्वीकृति सुनिश्चित कर सकता है। साथ ही जस्टिस एस रवींद्र भट ने याचिकाकर्ताओं को याद दिलाया कि अमेरिका के कानून में बदलाव में आधी सदी लग गई।

मालूम हो कि मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और जस्टिस एसके कौल, एस रवींद्र भट, पीएस नरसिम्हा और हेमा कोहली की पांच-न्यायाधीशों की संविधान पीठ समलैंगिक विवाहों के लिए कानूनी मान्यता की मांग करने वाली दलीलों के एक बैच पर सुनवाई कर रही है।

बीजेपी ने कर्नाटक के इंजन को पटरी से उतारा, 10 मई को इसे गति मिलेगी : कांग्रेस

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने कर्नाटक में भारतीय जनता पार्टी की डबल इंजन सरकार से जुड़ी चुनावी मुहिम को लेकर बुधवार को उस पर निशाना साधते हुए कहा कि सत्तारूढ़ पार्टी ने प्रदेश के इंजन को पिछले 4 वर्षों में पटरी से उतार दिया है जिसे जनता आगामी 10 मई को गति देने जा रही है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने ट्वीट किया, डबल इंजन क्या है? कर्नाटक राज्य सरकार का 94 प्रतिशत राजस्व प्रदेश के खुद के राजस्व और केंद्र से कर में उसकी हिस्सेदारी से आता है। यह मोदी के आशीर्वाद से नहीं, बल्कि वित्त आयोग के फार्मूले से होता है।

उन्होंने दावा किया, आगामी 10 मई को कर्नाटक के इंजन को गति मिलेगी जिसे भाजपा ने पिछले 4 वर्षों में पटरी से उतार दिया है। यह सामाजिक सद्भाव के मिश्रण वाला विकास का इंजन होगा। यह 40 प्रतिशत कमीशन वाला इंजन नहीं होगा। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के अन्य शीर्ष नेता कर्नाटक विधानसभा चुनाव के प्रचार में लगातार 'डबल इंजन सरकार' की बात कर रहे हैं और जनता से समर्थन मांग रहे हैं। कर्नाटक विधानसभा की सभी 224 सीटों के लिए आगामी 10 मई को मतदान होगा और 13 मई को मतगणना होगी।

मेरा बस चले तब राहुल गांधी जैसी सोच को देश में बैंन कर दूं : गिरिराज सिंह

बेगूसराय (एजेंसी)। कर्नाटक विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की ओर से बजरंग दल को बैन करने की घोषणा से केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह नाराज हो गए हैं। बेगूसराय पहुंचे केंद्रीय मंत्री सिंह ने कहा, कांग्रेस का अहंकार और तानाशाही प्रवृति खत्म नहीं हुई है। पहले नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री कैसे बन गए यह बात गांधी परिवार को पच नहीं रही है। इन लोगों को पच नहीं रहा है कि नेहरु-गांधी परिवार के रहते एक छोटे गरीब परिवार का बेटा देश का प्रधानमंत्री कैसे बन गया। ये अहंकार है। तानाशाही इनकी दादी ने की थी, भारत के अंदर इमरजेंसी लगाकर। ये अहंकार त्याग दें, अगर ये कह रहे हैं कि इनकी सरकार आई तब बजरंग दल को बैन किया जाएगा। क्या इनकी इतनी हिम्मत है। क्या इनके अंदर हिम्मत है कि ये पीएफआई और मुसलमानों के ऊपर ये लोग इस तरह का सवाल उठा सकते हैं।

सिंह ने कहा कि बजरंग दल भारत के सांस्कृतिक धरोहर के पुरोधा रक्षक के रूप में काम करता है, जहां राहुल गांधी और कांग्रेस के लोग मुसलमानों को संरक्षित करके जब सवाल उठाते हैं, तब वहां बजरंग दल रहता है। अगर मेरा बस चले तब राहुल गांधी जैसी सोच को बैन कर देना चाहिए। इस तरह ही वाहयात बात करना बंद करें। जो लोग हिंदू धर्म को गाली देने का काम करते रहे, अब बर्दाश्त नहीं होगा। बागेश्वर महाराज धीरेंद्र शास्त्री के बिहार आगमन पर शिक्षा मंत्री चंद्रशेखर की ओर से दिए गए बयान पर सिंह ने कहा कि इस तरह की बातें बंद हो। बहुत हो गया जो हिंदू धर्म को गाली देने का काम वर्षों तक लोग करते रहे, लोग सहते रहे, लोग बर्दाश्त करते रहे। अब इस बिहार में नालंदा में जिस ढंग से करतूत किया गया जिस तरह से मुस्लिमों को संरक्षित किया गया। जिस ढंग से सासाराम में मुसलमानों को संरक्षित करके हिंदुओं को तबाह किया गया, उसी तरह से यह चाहते हैं गांधी मैदान केवल मुसलमानों के धार्मिक प्रचार के लिए धार्मिक सम्मेलन के लिए और जब हिंदुओं के धार्मिक धर्मगुरु आएंगे, चाहे बागेश्वर महाराज जी धीरेंद्र शास्त्री हैं इनमें हिम्मत है, तब उन्हें गिरफ्तार कर ले। अगर इनमें हिम्मत है, तब पूरे बिहार के मंदिरों को तहस-नहस कर दें।

दिल्ली में फिर कंझावला जैसा कांड आया सामने

चाकचौंबद सुरक्षा वाले कनॉट प्लेस में टक्कर के बाद कई किलोमीटर तक शख्स को लेकर दौड़ती रही गाड़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली के वीआईपी इलाके कनॉट प्लेस में कंझावला जैसा ही एक कांड देखने को मिला है। दिल्ली के कनॉट प्लेस के पास बने कस्तूरबा गांधी मार्ग टॉलस्टाय मार्ग की रेड लाइट पर कार ने बाइक सवार व्यक्ति को टक्कर मार दी, जिसके बाद गाड़ी पूरे इलाके में तीन किलोमीटर तक दौड़ती रही। टक्कर इतनी जोरदार थी की बाइक सवार युवक कार की छत पर जाकर गिरा, जिसके बाद उसकी मौत हो गई।

वहीं बाइक पर सवार दूसरा व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक घटना में एक 30 वर्षीय व्यक्ति की मौत हुई है, जबकि अन्य 20 वर्षीय युवक गंभीर रुप से घायल हुआ है। जानकारी के मुताबिक घटना में जब मृतक युवक गाड़ी पर गिरा तो गाड़ी चालकों ने गाड़ी नहीं रोकी और कंझावला घटना की तरह लगातार लगभग तीन किलोमीटर तक गाड़ी को दौड़ाते रहे। आरोपी ने

घटना के बाद युवक को गाड़ी से दिल्ली गेट के पास फेंका और फरार हो गए। इस हादसे में पीड़ित युवक की मृत्यु हो गई है। इस घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने आरोपी गाड़ी चालक को हरनीत सिंह को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के खिलाफ पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज किया है। घटना के समय में आरोपी अपने परिवार के साथ गाड़ी से जा रहा था।

घटना का मिला चश्मदीद

इस घटना का एक चश्मदीद भी मिला है जिसने इस पूरी घटना का वीडियो भी बनाया है। चश्मदीद के मुताबिक वो हॉर्न बजाकर लगातार गाड़ी चालक को गाड़ी रोकने को कहता रहा मगर आरोपियों ने गाड़ी रोकने की कोशिश नहीं की। गाड़ी लगातार दोड़ती रही।

न्यू ईयर पर आया था मामला

इससे पहले ऐसा ही एक मामला न्यू ईयर के मौके पर भी सामने आया था जहां नशे में धुत गाड़ी चालकों ने स्कूटी पर सवार 20 वर्षीय अंजलि को टक्कर मारकर उसे कई किलोमीटर तक घसीटा था, जिसमें अंजलि की मौत हो गई थी। गाड़ी चालकों ने उसे 12 किलोमीटर तक घसीटा था।

शरद पवार के इस्तीफे के बाद एनसीपी में इस्तीफों की लगी झड़ी

मुंबई । राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के अध्यक्ष शरद पवार ने यह कहकर सभी को चौंका दिया कि उन्होंने पार्टी का अध्यक्ष पद छोड़ने का फैसला किया है। हालांकि, पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने शरद पवार से फैसले को वापस लेने की मांग की। इस बीच शरद पवार पार्टी पदाधिकारियों से मिलने के लिए यशवंतराव चव्हाण सेंटर पहुंचे, लेकिन इस बीच जितेंद्र आव्हाड सहित कई नेताओं ने अपना पद छोड़ दिया है। एनसीपी के एक पदाधिकारी ने कहा कि शरद पवार हमेशा की तरह सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक पार्टी कार्यकर्ताओं सहित लोगों से मुलाकात की। इसके अलावा एनसीपी नेता अजित पवार भी प्रतिष्ठान पहुंचे। वहीं एनसीपी नेता जितेंद्र आव्हाड ने राष्ट्रीय महासचिव के पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने बताया कि पार्टी प्रमुख के पद से इस्तीफा देने की पवार की घोषणा के बाद ठाणे एनसीपी के सभी पदाधिकारियों ने भी इस्तीफा दे दिया है। दरअसल, शरद पवार ने कहा था कि वह एनसीपी के प्रमुख पद से इस्तीफा दे रहे हैं।

भाजपा ने यूपी निकाय चुनाव में 391 मुस्लिम उम्मीदवारों को दिया टिकट

-2024 से पहले बीजेपी ने खेला मुस्लिम कार्ड

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश शहरी स्थानीय निकाय चुनावों में भारतीय जनता पार्टी ने 391 मुस्लिम उम्मीदवारों को मैदान में उतारा है, जो अब तक का सबसे अधिक है। इनमें से अधिकांश ने उन सीटों से नामांकन दाखिल किया है, जिनमें समुदाय की अच्छी खासी उपस्थिति है। इसके साथ सत्ताधारी दल ने 2024 के लोकसभा चुनावों से पहले समुदाय के बीच अपने समर्थन आधार का परीक्षण करने की कोशिश की है। उत्तर प्रदेश में 760 नगरीय निकायों में 14 हजार 864 पदों के लिए प्रतिनिधियों का चुनाव करने के लिए 4 और 11 मई को 2 चरणों में शहरी स्थानीय निकाय चुनाव होंगे।

नगर पालिका परिषदों और नगर पंचायतों के अध्यक्षों और सदस्यों और नगर निगमों में नगरसेवकों के पदों के लिए भाजपा ने 391 मुस्लिम उम्मीदवारों को चुनावी मैदान में उतारा है। इस चुनाव के जरिए यूपी के 17 नगर निगमों के मेयर नगर पालिका परिषदों के 199 अध्यक्ष और 544 नगर पंचायतों के 1420 नगरसेवकों के साथ-साथ नगर पंचायतों के 5327 सदस्य और नगर पालिका परिषदों के 7177 सदस्य चुने जाएंगे। भाजपा के कुल 391 मुस्लिम उम्मीदवारों में से 351 नगरपालिका वार्डों से पार्षदों और सदस्यों के पदों के लिए 35 नगर पंचायतों के अध्यक्षों के लिए और 5 नगर पालिका परिषदों के अध्यक्षों के लिए चुनाव लड़ रहे हैं।

पार्टी ने हालांकि मेयर सीटों के लिए किसी भी मुस्लिम उम्मीदवार को मैदान में नहीं उतारा है। मीडिया रिपोर्ट में एक भाजपा नेता के हवाले से बताया है कि इनमें से 90 प्रतिशत से अधिक उम्मीदवार पसमांदा मुस्लिम समुदाय से हैं शिया और सुन्नी दोनों। वर्ष 2017 के निकाय चुनावों में मुस्लिम उम्मीदवारों को भगवा पार्टी ने पार्षदों और सदस्यों की केवल कुछ सीटों से टिकट दिया था और कई सीटें ऐसी थीं जहां पार्टी को एक भी उम्मीदवार चुनाव लड़ने के लिए नहीं मिला था। राज्य के 17 नगर निगमों में से अयोध्या इकलौता ऐसा निकाय है, जहां पार्टी ने किसी मुस्लिम उम्मीदवार को टिकट नहीं दिया है।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार भाजपा ने नगरसेवकों के पदों के लिए सबसे अधिक मुस्लिम उम्मीदवारों को मैदान में उतारा है। मेरठ में 21, अलीगढ़ में 17, सहारनपुर में 13, कानपुर में 11, बरेली में पांच, मुरादाबाद में 8, गाजियाबाद में 4, प्रयागराज और वाराणसी में 3-3. लखनऊ में दो और गोरखपुर, झांसी, आगरा, फिरोजाबाद, मथुरा-वृंदावन और शाहजहांपुर में 1-1. टांडा और रामपुर की नगर पालिका परिषदों के अध्यक्ष पद के लिए पार्टी ने दो महिला उम्मीदवारों को मैदान में उतारा है। साथ ही जिले की स्वार सीट से पार्टी की सहयोगी अपना दल (एस) ने एक महिला उम्मीदवार को मैदान में उतारा है।

वहीं पार्टी ने बदायूं जिले के ककराला, आजमगढ़ जिले के मुबारकपुर और बिजनौर जिले के अफजलगढ़ की नगर पालिका परिषदों से मुस्लिम उम्मीदवारों को मैदान में उतारा है। नगर पंचायत अध्यक्ष पद के लिए ज्यादातर मुस्लिम उम्मीदवार मेरठ, बागपत, अमरोहा, मुरादाबाद, बदायूं, रामपुर और बरेली जिलों से हैं। इन सभी जिलों में मुस्लिम मतदाताओं की अच्छी खासी संख्या है। बीजेपी के अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष कुंवर बासित अली ने मीडिया को बताया कि अतीत में टिकट के लिए समुदाय की ओर से ऐसी कोई मांग नहीं की जाती थी। इस बदलाव से पता चलता है कि पिछले कुछ सालों में बीजेपी में मुसलमानों का भरोसा बढ़ा है।

अली का मानना है कि भाजपा में मुसलमानों का भरोसा इसलिए बढ़ा है क्योंकि केंद्र में नरेंद्र मोदी और यूपी में योगी आदित्यनाथ की अगुवाई वाली सरकार ने उन्हें बिना किसी भेदभाव के कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिया है। रिपोर्ट में पार्टी के एक अन्य नेता के हवाले से कहा गया है कि मुस्लिम उम्मीदवारों को केवल समुदाय के प्रभुत्व वाली सीटों पर टिकट दिया गया है।

बकिंघम पैलेस के पास से संदिग्ध व्यक्ति गिरफ्तार

लंदन(ईएमएस)। लंदन में बकिंघम पैलेस के गेट के पास एक व्यक्ति को मंगलवार शाम उस समय गिरफ्तार किया गया जब उसने वहां संदिग्ध कारतूस फेंके। स्कॉटलैंड यार्ड के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। महाराजा चार्ल्स तृतीय और महारानी कैमिला के राज्याभिषेक समारोह से ठीक चार दिन पहले यह घटना घटी। अधिकारी ने बताया कि घटनास्थल पर मौजूद संदिग्ध को खतरनाक हथितार पास होने के संदेह में गिरफ्तार किया गया और उसके पास एक संदिग्ध बैग पाए जाने के बाद अधिकारियों को जगह-जगह तैनात किया गया। मेट्रोपोलिटन पुलिस के मुख्य अधीक्षक जोसेफ मैकडॉनल्ड ने कहा ?कि अधिकारियों ने तुरंत संदिग्ध को पकड़ लिया और उसे पुलिस हिरासत में ले गए।

यूक्रेन को अमेरिका 30 करोड़ डॉलर की सैन्य सहायता भेजेगा

वाशिंगटन। यूक्रेन पर रूसी हमलों के बीच अमेरिका यूक्रेन को करीब 30 करोड़ डॉलर की अतिरिक्त सैन्य सहायता भेज रहा है, जिसमें भारी मात्रा में रॉकेट और गोला-बारूद शामिल हैं। अधिकारियों ने नाम न छापने की शर्त पर यह जानकारी देते हुए बताया कि अमेरिका की ओर से यूक्रेन को दिए जा रहे इस नए पैकेज में घातक हाइड्रा-70 रॉकेट भी शामिल है जिसे लड़ाकू विमान से दागा जाता है। इसके अलावा हाई मोबिलिटी आर्टिलरी रॉकेट सिस्टम्स, मोर्टार, हॉवित्जर राउंड, मिसाइल, राइफल्स के साथ-साथ भारी मात्रा में रॉकेट भी शामिल हैं। इन हथियारों को पेंटागन के स्टॉक से यूक्रेन भेजा जाएगा ताकि डिलीवरी की प्रक्रिया जल्दी पूरी हो सके। अमेरिका की ओर से हथियारों की यह खेप ऐसे समय में मुहैया कराई जा रही है जब यूक्रेन के अधिकारी इस बात का दावा कर रहे हैं कि वे रूस के खिलाफ जवाबी कार्रवाई के लिए तैयार हैं। यूक्रेन के रक्षा मंत्री ओलेक्सी रेजनिकोव ने सोमवार को कहा था कि हमले को सफल बनाने में हथियारों की उपलब्धता काफी महत्वपूर्ण है।

तेज आंधी-बारिश से हुई घटनाओं में लगभग 14 लोगों की मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के विभिन्न हिस्सों में तेज आंधी-तूफान व भारी बारिश के बाद पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में मारे गए नौ पर्यटकों सहित कम से कम 14 लोगों की मौत हो गई है। इनमें दक्षिण-पश्चिमी बलूचिस्तान प्रांत में कम से कम चार लोगों की मौत तथा कराची में एक लड़के की मौत भी शामिल है। हालां ?कि बाद में प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने अलर्ट जारी किया और आपदा प्रबंधन अधिकारियों को लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सतर्क रहने के लिए कहा। उन्होंने राजमार्ग अधिकारियों को भी सतर्क रहने के लिए कहा, क्योंकि बारिश के कारण हुए भूस्खलन की वजह से सप्ताहांत में कुछ सड़कें, कुछ समय के लिए अवरुद्ध हो गई थीं। जानकारी के अनुसार पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में एक जीप के नदी में गिर जाने के बाद लापता हुए आठ पर्यटकों को बचावकर्मियों ने तीन दिन बाद मृत घोषित कर दिया है। पुलिस ने यह जानकारी देते हुए बताया किकाफी खोजबीन के बाद भी इन पर्यटकों का कोई पता नहीं चला। एक स्थानीय पुलिस अधिकारी खालिद अजीज ने बताया कि यह घटना रविवार को हिमालयी क्षेत्र के विवादित नीलम घाटी जिले में हुई। अधिकारी ने बताया कि शुरुआत में इस घटना में एक पर्यटक की मौत हुई और पांच अन्य पर्यटक घायल हो गए थे, जबकि बाद में पुलिस को पता चला कि हादसे में आठ पर्यटक लापता हैं। उन्होंने बताया नदी में तेज बहाव के कारण उनके जीवित होने की कोई उम्मीद नहीं है।

अमेरिकी धार्मिक स्वतंत्रता पैनल की रिपोर्ट को भारत ने किया खारिज

वाशिंगटन। अमेरिका ने फिर से भारत को लेकर दोहरा मापदंड दिखाया है। अमेरिका स्थित एक विश्लेषण संगठन द्वारा एक रिपोर्ट प्रकाशित की गई जिसमें भारत में केंद्र, राज्य और स्थानीय सरकारों पर धार्मिक रूप से भेदभावपूर्ण नीतियां अपनाने का आरोप लगाया है। यूनाइटेड स्टेट्स कमीशन ऑन इंडिपेंडेंट रिलिजियस फ्रीडम (यूएसआईसीआरएफ) ने विदेश विभाग से भारत को विशेष चिंता वाले देश के रूप में वर्गीकृत करने के लिए कहा है। अमेरिका स्थित विश्लेषण संगठन द्वारा एक रिपोर्ट प्रकाशित करने के एक दिन बाद जिसमें सुझाव दिया गया था कि बाइडेन प्रशासन भारत को विशेष चिंता वाले देशों (सीपीसी) की सूची में नामित करता है। नई दिल्ली ने दावों को खारिज कर दिया है और इस पक्षपातपूर्ण कहा है। भारत की आलोचनात्मक टिप्पणी अंतर्राष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता पर अमेरिकी आयोग द्वारा प्रकाशित एक रिपोर्ट के रूप में आई है, जिसमें दावा किया गया है कि मौजूदा सरकार धर्म या विश्वास की स्वतंत्रता के अधिकार के व्यवस्थित, चल रहे और गंभीर उल्लंघन में शामिल है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा कि आयोग इस तरह की टिप्पणियों को दोहराता रहता है। उन्होंने कहा कि नई दिल्ली तथ्यों की गलत व्याख्या को खारिज करती है जो केवल यूएससीआईआरएफ को बदनाम करने का काम करती है। साथ ही, प्रवक्ता ने संबंधित संगठन को भारत, इसकी बहुलता और इसके लोकतांत्रिक लोकाचार की बेहतर समझ विकसित करने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा, अंतर्राष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता पर अमेरिकी आयोग इस बार अपनी 2023 की वार्षिक रिपोर्ट में भारत के बारे में पक्षपाती और प्रेरित टिप्पणियों को फिर से जारी कर रहा है। बागची ने कहा, हम तथ्यों की ऐसी गलत बयानी को खारिज करते हैं जो केवल यूएससीआईआरएफ को ही बदनाम करने का काम करता है। उन्होंने कहा, हम यूएससीआईआरएफ से इस तरह के प्रयासों से दूर रहने और भारत, इसकी बहुलता, इसके लोकतांत्रिक लोकाचार और इसके संवैधानिक तंत्र की बेहतर समझ विकसित करने का आग्रह करने वाले हैं।

बुशरा बीबी ने मरियम नवाज के खिलाफ किया मानहानि का मुकदमा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की राजनीतिक पार्टी पीटीआई और पीएमएल-एन में आरोप-प्रत्यारोप जारी हैं। इसी कड़ी में अब पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पत्नी बुशरा बीबी और पीएम शहबाज शरीफ की भतीजी मरियम नवाज के बीच जंग छिड़ गई है। मरियम ने बुशरा बीबी पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया है। इस पर बुशरा बीबी ने पाकिस्तान मुस्लिम लीग नवाज (पीएमएल-एन) की वरिष्ठ उपाध्यक्ष मरियम के खिलाफ मानहानि का आपराधिक मामला दर्ज कराने का फैसला किया है। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के वरिष्ठ नेता फवाद चौधरी ने यह जानकारी दी है। सत्तारूढ़ पार्टी की नेता मरियम ने बुशरा बीबी पर रिश्वत लेने का आरोप लगाया था। उन्होंने कहा था कि बुशरा बीबी आधिकारिक दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करने के लिए रिश्वत लिया करती थीं। बुशरा बीबी अपने करीबी फरहत शेजदी उस्मान बुजदार के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार के मामलों में सक्रिय रूप से शामिल रही हैं और अधिकारियों के आधिकारिक स्थानांतरण या पोस्टिंग के लिए रिश्वत भी लिया करती हैं। पीटीआई नेता फवाद ने कहा कि बुशरा बीबी का राजनीति से कोई लेना देना नहीं था इसके बावजूद मरियम ने उन पर आरोप लगाना जारी रखा। इसकारण बुशरा बीबी ने बेबुनियाद आरोप लगाने के लिए मरियम नवाज को कानूनी नोटिस भेजने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि नोटिस के बाद मरियम के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज किया जाएगा। वहीं पीटीआई नेता फवाद ने मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) सिकंदर सुल्तान राजा पर भी निशाना साधकर आरोप लगाया कि राजा सत्तारूढ़ गठबंधन के मित्र के रूप में काम कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि एक तरफ, वे कहते हैं कि चुनाव के लिए पैसा नहीं है, लेकिन दूसरी तरफ, उन्होंने सरगोधा में चुनाव आयोग के कार्यालय के लिए 320 मिलियन में चार कनाल जमीन खरीदी है। सीईसी पाकिस्तानी लोगों को उनके मतदान के अधिकार से वंचित करने की साजिश रच रहा है।

हिमस्खलन की चपेट में आए पांच लोग अभी भी लापता

काठमांडू। नेपाल के दारचुला जिले में हिमस्खलन के बाद चार महिलाएं और एक पुरुष लापता हो गए हैं। एक स्थानीय अधिकारी ने यह जानकारी दी। मी ?डिया ?को ?मिली जानकारी के अनुसार, मुख्य जिला अधिकारी किरण जोशी ने बताया कि मंगलवार को दोपहर 2.45 बजे हुए हिमस्खलन के बाद शुरू में 12 लोगों के लापता होने की सूचना मिली थी, लेकिन बाद में सात लोगों ने स्थानीय प्रशासन से संपर्क किया। जोशी ने कहा ?कि पांच लोग अभी भी लापता हैं। हम अभी भी उनके ठिकाने के बारे में अनजान हैं। रेस्क्यू टीम घटना स्थल पर पहुंच गई है।

लॉस एंजिल्स में मनोरंजन जगत के लेखक हड़ताल के साथ ही विरोध प्रदर्शन करते हुए।

इजराइल के विदेश मंत्री अली कोहेन अगले सप्ताह आएंगे भारत

यरूशलम(ईएमएस)। इजराइल के विदेश मंत्री अली कोहेन अगले सप्ताह भारत की यात्रा करेंगे। उनकी इस यात्रा को प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की इस साल के अंत में होने वाली नयी दिल्ली की यात्रा से पहले तैयारियों से जुड़ी माना जा रहा है। कोहेन 9 से 11 मई तक तीन दिन की भारत यात्रा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और विदेश मंत्री एस जयशंकर से बातचीत करेंगे। वह एक दिन मुंबई का दौरा भी करेंगे। यह तीन महीने से कम समय में इजराइल के किसी वरिष्ठ अधिकारी की तीसरी उच्चस्तरीय यात्रा है। इससे पहले इजराइली संसद नेसेट के अध्यक्ष अमीर ओहाना ने मार्च के अंत में और अप्रैल के पहले सप्ताह में भारत का दौरा किया था। वित्त मंत्री निर बरकत ने भी पिछले महीने भारत यात्रा की थी। कोहेन के साथ उद्यमियों का शिष्टमंडल भी आएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जनवरी में नेतन्याहू को भारत आने का न्योता दिया था।

हिंडेनबर्ग की एक रिपोर्ट से एक ही दिन में गंवाए 81 हजार करोड़

-इस बार अमेरिकी अरबपति कॉरपोरेट एक्टिविस्ट कार्ल इकान आए निशाने पर

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी शॉर्ट सेलर फर्म हिंडेनबर्ग रिसर्च की एक रिपोर्ट से अरबपति ने एक ही दिन में 81 हजार करोड़ से अधिक की संपत्ति गंवा दी है। जानकारी के अनुसार अमेरिकी शॉर्ट सेलर फर्म हिंडेनबर्ग रिसर्च के निशाने पर अब अमेरिकी अरबपति और कॉरपोरेट एक्टिविस्ट कार्ल इकान आएं हैं। कार्ल की कंपनी इकान एंटरप्राइजेज एलपी के खिलाफ रिपोर्ट जारी कर हिंडेनबर्ग ने आरोप लगाया है कि इकान एंटरप्राइजेज पोंजी स्कीम जैसे इकोनॉमिक स्ट्रक्चर को अपनाया है। हिंडनबर्ग की रिपोर्ट सामने आने के बाद कार्ल इकान की संपत्ति मंगलवार को एक दिन में ही 81,809 करोड़ रुपये (10 बिलियन डॉलर) से ज्यादा कम हो गई। वहीं इकान एंटरप्राइजेज एलपी के शेयरों में 20 फीसदी तक की गिरावट आई। गौरतलब है कि हिंडेनबर्ग रिसर्च ने भारत के अडानी समूह के खिलाफ जनवरी में एक विवादास्पद रिपोर्ट जारी की थी। इस रिपोर्ट के सामने आने के बाद अडानी समूह की कंपनियों के शेयरों में भारी गिरावट आई थी। अभी तक अडानी समूह इस धक्के से उबर नहीं पाया है। शॉर्ट सेलर फर्म ने अडानी के बाद ट्विटर के को-फाउंडर जैक डोर्सी की कंपनी ब्लॉक को भी टारगेट किया था।

ब्लूमबर्ग बिलेनियर्स इंडेक्स के अनुसार कार्ल इकान हिंडेनबर्ग की रिपोर्ट आने से पहले 25 बिलियन डॉलर की कुल संपत्ति के साथ दुनिया के 58वें सबसे अमीर व्यक्ति थे। रिपोर्ट आने के बाद उनकी दौलत 41 फीसदी गिरकर 14.6 बिलियन डॉलर रह गई। इस गिरावट के बाद कार्ल इकान दुनिया के सबसे अमीर लोगों की सूची में टॉप-100 से भी बाहर हो गए। अब वह इस सूची में 119वें पायदान पर हैं।

हिंडेनबर्ग की रिपोर्ट के आने के बाद इकान एंटरप्राइजेज एलपी के शेयरों में जबरदस?त बिकवाली हुई और शेयर 20 फीसदी तक टूट गए। यह कंपनी कार्ल इकान की होल्डिंग कंपनी के रूप में काम करती है। कंपनी के शेयरों के भाव में भारी गिरावट आने से कार्ल इकान की दौलत में 3.1 बिलियन डॉलर की गिरावट आई। शॉर्ट सेलर फर्म ने इकान एंटरप्राइजेज में कार्ल इकान की उस हिस्सेदारी पर भी चर्चा की, जिन्हें गिरवी रखकर लोन लिया गया है। पहले इनके मार्जिन को ब्लूमबर्ग बिलेनियर्स इंडेक्स के द्वारा नेटवर्थ तय करने में कैलकुलेट नहीं किया जाता था। अब इंडेक्स इसे भी शामिल करने लगा है। इस तरह कार्ल इकान की नेटवर्थ के कैलकुलेशन में यहां से अतिरिक्त 7.3 बिलियन डॉलर का नुकसान हुआ। इस तरह उनकी दौलत एक दिन में 10 बिलियन डॉलर से ज्यादा गिर गई।

जम्मू-कश्मीर में जी-20 की बैठक से तमतमाया पाकिस्तान, बड़ी साजिश में जुटा

इस्लामाबाद (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में दुनिया के 20 सबसे शक्तिशाली देशों के समूह जी-20 की बैठक कराने की मोदी सरकार की योजना से पाकिस्तान बौखला गया है, और बड़ी साजिश रच रहा है। पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने कश्मीर में जी-20 बैठक कराने की योजना पर आंसू बहाकर कहा कि वह भारत के खिलाफ कई मोर्चों पर अभियान चलाने जा रहा है। वहीं पूरे विवाद में पाकिस्तान के बड़बोले राष्ट्रपति आरिफ अल्वी भी कूद पड़े हैं, उन्होंने विदेश मंत्रालय से कहा कि भारत के खिलाफ अपने अभियान को तेज करे।

भारतीय खुफिया एजेंसियों का मानना है कि पाकिस्तान आत्मघाती और ग्रेनेड हमले की साजिश रच रहा है। इस खतरे को देखकर जम्मू-कश्मीर में जी-20 के सभी कार्यक्रम स्थलों पर एनएसजी को तैनात किया जाएगा। पाकिस्तानी राष्ट्रपति ने ऑल पार्टी हुर्रियत क्रॉन्फ्रेंस के नेता महमूद अहमद सागर के पत्र के आधार पर विदेश मंत्रालय को कार्रवाई करने के लिए कहा है। इस कथित पत्र में अल्वी ने पाकिस्तानी राष्ट्रपति से तत्काल हस्तक्षेप के लिए कहा था।

दरअसल, अलगाववादी संगठन हुर्रियत को डर सता रहा है कि जी-20 सम्मेलन अगर कश्मीर में होता है, तब इससे उसकी और पाकिस्तानी प्रोपेगैंडा की पोल खुल जाएगी। वहीं कश्मीर में धीरे-धीरे सामान्य हो रहे माहौल का दुनिया को अहसास हो जाएगा। हुर्रियत चाहता है कि पाकिस्तान भारत के कश्मीर में जी-20 सम्मेलन कराने के मामले को संयुक्त राष्ट्र और अन्य क्षेत्रीय मंचों पर उठाए। पाकिस्तान की शहबाज शरीफ सरकार ने आश्वासन दिया है कि वह इस मामले में पूरा सहयोग करेगी।

प्रधानमंत्री शरीफ ने फिर से जहरीला बयान देकर दावा किया कि भारत ने जो कश्मीर से अनुच्छेद 370 को खत्म किया है, वह मानवाधिकारों का पूरा उल्लंघन है। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय खासकर संयुक्त राष्ट्र को इस पर नोटिस लेना चाहिए। खुद दुनिया से भीख मांग रहे पाकिस्तान के पीएम ने वादा किया है कि वह कश्मीरी जनता को समर्थन देते रहने वाले हैं। पाकिस्तान की इसी चाल को फेल करने के लिए भारत एनएसजी के साथ मरीन कमांडो मार्कोस को भी तैनात करने जा रहा है। इन जवानों को झील और अन्य पानी वाले इलाकों में तैनात किया जाएगा।

डोनाल्ड ट्रंप ने फ्लाइट में किया यौन उत्पीड़न, यूएस कोर्ट में पीड़ित महिला ने दी गवाही

न्यूयॉर्क। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लिए यौन उत्पीड़न का मुद्दा सिरदर्द बना हुआ है। एक महिला ने मंगलवार को न्यूयॉर्क सिविल ट्रायल में बताया कि 1970 के दशक के अंत में डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका में एक फ्लाइट में उनका यौन उत्पीड़न किया था। जेसिका लीड्स ने पूर्व राष्ट्रपति के खिलाफ लेखक जीन कैरोल द्वारा लगाए गए बलात्कार और मानहानि के मुकदमे में गवाही देते हुए कथित हमले का वर्णन किया। ट्रंप ने यौन उत्पीड़न के सभी आरोपों से इनकार किया है और कहा कि ऐसे किसी भी दावे पर कभी भी कोई कार्रवाई नहीं हुई। जेसिका लीड्स ने मैनहट्टन की संघीय अदालत को बताया कि ट्रंप ने 1978 या 1979 में न्यूयॉर्क जाने वाली एक उड़ान के बिजनेस क्लास सेक्शन में उनकी स्कर्ट पर हाथ रखा था। जेसिका लीड्स ने पहली बार 2016 के चुनाव से हफ्तों पहले मीडिया से साक्षात्कार में आरोप लगाया था। कई महिलाओं ने मतदान के दौरान ट्रंप पर यौन दुराचार का आरोप लगाया। हिलेरी क्लिंटन के साथ राष्ट्रपति की बहस के दौरान ट्रंप द्वारा यौन उत्पीड़न के आरोपों का खंडन करने के बाद जेसिका लीड्स सार्वजनिक रूप से आरोप लगाने लगीं।

इस्लामाबाद हाईकोर्ट की इमरान को चेतावनी, पेश हो वरना जमानत रद्द कर दी जाएगी

इस्लामाबाद (एजेंसी)। इस्लामाबाद हाईकोर्ट (आईएचसी) ने बुधवार को पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) प्रमुख और पूर्व पीएम इमरान खान को चेतावनी दी हैं कि अगर वह कोर्ट में पेश नहीं हुए, तब उनकी जमानत रद्द कर दी जाएगी। रिपोर्ट के अनुसार, अदालत ने पूर्व प्रधानमंत्री के खिलाफ दर्ज एक मामले की सुनवाई करते समय अदालत से उनकी अनुपस्थिति पर नाराजगी व्यक्त की। यह मामला देश के संस्थानों के खिलाफ विद्रोह को उकसाने का था।

आईएचसी के मुख्य न्यायाधीश आमेर फारूक ने याचिकाकर्ता के बारे में पूछताछ की, जिस पर खान के वकील नईम हैदर पंजोथा ने कहा कि वह आज अदालत आने में असमर्थ हैं और इसलिए उन्होंने छूट के लिए एक आवेदन दायर किया है। जब मुख्य न्यायाधीश ने आवेदन के बारे में और पूछा, तब वकील ने स्पष्ट किया कि यह दायर किया जा चुका है।

इसपर न्यायमूर्ति फारूक ने टिप्पणी की कि यदि खान सुनवाई के लिए समय पर अदालत में उपस्थित नहीं हुए, तब उनकी अंतरिम जमानत रद्द कर दी जाएगी और कहा कि अदालत का मजाक बनाया जा रहा है। इसके बाद अदालत ने पीटीआई प्रमुख के पेश होने तक सुनवाई स्थगित कर दी।

प्रेस की स्वतंत्रता लोकतंत्र और न्याय की नींव है : यूनिसेफ

-विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस पर यूनिसेफ ने सभी देशों से की मीडिया पर हमले रोकने की अपील

जिनेवा (एजेंसी)। संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस पर कहा है कि मीडिया को दबाने की कोशिश नहीं होनी चाहिए। यूनिसेफ ने चेतावनी दी कि दुनिया के हर कोने में मीडिया पर हमले हो रहे हैं। उन्होंने सभी देशों से आग्रह किया कि वे सच्चाई और इसकी जानकारी देने वालों को निशाना बनाना बंद करें। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने 2022 में मीडियाकर्मियों की हत्या में 50 प्रतिशत की वृद्धि को 'अविश्वसनीय' बताया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि प्रेस की स्वतंत्रता लोकतंत्र और न्याय की नींव है और कहा कि यह खतरे में है। उन्होंने कहा कि 2022 में कम से कम 67 मीडियाकर्मी मारे गए। संयुक्त राष्ट्र प्रमुख के अनुसार डिजिटल प्लेटफॉर्म और सोशल मीडिया ने चरमपंथियों के लिए झूठे आख्यानों को आगे बढ़ाना और पत्रकारों को परेशान करना आसान बना दिया है। गुतारेस ने कहा, दुष्प्रचार और घृणा भरे भाषणों से सच्चाई को खतरा है, जो तथ्य और कल्पना के

बीच, विज्ञान और साजिश के बीच की रेखाओं को धुंधला करने की कोशिश कर रहा है। गुतारेस ने कहा कि मीडिया उद्योग के पतन से अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को खतरा है। उन्होंने कहा कि इस पतन के कारण स्थानीय समाचार संस्थाएं बंद हो गई हैं और मीडिया कुछ लोगों के हाथों में चला गया है।

यू ?निसेफ प्रमुख ने कहा कि दुनियाभर में सरकारों द्वारा पारित किए गए नए कानून धमकी भरे हैं। जैसे कि रूस का 2022 का कानून, जिसके मुताबिक अगर कोई भी उसकी सेना के बारे में ऐसी जानकारी प्रकाशित करता है जिसे रूस गलत मानता है तो उसे 15 साल तक की जेल हो सकती है।

रूस ने मार्च के अंत में पत्रकार इवान गेर्शकोविच को जासूसी के आरोप में हिरासत में लिया था, जबकि उससे से पूछे जाने पर उसने ऐसी किसी भी बात को नकार दिया था। बाइडन प्रशासन ने कहा कि गेर्शकोविच को गलत तरीके से हिरासत में लिया जा रहा है और वह उसकी रिहाई के लिए काम कर रहा है।

गुतारेस ने ऑनलाइन और ऑफलाइन मीडियाकर्मियों को निशाना बनाने की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि उन्हें नियमित रूप से परेशान किया जाता है, डराया जाता है और हिरासत में लिया जाता है। उन्होंने कहा कि लगभग तीन-चौथाई महिला पत्रकारों ने ऑनलाइन हिंसा का सामना किया और एक-चौथाई को शारीरिक प्रताड़ना झेलनी पड़ी। उन्होंने विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस की 30वीं वर्षगांठ के अवसर पर संयुक्त राष्ट्र द्वारा आयोजित कार्यक्रम के लिए एक वीडियो संदेश में यह बात कही। 'विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस' को संयुक्त राष्ट्र महासभा ने पहली बार दिसंबर 1993 में घोषित किया और हर तीन मई को आयोजित करने के लिए अधिकृत किया। महासचिव ने कहा कि पत्रकारों को अपना काम करने पर मिल रहीं धमकियों, उन पर हो रहे हमलों और उनके कारावास को रोकने के लिए दुनिया को एकजुट होना चाहिए और झूठ और दुष्प्रचार को रोकना चाहिए।

मानहानि केस में झुके एलन मस्क, सुलह के लिए देंगे 10 हजार डॉलर

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। टेस्ला के सीईओ एलन मस्क आलोचक और स्वतंत्र शोधकर्ता भारतीय-अमेरिकी सिख रणदीप होथी द्वारा उनके खिलाफ दायर एक मानहानि मामले में सुलह के लिए 10,000 डॉलर देने पर सहमत हुए हैं। मिशिगन वि?वि में एशियाई भाषाओं और संस्कृतियों में डॉक्टरेट के छात्र होथी ने 2020 में मस्क के खिलाफ मानहानि का मामला दायर किया था। उन्होंने आरोप लगाया था कि अरबपति व्यवसायी ने उन पर टेस्ला कर्मचारियों को सक्रिय रूप से परेशान करने और लगभग मारने का झूठा आरोप लगाया था। मार्च 2023 में एक लंबी लड़ाई के बाद मस्क ने होथी से मामले को निपटाने के लिए कहा। होथी ने भी मस्क के सुलह प्रस्ताव को स्वीकार करने की घोषणा करते हुए कहा, यह मामला प्रसिद्धि या पैसे की मांग के बारे में नहीं था। ब?ल्कि अपना पक्ष रखने के बारे में था। मैं अच्छा महसूस कर रहा हूं। मैं यह केस अपने काम का बचाव करने, अपना नाम को पाक-साफकरने और एक संदेश देने के लिए किया था। मुझे विश्वास है कि मैंने इसे पूरा कर लिया है। मस्क को बहुत-बहुत धन्यवाद।

होथी के वकीलों में से एक डी. गिल स्पेलिन ने कहा, पिछले साल मस्क ने कहा था कि वह अन्यायपूर्ण मामले को कभी नहीं सुलझाएंगे। फ्रि भी उन्होंने होथी से उसे सुलझाने के लिए कहा है। हम मस्क की विलंबित स्वीकारोक्ति का स्वागत करते हैं कि यह मामला न्यायपूर्ण था। गौरतलब है ?कि टेस्ला के साथ होथी का आमना-सामना तब हुआ जब उन्होंने ट्वीटर पर एकरेटएसकेएबीओओएसएचकेए के नाम से अकाउंट बनाया और इलेक्ट्रिक वाहन निमार्ता के स्वचालन, प्रौद्योगिकी और उत्पादन प्रक्रियाओं के बारे में मस्क और उनकी कंपनी के प्रकाशित दावों के बारे में फैक्ट चेक किए।

होथी 2018 की शुरुआत में एक सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में टेस्ला के कैलिफोर्निया स्थित कारखाने में उत्पादन प्रक्रिया को देखा था।

अप्रैल 2019 में टेस्ला ने होथी के खिलाफ एक निरोधक आदेश की मांग की। उसने आरोप लगाया कि होथी ने एक कर्मचारी को टेस्ला फैक्ट्री की पार्किंग में अपनी कार से मारा। होथी ने इस आरोप को सिरे से खारिज कर दिया। जब होथी और उनकी कानूनी टीम ने कथित टक्कर का वीडियो सौंपने के लिए टेस्ला के खिलाफअदालत से आदेश प्राप्त कर लिया तो टेस्ला ने जुलाई 2019 में अचानक अपना मुकदमा वापस ले लिया। इसके बाद अगले महीने मस्क ने होथी पर सक्रिय रूप से परेशान करने और टेस्ला के कर्मचारियों को लगभग मारने (आईएनजी) का आरोप लगाते हुए एक

रिपोर्टर को ई-मेल किया। उस टिप्पणी को बाद में प्रकाशित किया गया और ट्विटर पर सैकड़ों हजारों लोगों के लिए प्रसारित किया गया। मस्क के आरोपों के व्हिसलब्लोअर, शोधकर्ताओं, पत्रकारों और आलोचकों सहित सभी वर्ग से होथी के लिए समर्थन आने लगे। होथी ने अगस्त 2020 में मानहानि का मुकदमा किया।

संपादकीय

70 सावन कृपाल रूहानी मिशन के फिरोज़पुर, अहमदाबाद सेण्टर में बाल आध्यात्मिक शिविर का आयोजन

70 सावन कृपाल रूहानी मिशन के फिरोज़पुर, अहमदाबाद सेण्टर में बाल आध्यात्मिक शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें 5 साल से लेकर 16 साल तक के लगभग 400 बच्चों ने बड़े ही उत्साह से भाग लिया। इस बाल आध्यात्मिक शिविर में बच्चों के लिए आत्म-निरीक्षण डायरी, स्वस्थ जीवन शैली, शाकाहारी भोजन , सूफी कव्वाली व संगीत, कविता पाठ, चित्रकला जैसे विषयो पर अनेक प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जिसमें बच्चों ने बड़ी ही खुशी से भाग लेकर अपनी योग्यता व प्रतिभा का परिचय दिया। चित्रकला प्रतियोगिता में बच्चों के चित्रों को देखकर ऐसा लगता था मानो उन्होंने अपने हृदय के विचारो को रंगो में ढालकर परमात्मा से सम्बन्ध स्थापित करने की एक छोटी सी कोशिश की हो ।

इस शिविर में बच्चों के शारीरिक स्वास्थ्य लाभ के लिए दौड़ और जुम्बा योगा प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। शिविर में बच्चों के चेहरे पर खुशी की झलक साफ दिखाई दे रही थी। उन सभी ने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं उन्हें बहुत ही अच्छी लगती हैं । सावन कृपाल रूहानी मिशन के अध्यक्ष संत राजिन्दर सिंह जी महाराज के मार्गदर्शन में बच्चों को आध्यात्मिक विकास के लिए 'बाल सत्संग' की स्थापना की गई है , जिसमें उन्हें अध्यात्म के विभिन्न पहलु के साथ-साथ नैतिक जीवन जीने की शिक्षा दी जाती है ताकि वे शुरू से ही अपने जीवन में शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक विकास के साथ-साथ आध्यात्मिक स्तर पर भी सफलता प्राप्त कर सकें। इन बाल सत्संग में बच्चों को ध्यान-अभ्यास की विधि भी सिखाई जाती है ताकि वे अपनी एकाग्रता का विकास कर अपने लिए एक बेहतर भविष्य का भी निर्माण कर सकें और मानव जीवन के मुख्य उद्देश्य जो की अपने आपको जानना और प्रभु को पाना है वह भी इसी जीवन में पूरा करे।

सावन कृपाल रूहानी मिशन के अध्यक्ष संत राजिन्दर सिंह जी महाराज आज संपूर्ण विश्व में ध्यान-अभ्यास द्वारा प्रेम, एकता व शांति का संदेश प्रसारित कर रहे हैं, जिसके फलस्वरूप उन्हें विभिन्न देशों द्वारा अनेक शांति पुरस्कारों के साथ-साथ पाँच डॉक्टरेट की उपाधियों से भी सम्मानित किया जा चुका है। सावन कृपाल रूहानी मिशन के आज संपूर्ण विश्व में 3200 से अधिक केन्द्र स्थापित हैं तथा मिशन का साहित्य विश्व की 55 से अधिक भाषाओं में प्रकाशित हो चुका है। इसका मुख्यालय विजय नगर, दिल्ली में है तथा अंतर्राष्ट्रीय मुख्यालय नेपरविले, अमेरिका में स्थित है।

आज का राशिफल

मेष	बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।
वृषभ	पारिवारिक व व्यावसायिक समस्याएं रहेंगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।
मिथुन	सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। व्यावसायिक योजना सफल होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। व्यर्थ के तनाव मिलेंगे।
कर्क	बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। जारी प्रयास सफल होंगे। वाणी की सौम्यता बनाये रखें। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।
सिंह	प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। पिता या उच्चाधिकारी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। ससुराल पक्ष से लाभ मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।
कन्या	जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि मिलेगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।
तुला	राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। व्यावसायिक योजना सफल होगी। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।
वृश्चिक	आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। प्रियजन भेंट संभव।
धनु	पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। जारी प्रयास सफल होंगे। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।
मकर	दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।
कुम्भ	व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। नेत्र विकार की संभावना है। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।
मीन	पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। सृजनात्मक कार्यों में हिस्सा लेना पड़ सकता है। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक कार्यों में खर्च करना पड़ सकता है।

पुस्तकालयों, पत्र-पत्रिकाओं के प्रति उदासीनता आखिर क्यों?

(लेखक-सुनील कुमार महला)

आज का युग सूचना प्रौद्योगिकी व संचार का युग है। सूचना प्रौद्योगिकी व संचार के युग के साथ ही आज हम सोशल नेटवर्किंग साइट्स, इंटरनेट, फेसबुक, व्हाट्सएप, ट्विटर, इंस्टाग्राम में ही अधिक रम-बस गए हैं। हमें कोई भी सूचना, जानकारी प्राप्त करनी होती है तो हम इंटरनेट पर उसे सर्च करने लगते हैं और इंटरनेट के माध्यम से तमाम जानकारियां, सूचनाएं पल झपकते ही प्राप्त कर लेते हैं। पुस्तकों को तो जैसे इस युग में हम नजरअंदाज ही कर चुके हैं। आज विरले ही कोई व्यक्ति किसी पुस्तकालय में पढ़ने जाता होगा, अथवा पुस्तकालय(लाइब्रेरी) का विजिट करता होगा। एक जमाना था, जब आपको बहुत से स्थानों पर सार्वजनिक पुस्तकालय देखने को मिल जाते थे। आज कहीं बड़ी मुश्किल से ही सार्वजनिक पुस्तकालय देखने को मिल सकते हैं। पुस्तकालयों का जीवन में अपना महत्व है और अगर सच में भारत को प्रगति व उन्नति के पथ पर अग्रसर करना है तो देश में सार्वजनिक शौचालय और पुस्तकालय दोनों को ज्यादा से ज्यादा संख्या में स्थापित करने, उन्हें बनाने के बारे में हमें सोचना होगा, इसके लिए काम करना होगा। लेकिन आज यह विडंबना ही है कि लाइब्रेरी व पत्र- पत्रिकाओं के प्रति उदासीनता घर करती जा रही है। सच तो यह है कि लाइब्रेरी(पुस्तकालय) पत्र-पत्रिकाओं के प्रति आज रूचि का ही जैसे अभाव सा हो गया है।आधुनिक सूचना प्रौद्योगिकी, संचार तकनीक के आने के बाद से लोगों की जीवनशैली में आमूल चूल परिवर्तन आए हैं। आज हमारी युवा पीढ़ी का अधिकतम समय सोशल नेटवर्किंग साइट्स पर बीतता है, वे लाइब्रेरी, पुस्तकें, पत्र-पत्रिकाओं को पढ़ते नजर नहीं आते अथवा इनका अध्ययन करते कम ही नजर आते हैं। एक समय में बच्चे लाइब्रेरी जाया करते थे, पुस्तक, पत्र-पत्रिकाएं निर्गमित करवाकर वे इन्हें पढ़ते थे,आज सूचना तकनीक के साथ वह समय लदता चला जा रहा है। आज काग़ज़ का इस्तेमाल कम है, स्क्रीन टाइम का इस्तेमाल ज्यादा है। पुरानी लाइब्रेरी को देखिए आपको वहां बहुत पुरानी पत्र-पत्रिकाएं, किताबें आज भी सहेजी हुई मिल जाएंगी लेकिन बहुत कम लोग ही आज पुस्तकालयों को खोजते नजर आते हैं। वह भी एक दौर था जब हर छोटी-बड़ी जगह एकाध लाइब्रेरी हुआ करती थी। शांति से बैठकर अध्ययन करते थे, यहाँ तक कि खाना-चाय-पानी तक भी लाइब्रेरी में ही हो जाता था। स्कूलों में भी लाइब्रेरी के प्रति एक अलग सा ही हमारा दृष्टिकोण था, और लाइब्रेरी में जाने पर एक अलग ही आनंद व सुख की अनुभूति होती थी, स्कूलों के बुक बैंक आज भी बहुत से लोगों को याद होंगे। युवा पीढ़ी इनके बारे में शायद नहीं जानती हों, ऐसा संभव हो सकता है, क्यों कि आज की युवा पीढ़ी सीधे बाजार से ही पुस्तकों को लेतीं हैं, खरीदती हैं। अब वे दिन हवा हो चले हैं जब हमें कस्बों, शहरों के बस-स्टैंड और रेलवे स्टेशन के बुक स्टॉल पर हमें पत्रिकाएं बहुत ही आसानी से मिल जाया करती थीं। आज सबकुछ हमारे एंड्रॉयड में, लैपटॉप में या यूं कहें कि लैपटॉप में बंद होकर ही रह गया है। यह विडंबना ही है कि आज सरकार की नीतियों की आलोचना करने वाले अखबारों और पत्र-पत्रिकाओं को सरकारी विज्ञापन तक देना बंद कर दिया जाता है, जिससे उनके सामने आर्थिक संकट खड़ा हो जाता है और उनका प्रकाशन तक बंद हो जाता है। आज बहुत से स्कूलों में पुस्तकालयों की व्यवस्था नहीं है। पुस्तकालयों के लिए फंड तक की उपलब्धता नहीं हो पाती है। यदि कहीं पर पुस्तकालय अवस्थित भी हैं तो उनकी पुस्तकें अलमारियों में ही कैद होकर रह जाती हैं। लाइब्रेरी के लिए अलग से कोई व्यवस्थाएं नहीं होतीं हैं। लाइब्रेरियन या पुस्तकालयध्यक्ष, बुक बैंक तो बहुत दूर की बात है। लाइब्रेरी स्थापित करने के लिए संसाधन यथा कमरे, फर्नीचर, बिजली, पानी,फंड तक नहीं होते हैं। सोशल नेटवर्किंग साइट्स के इस दौर में आज विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं, पुस्तकालयों का बंद होना बेहद चिंताजनक है। जीवन में पुस्तकों व पुस्तकालयों का बहुत अधिक महत्व है।अंग्रेजी साहित्य के महान् लेखक फ्रांसिस बेकन, जो अंग्रेजी निबंधों के पिता कहलाते है, ने अपने एक निबंध आफ स्टडीज़ में कहा है कुछ पुस्तकें केवल जायका लेने के लिये होती हैं, कुछ निगलने के लिये होती है तथा कुछ थोड़ी सी चबाने तथा मन में उतारने के लिये होती हैं । फ्रांसिस बेकन का अपने निबंध आफ स्टडीज में यह कथन बिल्कुल सही है क्योंकि इस दुनिया में बहुत सी पुस्तकें हमें देखने व पढ़ने को मिलती है लेकिन पुस्तकों में दी गई विषय वस्तु, ज्ञान को हरेक व्यक्ति अलग अलग ढंग से ग्रहण करता हैं और वह समझता है कि अमुक पुस्तक को उसे सरसरी तौर पर पढना है,किसी पुस्तक को पूरा पढना होता है और किसी पुस्तक को बीच बीच में से पढ़ना होता है। पुस्तकें ज्ञान का अथाह भंडार होती है और पुस्तकें पढ़कर हम बहुत सारा ज्ञान प्राप्त कर सकते हैं। पुस्तकों में ज्ञान है,दर्शन है,विज्ञान है,साहित्य है ।ऐसा कुछ भी नहीं है जो हमें पुस्तकों में ना मिलें, आज इस संसार में हरेक विषय पर आपको पुस्तकें पढ़ने को मिल जायेंगी। सच तो यह है कि पुस्तकें मानवता का सही व सटीक अध्ययन करती हैं, पुस्तकें हमें संस्कृति, संस्कार, सभ्यता सिखाती है या सिखाने में सहायता करती है। पुस्तकें हमारी सच्ची मित्र हैं आज भी और सदा के लिये भी और भूतकाल में भी ये हमारी सच्ची मित्र रही है। पुस्तकें हमारे लिए एक ऐसे संसार का सृजन करती हैं , जो इस वास्तविक संसार से अलग है । जब आपके पास कोई नहीं है और आप बोरियत महसूस कर रहे हैं तो पुस्तकें आपकी सच्ची साथी बन सकती है और आपको किसी की जरूरत महसूस नहीं हो सकती लेकिन इसके लिए पुस्तकों को पढ़ने के लगाव व रूचि जरूरी है। आप और हम पुस्तकों संग हमारा मन बहला सकते है। देखा जाये तो वास्तविक संसार दुःख और कष्टों से भरा पड़ा है । स्वार्थ, द्वेष और शत्रुता की इस दुनिया में आनन्द और खुशी का काफी सीमा तक अभाव रहता है । पुस्तकें हमें आनंद की वास्तविक अनुभूति करवाती हैं, जीवन की राह पर चलना सिखाती है।आज के भौतिकवादी युग में कोई किसी से शत्रुता और द्वेष की भावना रखकर उसे हानि पहुँचा रहा है । कोई दूसरों के हितों का बलिदान करके अपने स्वार्थ की पूर्ति में लगा है। कोई कुछ तो कोई कुछ करने में लगा है तो ऐसे समय में हमें सच्चे और वास्तविक के लिए हमें पुस्तकों के संसार में जाने की जरूरत अहम और महत्वपूर्ण हो जाती है। पुस्तकों की दुनिया में केवल आनन्द ही आनन्द है । पुस्तकें न तो किसी से द्वेष उत्पन्न करती है और न ही शत्रुता । पुस्तकों का अपना स्वार्थ क्या हो सकता है ? हमारे रिश्तेदारों,परिचितों का हमसें कुछ स्वार्थ या लालच हो सकता है लेकिन पुस्तकों का अपना कोई स्वार्थ नहीं हो सकता है।पुस्तकें तो अपने भीतर प्रसन्नता, सुख और आनन्द, ज्ञान, अनुभव, दर्शन, अध्यात्म के साथ बहुत सी जानकारियों का संसार संजोए बैठी हैं । ज्ञान वर्धन मानव की एक मूल प्रवृत्ति है । आप ज्ञान के माध्यम से किसी को भी परास्त या धराशायी कर सकते हो। यदि आपको ज्ञान है तो संसार में आपकी कीमत बढ़ जाती है, लोग आपकी इज्जत और सम्मान करते हैं लेकिन ज्ञान कभी भी अधूरा नहीं होना चाहिए क्योंकि अधूरा ज्ञान अत्यंत ही खतरनाक होता है। एक छोटा बच्चा जब नई चीजें सीखता है अथवा बोलता है तो बच्चे को असीम आनन्द मिलता है । घरवालों की खुशी का तो ठिकाना ही नहीं रहता । बच्चा नई बात सीख कर विशेष खुशी का अनुभव करता है । सच तो यह है कि ज्ञान में आनंद का व गर्व का अनुभव होता है। पुस्तकें ज्ञान का भण्डार है । एक लेखक अपने अनुभवों को पुस्तक में संजोता है तो उसके तरह तरह के अनुभवों से मानवजाति परिचित होती है। उदाहरण के तौर पर यदि किसी व्यक्ति ने माउंट एवरेस्ट की चढाई करनी है और उसे पहाड़ या किसी पर्वतमाला पर चढने पर आने वाली समस्याओं या खतरों के बारे में जानकारी नहीं है तो वह उस विषय पर उपलब्ध किताबों की सहायता से बहुत सा अनुभव प्राप्त कर सकता है और समस्याओं से बच सकता है। पुस्तकों के अध्ययन से ज्ञान की वृद्धि होती है और ज्ञान वृद्धि से सुख मिलता है । ज्ञान वृद्धि से जो सुख मिलता है उसकी तुलना किसी भी सुख से नहीं की जा सकती । किन्तु हर पुस्तक अच्छी नहीं होती और सभी के लिये नहीं होती हैं ।आज की समस्या यह है कि हम पुस्तकें पढ़ना ही नहीं चाहते हैं क्योंकि हमारे पास पुस्तकें पढने के लिए समय का अभाव है और हम अपनी ही धुन में रहते हैं। वैश्वीकरण के इस युग में हम केवल और केवल डिग्री, डिप्लोमा या केवल अपनी शिक्षा पूर्ण करने के लिए केवल सिलेबस के लिहाज से ही पुस्तकें पढ़ते है।हम ज्ञान के लिए नहीं बल्कि इसलिए पुस्तकें, किताबें पढ़ते हैं ताकि हम अच्छी नौकरी लग सकें और अपने जीवन को सही तरीके से चला सकें।हम बाहरी ज्ञान प्राप्त नहीं करना चाहते हैं, हमारी जीवनशैली में हमने बाहरी ज्ञान को प्राप्त करना शायद सीखा ही नहीं है और वैसे भी आज के जमाने में हम सभी केवल अपने मतलब को हल करने के लिए ही पुस्तकों का अध्ययन करते हैं, यह हमारी मजबूरी सी हैं। पुस्तकों को मजबूरी के लिए अपना ज्ञान बढाने के लिए पढ़ना चाहिए, समय के साथ पुस्तकों के पढ़ने में कमी को महसूस किया जा रहा है। आज तो लोग अखबार भी ढंग से पढना नहीं चाहते हैं, फेसबुक, व्हाट्सएप, ट्विटर, सोशल नेटवर्किंग साइट्स पर हम सारी सामग्री को प्राप्त कर रहे हैं, पुस्तकें हाथ में लेकर पढ़ने की प्रवृत्ति धीरे धीरे छूट रही है।आज से दस बारह वर्ष पहले लोग पुस्तकों का अध्ययन करने के लिए वाचनालय, पुस्तकालय, प्रौढ़ शिक्षा केंद्रों, सतत शिक्षा केंद्रों की ओर रूख किया करते थे क्योंकि उनमें उत्सुकता थी, ज्ञान की प्यास थी लेकिन आज यह उत्सुकता, रूचि अब धीरे धीरे खत्म प्रायः सी होती जा रही है। आज युवा पीढ़ी पुस्तकें पढ़ने में पहले की तुलना में रूचि तो दिखाती है, लेकिन पहले के समय की बात कुछ और थी।आज जमाना भी डिजीटल हो गया है। इसका भी असर पुस्तकालयों पर काफी हद तक पड़ा है। हमें पुस्तकें पढ़नी चाहिए और ज्यादा से ज्यादा पढ़ना चाहिए क्योंकि पुस्तकों के अध्ययन से जीवन को उत्कृष्टता की ओर ले जाया जा सकता है।

वस्तु एवं सेवा कर संग्रहण ने अप्रेल 2023 माह में छुआ उच्चतम स्तर

(लेखक-प्रहलाद सबनानी)

भारत में वित्तीय वर्ष 2023-24 की शुरुआत ही अप्रेल 2023 माह से हुई है एवं नए वित्तीय वर्ष के प्रथम माह में ही अर्थात अप्रेल 2023 माह में वस्तु एवं सेवा कर संग्रहण 187,035 करोड़ रुपए का रहा है और यह एक नए रिकार्ड स्तर पर पहुंच गया है। पूर्व में अप्रेल 2022 माह में यह 167,540 करोड़ रुपए का रहा था, जो उस समय पर एक नया रिकार्ड स्तर बना था। अप्रेल 2023 माह में यह अप्रेल 2022 माह की तुलना में 19,495 करोड़ रुपए अधिक रहा है एवं 11.64 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। मार्च 2023 माह में वस्तु एवं सेवा कर संग्रहण 160,172 करोड़ रुपए का रहा था एवं वर्ष 2022-23 में वस्तु एवं सेवा कर संग्रहण का मासिक औसत 1.51 लाख करोड़ रुपए रहा था।

इसी प्रकार, अप्रेल 2023 माह में ही यूपीआई व्यवहारों ने भी अभी तक के एक नए रिकार्ड स्तर को छुआ है, जो 14.07 लाख करोड़ रुपए के 890 करोड़ व्यवहारों के साथ अभी तक के उच्चत्तम स्तर पर पहुंच गया है। साथ ही, फास्टटैग व्यवहार भी अप्रेल 2023 माह में 5149 करोड़ रुपए के 30,50,000 व्यवहारों के साथ अभी तक के अपने उच्चत्तम स्तर पर पहुंच गए है। फास्टटैग व्यवहारों में अप्रेल 2023 माह में 15 प्रतिशत एवं राशि के संग्रहण में 22 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। इससे भारत में उत्पादों के एक स्थान से दूसरे स्थान पर लाने ले जाने को अत्यधिक तेज गति मिलती दिखाई दे रही है। इन व्यवहारों में वृद्धि देश में आर्थिक विकास की दर को और आगे ले जाने में मदद करेगी।

वस्तु एवं सेवा कर संग्रहण में लगातार हो रही वृद्धि में कुछ राज्यों का योगदान निश्चित रूप से बहुत सराहनीय है एवं भारत में यह सहकारी संघवाद के उत्कृष्ट नमूने के रूप में दिखाई दे रहा है। अधिकतम कर राशि संग्रहण के मामले में प्रथम दस बड़े राज्यों में शामिल हैं, महाराष्ट्र (33,196 करोड़ रुपए), कर्नाटक (14,593 करोड़ रुपए), गुजरात (11,721), तमिलनाडु (11,559), उत्तर प्रदेश (10,320), हरियाणा (10,035), पश्चिम बंगाल (6,447), दिल्ली (6,320), तेलंगाना (5,622) एवं ओड़िसा (5,036)।

उक्त राज्यों में उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक, गुजरात एवं तमिलनाडु ने अपने राज्यों की अर्थव्यवस्थाओं को आगे आने वाले कुछ वर्षों में एक लाख करोड़ रुपए के सकल घरेलू उत्पाद के स्तर पर ले जाने के लक्ष्य निर्धारित किए हैं। वस्तु एवं सेवा कर संग्रहण में हो रही वृद्धि के चलते इन राज्यों को उक्त लक्ष्य हासिल करने में निश्चित ही आसानी होगी।

उक्त दस बड़े राज्यों में से कुछ राज्यों सहित कुछ अन्य राज्यों ने अप्रेल 2022 की तुलना में अप्रेल 2023 माह में वस्तु एवं सेवा कर संग्रहण में 20 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर हासिल की है। अर्थात, इन राज्यों में आर्थिक विकास की गति तेज होती दिखाई दे रही है। ये राज्य हैं, उत्तर प्रदेश (21 प्रतिशत), हरियाणा (22 प्रतिशत), जम्मू एवं काश्मीर (44 प्रतिशत), मध्य प्रदेश (28 प्रतिशत), महाराष्ट्र (21 प्रतिशत), कर्नाटक (23 प्रतिशत), गोवा (32 प्रतिशत) एवं लद्दाख (43 प्रतिशत)।

विशेष रूप से पिछले 9 वर्षों से भारत सरकार द्वारा उत्तर पूर्वी राज्यों के विकास की ओर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। अब वस्तु एवं सेवा कर संग्रहण के अप्रेल 2023 माह के आंकड़ों को देखकर यह कहा जा सकता है कि केंद्र सरकार के उक्त प्रयास सफल होते दिखाई दे रहे हैं क्योंकि इन राज्यों में वस्तु एवं सेवा कर संग्रहण में माह अप्रेल 2022 की तुलना में माह अप्रेल 2023 में अतुलनीय वृद्धि दर्ज हुई है। सिक्किम में 61 प्रतिशत, मिजोरम में 53 प्रतिशत, मणिपुर में 32 प्रतिशत, नागालैंड में 29 प्रतिशत, त्रिपुरा में 25 प्रतिशत, अरुणाचल प्रदेश में 21 प्रतिशत, आसाम में 15 प्रतिशत एवं मेघालय में 6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है।

वस्तु एवं सेवा कर संग्रहण में अग्रणी रहे प्रथम 10 राज्यों में से 5 राज्यों में भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन की सरकार है एवं 6ठा राज्य ओड़िसा भी समय समय पर केंद्र सरकार की नीतियों का समर्थन करता दिखाई देता है। इसी प्रकार वस्तु एवं सेवा कर संग्रहण में अप्रेल 2023 माह के दौरान सबसे तेज वृद्धि दर्ज करने वाले 8 राज्यों में भी भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन की सरकार अथवा केंद्र सरकार का सीधा शासन है। साथ ही उत्तर पूर्व के 8 राज्यों में से लगभग सभी राज्यों में राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन की अथवा केंद्र की समर्थित सरकार है। इस संदर्भ में केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार यदि एक ही दल अथवा गठबंधन की हो तो (डबल इंजिन की सरकार वाले राज्य) क्या वास्तव में देश के आर्थिक विकास को यह मॉडल गति देने में सहायक बनता प्रतीत हो रहा है, इस विषय पर विचार किए जाने की आज आवश्यकता है।

हाल ही में समाप्त हुए वित्तीय वर्ष 2022-23 में भारत में प्रत्यक्ष कर संग्रहण 20.33 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करते हुए 19.68 लाख करोड़ रुपए के स्तर पर पहुंच गया था। साथ ही, वस्तु एवं सेवा कर संग्रहण भी 22 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करते हुए 18.10 लाख करोड़ रुपए के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था। देश के नागरिकों द्वारा करों की समय पर की जा रही अदायगी के कारण एवं केंद्र सरकार एवं विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा खर्चों पर नियंत्रण रखने के चलते भारत के कर्ज भी नियंत्रण में बने हुए हैं। इस संदर्भ में अन्य विकसित देशों की स्थिति भारत की तुलना में आज अधिक बिगड़ी हुई नजर आ रही है। अमेरिका पर 30 लाख 40 हज़ार करोड़ अमेरिकी डॉलर का कर्ज है, चीन पर 13 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का, ब्रिटेन पर 9 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का, फ्रान्स पर 7 लाख 32 हज़ार करोड़ अमेरिकी डॉलर का जबकि भारत पर केवल 62,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर का कर्ज है, जो अन्य देशों की तुलना में बहुत कम है। भारत में भारतीय नागरिकों के केंद्र सरकार एवं विभिन्न राज्य सरकारों को दिए जा रहे सहयोग के साथ ही देश में लागू की गई सफल आर्थिक नीतियों के चलते ही यह सम्भव हो पा रहा है।

शरद पवार का इस्तीफा विरासत की लड़ाई

(लेखक-सनत कुमार जैन)

एनसीपी के अध्यक्ष शरद पवार ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने नए अध्यक्ष के लिए एक कमेटी का गठन कर दिया है। पिछले कुछ दिनों से पार्टी के अंदर, सत्ता पर काबिज होने के लिए, परिवार के लोगों के बीच में तल्खी देखने को मिल रही थी। शरद पवार ने समय रहते स्थिति को समझा और पार्टी को फूट से बचाए रखने के लिए एक बड़ा फैसला लेकर, भाजपा सहित सभी राजनीतिक दलों और राजनेताओं को को चौंकाने का काम किया है। शरद पवार, आत्मकथा के विमोचन के अवसर पर अपनी पत्नी के साथ मंच पर उपस्थित थे। पार्टी नेताओं और हजारों कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में उन्होंने अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने की घोषणा की, और नए अध्यक्ष के चुनाव के लिए एक कमेटी का गठन कर दिया। कमेटी में प्रफुल्ल पटेल, सुनील तटकरे, अजित पवार, जयंत पाटिल और पार्टी के कुछ अन्य वरिष्ठ नेताओं को शामिल किया गया है। शरद पवार ने अपनी जिम्मेदारियों को निभाने की बात भी कही है। उनके इस फैसले से पार्टी के अंदर जो बिखराव की खबरों के कयास तेजी के साथ लगाए जा रहे थे। एकाएक उसमें विराम लग गया। राकापा के सभी कार्यकर्ता और नेता एक जुट होकर, शरद पवार से पार्टी अध्यक्ष बने रहने का अनुरोध करने लगे। कार्यकर्ता रोने लगे। वही शरद पवार ने एक कमेटी बनाकर वारिस की सहमति बनाने के लिए पंचों की नियुक्ति कर दी है। यह कमेटी पार्टी के अगले अध्यक्ष पद के लिए नाम का चयन करने की सर्वसम्मति बनाएगी।

बुंदेलखंड में एक कहावत है, रांड
रड़ापा काट ले,जब रडुआ काटन दें।
सत्ता में बने रहने के लिए अब कुछ इसी तरीके के प्रयास महाराष्ट्र में हो रहे हैं। महाराष्ट्र में सत्ता परिवर्तन को लेकर, नई संभावनाएं देखने को मिल रही हैं।भारतीय जनता पार्टी पिछले कुछ दिनों से अजीत पवार को सत्ता में भागीदारी कराने के लिए लगातार प्रोत्साहित कर रही है वहीं पार्टी पर शरद पवार के बाद,अजित दादा पवार और सुप्रिया सुले समय-समय पर दावा करती हैं। महाराष्ट्र में सुप्रीम कोर्ट का फैसला कभी भी आ सकता है। एकनाथ शिंदे और भाजपा को लेकर भी बहुत सारी अटकलों का दौर चल रहा है। अजित दादा पवार, सत्ता से जुड़ने अथवा ईडी के भय से, भारतीय जनता पार्टी के काफी नजदीक हैं। भाजपा की ओर से पड़ रहे दबाव को देखते हुए अजित पवार ने मुख्यमंत्री पद की दावेदारी करके राजनीतिक हितों और पार्टी के अंदर अपने प्रभाव को बनाए रखने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे थे।इसी बीच शरद दादा पवार,रोज-रोज की भाजपा द्वारा की जा रही कोशिश और अजीत पवार को मोहरा बनाए जाने से कहीं ना कहीं नाराज थे। राकापा को दबाव से बाहर निकलने के लिए, उन्होंने तुरुप का सबसे बड़ा पत्ता चल दिया है। अध्यक्ष पद से इस्तीफा देकर तथा नए अध्यक्ष के लिए कमेटी का गठन कर उन्होंने दलबदल की संभावनाओं पर विराम लगा दिया है। यह कमेटी पार्टी के अगले अध्यक्ष के लिए नाम पर सर्वसम्मति बनाएगी। इसमें काफी समय लगेगा। इस बीच शरद पवार ही पार्टी के अध्यक्ष बने रहेंगे। भारतीय जनता पार्टी द्वारा अजित पवार के नेतृत्व में राकापा को तोड़ने के जो प्रयास हो रहे थे उसमें एक विराम लग गया है। महाराष्ट्र सहित देश की राजनीति में इन दिनों बड़ा उवाल आया हुआ है। इस वर्ष मध्य प्रदेश,छत्तीसगढ़, राजस्थान,तेलंगाना, इत्यादि राज्यों के विधानसभा चुनाव होना है। 2024 में लोकसभा का चुनाव होना है। गैर भाजपाई दल विपक्षी एकता की मुहिम में लगे हुए हैं।भारतीय जनता पार्टी में भी अब भगदड़ की स्थिति दिखने लगी है।

कर्नाटक के विधानसभा चुनाव के दौरान वरिष्ठ भाजपा नेता पार्टी को टाटा बाय बाय कर कांग्रेस में प्रवेश कर गए। अन्य राज्यों में भी भाजपा के नेता नाराज होकर अब पार्टी छोड़ रहे हैं। ऐसी स्थिति में भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व, सजग हो गया है। केंद्र सरकार स्थितियों से निपटने के लिए, अन्य राजनीतिक दलों के बीच में सेंध लगा रही है। महाराष्ट्र में शरद पवार के परिवार में, अजित दादा पवार और सुप्रिया सुले के बीच पलीता लगाने का काम, भाजपा ने कर दिया है।

इस समय, सत्ता के साथ अब जांच एजेंसियों का भय भी, राजनीतिक परिवर्तनों के लिए बड़ा महत्वपूर्ण कारण बन गया है। बहरहाल शरद पवार ने इस्तीफा देकर, नए अध्यक्ष के चुनने के लिए कमेटी का गठन कर दिया है। यह दांव चलकर उन्होंने पार्टी को विभाजित होने से रोकने का, फौरी तौर पर प्रयास किया है।

पुण्य भाग्य बनाती है चारधाम की यात्रा

उत्तराखंड को देवभूमि भी कहा जाता है, जिसका अर्थ है भगवान की स्थली। यह प्रदेश भारतवर्ष के अनेक पवित्र एवं महत्वपूर्ण तीर्थो का स्थल है। भगवान की स्थली मने जाने वाला यह प्रदेश पर्यटको को अपने अदभूत सोंदर्य के लिए आकर्षित करता है। अपने अनगिनत पवित्र स्थलों, मंदिरों, तीर्थो, नदियों एवं झीलों से आकर्षित होकर प्रतिवर्ष बड़ी संख्या में पर्यटक यहाँ तीर्थाटन के लिए आते है। उत्तराखंड अपने पवित्र धामों के कारण प्रत्येक हिन्दू का वांछित स्थल है। चारधाम, हरिद्वार एवं ऋषिकेश की यात्रा को प्रत्येक हिन्दू के लिए अत्यन्त आवश्यक माना गया है। हिन्दू पुराणों के के अनुसार चारधाम की यात्रा पुण्य का भाग्य बनाती है। भगवान की यह स्थली, हजारो वर्ष पहले बनाये गए मंदिरों एवं धामों से यहाँ कि धार्मिक विरासत की और समृद्ध संकेत करती है। विश्व भर से लोग तीर्थाटन के लिए उत्तराखंड में आते है।

उत्तराखंड एक ऐसा राज्य है जो कि आध्यात्मिक वायु से ओतप्रोत है। यह आश्चर्यजनक नहीं है कि, मंदिर एवं तीर्थ इस खुबसूरत प्रदेश में काफी कम दुरी पर स्थित है। प्राकृतिक सोंदर्य के हिसाब से भी उत्तराखंड सर्वोत्तम है- खुबसूरत घाटियाँ, अनछुए पहाड़ी मैदान, बर्फ से ढकी हिमालय कि चोटियाँ, बर्फीले हिमनद, झिलमिलाती झीले, जल धारायें एवं हिमनद। यह राज्य अपने में आध्यात्मिक एवं धार्मिक मंदिरों, धामों, नदियों के लिए अत्यन्त प्रसिद्ध है।

तीर्थयात्रियों के लिए यह एक जीवनकाल का एक अदभूत अनुभव होता है, यहाँ के मंदिर एवं धाम, गर्म जल धाराओं, घने जंगलो, बर्फाच्छादित पर्वतो, झीलों एवं पवित्र नदियों से घिरे हुए है। इस स्थली से कोई भी यात्री अनछुवा वापस नहीं जाता, क्योंकि यह क्षेत्र गहरी आस्था अदभूत आध्यात्म पवित्रता एवं दिव्यता से ओतप्रोत है। हिन्दुओं कि सबसे पवित्र मने जाने वाली चारधाम यात्रा में तीर्थयात्री बद्रीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री एवं यमुनोत्री के दर्शन करते है।

उत्तराखंड के प्रसिद्द धार्मिक स्थल है- बद्रीनाथ, केदारनाथ, यमुनोत्री, गंगोत्री, ऋषिकेश, हरिद्वार, हेमकुंड साहिब, रीठा साहिब एवं पंचकेदार। तीर्थयात्रियों के लिए यह एक जीवनकाल का एक अदभूत अनुभव होता है, यहाँ के मंदिर एवं धाम, गर्म जल धाराओं, घने जंगलो, बर्फाच्छादित पर्वतो, झीलों एवं पवित्र नदियों से घिरे हुए है। इस स्थली से कोई भी यात्री अनछुवा वापस नहीं जाता, क्योंकि यह क्षेत्र गहरी आस्था अदभूत आध्यात्म पवित्रता एवं दिव्यता से ओतप्रोत है। हिन्दुओं कि सबसे पवित्र मने जाने वाली चारधाम यात्रा में तीर्थयात्री बद्रीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री एवं यमुनोत्री के दर्शन करते है। जीवन एक यात्रा की तरह है । कभी यह सहज लगती है तो कभी दुर्गम। जब मन में उत्साह और विश्वास की ऊर्जा जागती है तो जीवन यात्रा कितनी भी दुर्गम हो, उसे हम खुशी-खुशी पूरा कर लेते हैं। चारधाम यात्रा को भी लोग विश्वास और उर्जा के साथ उत्साह से पूरा करते हैं । फिर यह ऊर्जा जीवन भर हमारे साथ चलती है। जीवन का हर कठिन और दुसाध्य लगने वाला काम हमारे लिए आसान हो जाता है। यह यात्रा पूरी करने के बाद जीवन की हर मुश्किल आसान लगने लगती है क्योंकि हर वक्त विश्वास की शक्ति हमारे साथ रहती है।

एक समय था, जब आने-जाने के संसाधन भी नहीं थे और चारधाम यात्रा बेहद कठिन मानी जाती थी, तब भी गृहस्थी की जिम्मेदारियों को बखूबी निभाने के बाद दम्पति पैदल चारधाम यात्रा करते थे। उस समय, जो दंपत्ति सकुशल वापस लौट आते, उनके आने की खुशी में पूरा गांव उत्सब मनाता था। वर्ष 1962 के पहले रास्ते इतने आसान नहीं थे। परन्तु चीन के साथ हुए युद्ध के उपरांत भारतीय सैनिकों की आवाजाही से तीर्थयात्रियों के लिए रास्ते आसान हो गए। आवागमन के साधनों में सुधार हुआ और आज चारधाम यात्रा तीर्थयात्रियों के बीच लोकप्रिय बन चुकी है। प्रतिवर्ष लाखों श्रधालु विश्वास के सहारे इस यात्रा को पूरा करते हैं।

हिन्दुओं के चार पवित्र स्थलों (बद्रीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री, एवं यमुनोत्री) की तीर्थयात्रा को चारधाम यात्रा कहा जाता है। सदियों से संत एवं तीर्थयात्री, निर्वाण की खोज में इन स्थलों पर आते रहे हैं, जिन्हें की हिन्दू पुराणों के अनुसार केदारखंड कहा गया है। हिन्दुओं की आस्था के अनुसार, इन चार स्थानों की यात्रा को अत्यंत धार्मिक महत्व कामाना गया है।

बद्रीनाथ

बद्रीनाथ को इन चार धामों में सबसे पवित्र माना गया है। नर एवं नारायण नामक पर्वतों के बीच, एवं अलकनंदा नदी के तट पर स्थित बद्रीनाथ समुद्रतल से 3133 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। यह धाम भगवान विष्णु को समर्पित है, जो की दुनिया के रक्षक माने गए हैं। यहाँ किसी भी जाती या वर्ण के भेदभाव के बिना, प्रभु के दर्शन किये जा सकते हैं। हिमालय की नीलकंठ चोटी का मनोरम रूप श्री बद्रीनाथ मंदिर के पीछे देखा जा सकता है। किसी समय यह स्थान बेरी के जंगलों के कारण बद्री वन नाम से प्रसिद्ध था। मंदिर के सामने, अलकनंदा के किनारे एक गर्म पानी का स्रोत तप्त कुंद नाम से जाना जाता है। स्त्रियों के लिए एक अलग कुण्ड की व्यवस्था है।

बदीनाथधाम की खोज आदिगुरू शंकराचार्य द्वारा आठवीं शताब्दी में की गई थी। अपनी योग सिद्धि एवं तपस्या के बल से शंकराचार्य ने ही अलकनंदा नदी के नारद कुण्ड से भगवान बद्री नारायण की मूर्ती को बाहर निकाल कर तप्तकुंड के पास गरुड़ गुफा में स्थापित किया था, सात शताब्दियों के कालांतर में गढ़वाल के महाराजा द्वारा मंदिर निर्माण कर इस विग्रह को वर्तमान मंदिर में स्थापित करवाया गया था तथा 18वीं शताब्दी में इन्दोर की महारानी अहिल्याबाई होलकर द्वारा मंदिर पर स्वर्ण कलश स्थापित करवाए गए थे। बाद में भूकंप के कारण ध्वस्त हुए बद्रीनारायण मंदिर का वर्ष 1803 में जयपुर के महाराजा द्वारा पुनर्निर्माण करवाया गया था। समय एवं आवश्यकता के आधार पर इसका कई बार जीर्णोद्धार भी हुआ है, वर्तमान मंदिर स्थापत्य कला का अनुपम उदहारण कहा जा सकता है। अलकनंदा नदी से 50 मीटर ऊंचे धरातल पर निर्मित इस मंदिर का प्रवेश द्वार अलकनंदा नदी की ओर देखता हुआ है।

केदारनाथ

उत्तराखंड में लगभग 400 शिव मंदिरों में से सबसे महत्वपूर्ण केदारनाथ को माना जाता है। पूर्व कथाओं के अनुसार, कुरुक्षेत्र में कौरवों पर विजय पाने के उपरान्त, पांडवों का मन अपने की लोगो की हत्या के कारण ग्लानी से भर गया, और यहाँ भगवान शिव के आशीर्वाद उन्होंने मोक्ष की प्राप्ति की। भीम द्वारा भगवान शिव का पीछा किया जाने पर, वो धरती में विलीन हो गए, शिव के अन्य चार अंग, चार अन्य स्थानों पर उभर आये, जहाँ उन्हें अलग-2 नाम से पूजा जाता है। केदारनाथ एवं इन चार अन्य मंदिरों को एक साथ पञ्च केदार नाम से जाना जाता है।

केदारनाथ की समुद्रतल से ऊंचाई लगभग 3584 मीटर है। यह मन्दाकिनी नदी के उदगम स्थल के निकट बसा हुआ है। मंदिर के चारो और ऊंची -2 मनोरम एवं खूबसूरत पहाड़ियां हैं। गौरीकुंड से केदारनाथ का 14 किलोमीटर का मार्ग पहाड़ी मार्ग है यमुनोत्री की तरह यंहा भी एक तरफ ऊंचे ऊंचे पहाड़ हैं और दूसरी तरफ गहरी खाइयाँ जिनकी गहराई जैसे जैसे यात्री ऊपर चढ़ते हैं बढ़ती जाती है, बीच में पगडण्डीनुमा रास्ता है जो पत्थरों से बना हुआ है यद्यपि इसकी चोड़ाई यमुनोत्री मार्ग की अपेक्षा अधिक है ढ्ढ रास्ते में जगह जगह अस्थाई ढाबे बने हुए हैं जो स्थानीय गढ़वाली लोगों द्वारा संचालित होते हैं, इनमें अच्छे खाने की अपेक्षा नहीं की जा सकती, ब्रांडेड वस्तुएं ही उपयोग की जानी चाहियें पूरे मार्ग में अलकनंदा नदी एवं हरियाली से आच्छादित पहाड़ साथ रहते हैं, पहाड़ों की चोटियों पर बर्फ के ग्लेशियर यात्रियों के आकर्षण का केंद्र बने रहते हैं, पहाड़ों से निकल कर नीचे आने वाले अनेक झरने मन को हर्षित करते हैं, पूरा मार्ग रमणीक तो है किन्तु थका देने वाला भी है गौरीकुंड से सात किलोमीटर की दूरी पर रामबाड़ा नाम का स्थान है यहां यदि यात्री चाहें तो रात्रि विश्राम की व्यवस्था उपलब्ध हो सकती है। केदारनाथ का रास्ता तय करने के लिए यहां घोड़े और खच्चर भी उपलब्ध हैं।

गंगोत्री

गंगोत्री को पवित्र नदी गंगा का उदगम (गौमुख हिमनद, गंगोत्री से 18 किलोमीटर पैदल) एवं देवगंगा की स्थली माना गया है। उदगम स्थल से नदी को भागीरथी कहा जाता है, एवं देवप्रयाग में अलकनंदा से संगम के बाद, इसे गंगा नाम से जाना जाता है। हिन्दू आस्था के अनुसार, गंगा स्वर्ग की पुत्री हैं, जिन्होंने नदी के रूप में अवतार लेकर राजा भागीरथ के पुरखों के पापों को दूर किया। गंगोत्री मंदिर से लगभग 100 गज दूर केदार गंगा बहती है।

यमनोत्री

भारत की सर्वाधिक प्राचीन और पवित्र नदियों में गंगा के समकक्ष ही यमुना की गणना की जाती है। भगवान कृष्ण की लीलाओं की साक्षी रही यह नदी ब्रज संस्कृति की संवाहक है। भारतवासियों के लिए यह सिर्फ एक नदी नहीं है, भारतीय संस्कृति में इसे माँ का दर्जा दिया गया है।

यमुना नदी का उद्गम हिमालय के पश्चिमी गढ़वाल क्षेत्र में स्थित यमनोत्री से हुआ है। हिन्दू धर्म के चार धामों में यमनोत्री का भी स्थान है। यमुना नदी की तीर्थस्थली यमनोत्री हिमालय की खूबसूरत वादियों में स्थित है। यमुना नदी का उद्गम कालिंद नामक पर्वत से हुआ है। हिमालय में पश्चिम गढ़वाल के बर्फ से ढँके श्रंग बंदरपुच्छ जो कि जमीन से 20,731 फुट ऊँचा है, के उत्तर-पश्चिम में कालिंद पर्वत है। इसी पर्वत से यमुना नदी का उद्गम हुआ है। कालिंद पर्वत से नदी का उद्गम होने की वजह से ही लोग इसे कालिंदी भी कहते हैं।

यमुना नदी का वास्तविक स्रोत कालिंद पर्वत के ऊपर बर्फ की एक जमी हुई झील और हिमनद चंपासर ग्लेश्यिर है। यह ग्लेश्यिर समुद्र तल से 4421 मीटर की ऊँचाई पर स्थित है। इसी ग्लेश्यिर से यमुना नदी निकलती है और ऊँचे-नीचे, पथरीले रास्तों पर इठलाती, बलखाती हुई पर्वत से नीचे उतरती है। यहाँ चावल की छोटी छोटी पोटली को गरम पानी के कुण्ड में पकाया जाता है और प्रसाद के तौर भोग लगाया जाता है

सावधानियां जो आवश्यक हैं

स्वांस की बीमारी से पीड़ितों एवं ह्रदय रोगियों को पैदल जाने का दुस्साहस नहीं करना चाहिए, चढ़ाई में परेशानी हो सकती है तथा ऑक्सीजन की कमी भी परेशान कर सकती है, ऐसे लोगों को गौरीकुंड से छोटे ऑक्सीजन के सिलेंडर खरीद कर साथ रखने चाहियें जो वंहा 250 -300 रुपये में आसानी से उपलब्ध होते हैं, कुछ लोग कपूर भी साथ रखते हैं जिसे सूंघने से कुछ राहत मिलती है ढ्ढ पैदल जाने वाले यात्रियों को सुविधा के लिए गौरीकुंड से ही छड़ियाँ (स्टिक्स) ले लेनी चाहिए चढ़ाई वाले मार्ग में यह चढ़ने एवं उतरने में सहायक होती हैं, जून से अगस्त में यंहा बरसात होती रहती है जो परेशानी का कारण बन सकती है इसके लिए हलके रैन कोट्स साथ रखने चाहियें जिन्हें आवश्यकता पड़ने पर उपयोग में लिया जा सकता है वैसे मार्ग में भी ऐसे हलके बरसाती गाउन उपलब्ध हो जाते हैं। किसी भी तरह की बीमारी से ग्रसित लोगों को अपनी दवाइयां अवश्य साथ रखनी चाहिए क्योंकि आप जो दवा लेते हैं वह आवश्यक नहीं कि वंहा के मेडिकल स्टोर्स में उपलब्ध हो जाये। डायबिटीज़ के रोगियों को भी अपनी दवा के अतिरिक्त खाने पीने की अन्य आवश्यक सामग्री अपने साथ अवश्य रखनी चाहिए। इस मार्ग में सुविधा जनक वस्त्र पहनने से किसी संभावित परेशानी से बचा जा सकता है। पांव में भी सुविधाजनक शूज़ या सेंडल ही पहनने चाहियें जो पांव को काटे नहीं,महिलाओं को ऊंची हील की चप्पल या सेंडल भूल कर भी नहीं पहननी चाहिए, पांव फिसलने या मुड़ने की संभावना रहती है। अपने साथ कम से कम वजन रखने से आपको थकान कम होगी, वैसे वजनदार सामान के लिए कंडी (पिट्ठू) हायर कर लेना आपके लिए सुविधाजनक होगा। यद्यपि पालकी या कंडी वाले मजदूर ईमानदार होते हैं फिर भी मूल्यवान वस्तुओं के प्रति सावधानी रखनी चाहिए।

मौसम

केदारनाथ में अप्रैल से जून तक मौसम दिन में सुहाना एवं रात्रि में हल्की ठंडक रहती है,इसलिए पहनने के लिए हलके गरम कपड़े साथ लेने चाहिए, जून से सितम्बर बरसात रहती है, पहाड़ों से चट्टानें टूट कर गिरने की भी संभावना रहती है जिससे मार्ग अवरुद्ध हो सकते हैं अत~ सावधानी आवश्यक है,सितम्बर से नवम्बर में मंदिर के पट बंद होने तक तेज़ सर्दी रहती है, भारी गरम कपडे साथ रखना आवश्यक है। दीपावली पर कपट बंद होने के बाद अप्रैल में वापस खुलने तक पूरा क्षेत्र बर्फ से ढक जाता है, मार्ग भी बर्फ से बंद हो जाते हैं,इस अवधि में यंहा कोई नहीं रहता, दुकानों एवं मकानों की एक से दो मंजिल तक बर्फ में दब जाती हैं।

विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करने वीजा प्रक्रिया को अनुकूल बनाए मोदी सरकार

नई दिल्ली । मोदी सरकार को विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए वीजा प्रक्रिया को अधिक अनुकूल बनाने और देश में आने वाले पर्यटकों की सुरक्षा चिंताएं दूर करने पर ध्यान देना चाहिए। पर्यटन पर केंद्रित रिपोर्ट में यह सुझाव दिया गया है। रिपोर्ट में कहा है कि विदेश से भारत आने वाले पर्यटकों की संख्या में 2022-27 के दौरान सालाना आधार पर 12 प्रतिशत की दर से बढ़ने की उम्मीद है। लोगों के पास खर्च लायक आय बढ़ने, मध्यम वर्ग की संख्या में बढ़ोतरी और एक आकर्षक पर्यटक स्थल के तौर पर भारत के बारे में बढ़ती जागरूकता इस वृद्धि में अहम योगदान निभाएगी। रिपोर्ट के मुताबिक, कोरोना की वजह से पैदा हुई चुनौतियों के बावजूद वर्ष 2022 में 62 लाख विदेशी पर्यटक भारत आए थे जो महामारी से बुरी तरह प्रभावित वर्ष 2021 के 15.2 लाख पर्यटकों की तुलना में 307.9 प्रतिशत अधिक है। इसके अलावा पर्यटन ने पिछले साल देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 9.2 प्रतिशत का योगदान दिया है और 4.46 करोड़ रोजगार भी पैदा किए हैं। रिपोर्ट में भारत के पर्यटन परिदृश्य को संभावनाओं से भरपूर बताते हुए कहा गया है कि विदेशी पर्यटकों को अधिक संख्या में आकर्षित करने के लिए सरकार को कई मोर्चों पर कदम उठाने होंगे। इनमें वीजा प्रक्रिया को अधिक सुगम बनाना और सुरक्षा से जुड़ी चिंताओं को दूर करना शामिल हैं।

होंडा कार्स इंडिया अगले माह बाजार में उतरेगी एलिवेट

मुंबई । होंडा कार्स इंडिया अगले माह बाजार में अपनी मध्यम आकार की एसयूवी (स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल) उतारने जा रही है। कंपनी ने वाहन को 'एलिवेट का नाम दिया है। कंपनी ने कहा, ''वैश्विक मॉडल की तरह विकसित एलिवेट को अगले महीने वैश्विक रूप से पेश किया जाएगा। कंपनी ने कहा कि एलिवेट को दुनियाभर में एसयूवी की भारी मांग को पूरा करने के लिए नए वैश्विक मॉडल के तौर पर विकसित किया गया है। आगामी मॉडल को वैश्विक रूप से सबसे पहले भारत में पेश किया जाएगा। होंडा मोटर कंपनी के पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी होंडा कार्स इंडिया देश में फिलहाल सिर्फ दो मॉडल सिटी' और 'अमेज' बेच रही है।

भारत में नवीकरणीय ऊर्जा का भविष्य भंडारण लागत पर निर्भर होगा

नई दिल्ली । भारत में नवीकरणीय ऊर्जा का भविष्य नवोन्मेषण और भंडारण लागत पर निर्भर करेगा। ऊर्जा भंडारण के अव्यावहारिक मूल्य की ओर इशारा कर यह बात कही है। भारत के 2030 तक 500 गीगावॉट के अक्षय ऊर्जा के लक्ष्य को देखकर उनका यह बयान काफी महत्वपूर्ण होता है। प्रधानमंत्री के सलाहकार तरुण कपूर ने इंडिया एनर्जी स्टोरेज वीक' सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, ''नवीकरणीय ऊर्जा का भविष्य पूरी तरह से नवोन्मेषण और भंडारण लागत में कमी, कम जगह (ऊर्जा भंडारण के लिए), उच्च ऊर्जा घनत्व के उपयोग और सामग्री (ऊर्जा भंडारण के उत्पादन में काम आने वाली) पर निर्भर है।'' उन्होंने भंडारण के साथ जुड़े ऊर्जा उत्पादन के लिए हाल में निकाली गई निविदाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि ऊर्जा की कीमत लगभग 11 रुपये प्रति यूनिट (भंडारण शुल्क के अलावा सौर ऊर्जा की 2.5 रुपये प्रति यूनिट लागत सहित) थी। उन्होंने कहा कि वर्तमान में नवीकरणीय ऊर्जा 22-23 प्रतिशत (ग्रिड में कुल फीड का) है। कपूर का मानना है कि नवीकरणीय ऊर्जा की हिस्सेदारी को बिना किसी विशेष परेशानी के बढ़ाकर 50 प्रतिशत किया जा सकता है। हालांकि, इससे अधिक हिस्सेदारी के लिए भंडारण महत्वपूर्ण होगा। जीवाश्म ईंधन को बदलने और इलेक्ट्रिक की ओर स्थानांतरण पर उन्होंने कहा कि भारत को इसके लिए भंडारण समाधान की जरूरत है। उन्होंने इस बात का भी जिक्र किया कि कई अंतरराष्ट्रीय कंपनियां भारत में भंडारण कलपुर्जों का विनिर्माण करना चाहती हैं।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

मुम्बई ।(एजेंसी)

शेयर बाजार बुधवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। इसी के साथ ही गत आठ कारोबारी सत्रों से जारी तेजी भी रुक गयी। अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिर्जव के ब्याज दर को लेकर आ रहे फैसले से भी बाजार में संशय रहा जिसके कारण भी उसपर दबाव था।

इसके साथ ही दिग्गज कंपनियों रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, इन्फोसिस और लार्सन एंड टुब्रो के शेयरों में गिरावट से भी बाजार पर विपरीत प्रभाव पड़ा। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 161.41 अंक करीब 0.26 फीसदी टूटकर 61,193.30 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 330.27 अंक तक फिसला था। वहीं पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 57.80 अंक तकरीबन 0.32 फीसदी नीचे आकर 18,089.85 अंक पर बंद हुआ।

वहीं गत कारोबारी सत्र में बीएसई सेंसेक्स 242.27 अंक करीब 0.40 फीसदी ऊपर आकर 61,354.71 अंक पर बंद हुआ था। इसी तरह निफ्टी भी 82.65 अंक तकरीबन 0.46 फीसदी बढ़कर 18,147.65 अंक पर बंद हुआ था।

सेंसेक्स के शेयरों में भारती एयरटेल, टेक महिंद्रा, एक्सिस बैंक, बजाज फाइनेंस, लार्सन एंड टुब्रो, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, भारतीय स्टेट बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, विप्रो, इन्फोसिस, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, इंडसइंड बैंक तथा टाटा स्टील के शेयरों को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ। वहीं दूसरी ओर हिंदुस्तान यूनिलीवर, एशियन पेंट्स, टाटा मोटर्स, अल्ट्राटेक सीमेंट, आईटीसी और नेस्ले इंडिया के शेयर सबसे ज्यादा लाभ में रहे।

इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट पर खुला। आज सुबह तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 250 अंक तक गिरा। वहीं दूसरी ओर पचास शेयरों पर वाला एनएसई निफ्टी 18100 अंक तक फिसला। शुरुआती कारोबार में इंडिगो के शेयरों में आठ फीसदी की बढ़त रही है।

जूम को भारत में टेलीफोन सेवा के लिए मिला लाइसेंस

मुंबई। ऑनलाइन सम्मेलन के लिए मंच उपलब्ध कराने वाली कंपनी जूम वीडियो कम्युनिकेशंस (जेडवीसी) को पूरे देश के लिए दूरसंचार लाइसेंस मिला है। इससे कंपनी टेलीफोन सेवाओं के साथ-साथ कंपनियों को उपक्रम आधारित सेवाओं की पेशकश कर सकेगी। जूम अपनी वेबसाइट और एप के जरिए 'वॉयस और वीडियो कॉन्फ्रेंस की सेवाएं दे रही है। कंपनी ने कहा, जूम वीडियो कम्युनिकेशंस की इकाई जेडवीसी इंडिया को दूरसंचार विभाग से एकीकृत लाइसेंस मिला है। कंपनी को यह लाइसेंस पूरे देश में एनएलडी (नेशनल लॉन्ग डिस्टेंस) और आईएलडी (अंतरराष्ट्रीय लॉन्ग डिस्टेंस) पहुंच के साथ मिले हैं। इस लाइसेंस के साथ कंपनी भारत में काम कर रही बहुराष्ट्रीय कंपनियों तथा अन्य इकाइयों को अपनी क्लाउड आधारित निजी शाखा एक्सचेंज (पीबीएक्स) सेवा- जूम फोन की पेशकश कर सकेगी।

एनपीएस से कुछ शर्तों के साथ आंशिक निकासी कर सकते

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

नेशनल पेंशन सिस्टम यानी एनपीएस एक ऐसी पेंशन और लॉन्ग-टर्म इन्वेस्टमेंट स्कीम है, जहां आपके द्वारा जमा धनराशि का एक्सपोजर इक्विटी और डेट दोनों में है। इस स्कीम के तहत अकाउंट होल्डर को रिटायरमेंट के बाद एकमुश्त (लंप सम) राशि मिलती ही है, साथ ही नियमित पेंशन भी मिलती है। इस स्कीम पर ट्रिपल टैक्स बेनिफिट (ईईई) यानी इन्वेस्टमेंट, रिटर्न और मैच्योरिटी तीनों पर टैक्स में छूट है। ज्यादातर लोग अब भी यही समझते हैं कि इस स्कीम में रिटायरमेंट से पहले किसी तरह की निकासी का प्रावधान नहीं है। लेकिन ऐसा नहीं है। आप कुछ खास परिस्थितियों या कुछ खास जरूरतों की पूर्ति के लिए इस स्कीम से कुछ शर्तों के साथ आंशिक निकासी कर सकते हैं। पेंशन फंड रेगुलेटरी और डेवलपमेंट अथॉरिटी ने नेशनल पेंशन सिस्टम से आंशिक निकासी को लेकर इस साल कुछ नए नियम भी जारी किए हैं। इसमें से एक वैसे एनपीएस अकाउंट होल्डर्स के लिए है जो केंद्र, राज्य और केंद्रीय स्वायत्त निकाय के कर्मचारी हैं। इन एनपीएस अकाउंट होल्डर्स को एक जनवरी 2023 से आंशिक निकासी को लेकर आवेदन संबंधित नोडल कार्यालयों में जमा कराना होगा। इससे पहले पेंशन रेगुलेटर पीएफआरडीए ने कोविड-19 महामारी के मद्देनजर 14 जनवरी 2021 को इन एनपीएस ग्राहकों को सेल्फ डिक्लेरेशन के जरिए आंशिक निकासी के लिए ऑनलाइन अप्लाई करने की अनुमति दी थी। जबकि, प्राइवेट सेक्टर के एनपीएस सब्सक्राइबर्स को सेल्फ डिक्लेरेशन के जरिए आंशिक निकासी की ऑनलाइन सुविधा मिलती रहेगी।

महिंद्रा बोलेरो ने दर्ज की सबसे बेहतरीन सेल

-14 लाख से ज्यादा यूनिट्स बिक गईं

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

महिंद्रा एंड महिंद्रा ने घोषणा की है कि कंपनी की बेहद पॉपुलर एसयूवी महिंद्रा बोलेरो ने अपनी सबसे बेहतरीन सेल दर्ज की है।कंपनी ने इस कार को साल 2000 में बाजार में उतारा था। तब से इस इस कार की 14 लाख से ज्यादा यूनिट्स सेल हो चुकी हैं। कंपनी ने फाइनेंशियल इयर 2023 में 1 लाख से ज्यादा यूनिट्स सेल करने में कामयाबी हासिल की है। साल 2021 के मध्य में लॉन्च हुई बोलेरो नियो ने भी इसकी सेल को बेहतर बनाने में काफी मदद की है। नियो मॉडल का कस्टमर बेस काफी यंग है। अब बोलेरो कंपनी की सबसे ज्यादा बिकने वाली एसयूवी बन गई है। बोलेरो ने फाइनेंशियल इयर 2023 में कुल 1,00,577 यूनिट्स सेल कीं, जो भारत के टॉप 30 यूटिलिटी व्हीकल्स में 7वें स्थान पर रही, जो कि सेगमेंट में तगड़े कॉम्पिटिशन के बीच एक बढ़िया सेल्स फिगर है। महिंद्रा एंड महिंद्रा के ऑटोमोटिव क्षेत्र के अध्यक्ष वीजय नाकरा ने कहा÷कुल 1.4 मिलियन से अधिक बिक्री के साथ, बोलेरो सिर्फ एक एसयूवी से अधिक बन गई है - यह अर्बन और रूरल इंडिया में एक घरेलू नाम बन गई है। यह 76

एचपी, 1.5-लीटर, तीन-सिलेंडर एमहॉक डीजल इंजन से पावर्ड है। यह मजबूत एसयूवी देश भर में पुलिस, सेना और अर्धसैनिक बलों का भी एक हिस्सा है।

कंपनी के अनुसार, बोलेरो नियो की सफलता के अलावा, क्लासिक बोलेरो ने पिछले वित्तीय वर्ष में बिक्री में 28 प्रतिशत से अधिक की ग्रोथ दर्ज की है।एफवाय 2023 में 1 लाख यूनिट्स की सेल हमारे ग्राहकों के अटूट विश्वास और वफादारी का सबूत है। जुलाई 2021 में लॉन्च की गई बोलेरो नियो ने टियर 1 और शहरी बाजारों में बोलेरो एसयूवी ब्रांड को नए कस्टमर बेस में अपनी जगह बनाने में कामयाब रही। इसकी कीमत 9.92 लाख से 11.03 लाख रुपये (ऑन-रोड दिल्ली) है।

सर्विस सेक्टर ने पकड़ी रफ्तार, अप्रैल में 13 साल के शीर्ष पर

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

देश में सर्विस सेक्टर की वृद्धि अप्रैल में करीब 13 साल के उच्चस्तर पर पहुंच गई। एक मंथली सर्वे में बुधवार को यह जानकारी दी गई है। सर्वे में बताया गया है कि मजबूत मांग परिस्थितियों से नए बिजनेस और प्रोडक्शन में काफी तेज वृद्धि देखने को मिली। खास बात यह है कि कीमत के मोर्चे पर दबाव के बावजूद मांग बढ़ी है। एसएंडपी ग्लोबल इंडिया सर्विसेज पीएमआई इंडेक्स अप्रैल में बढ़कर 62 पर पहुंच गया। यह मार्च में 57.8 के स्तर पर था। इन आंकड़ों से पता चलता है कि देश में सर्विस सेक्टर की गतिविधियों में 2010 के मध्य के बाद सबसे तेज विस्तार हुआ है। अनुकूल बाजार परिस्थितियों तथा नए कारोबार में वृद्धि से सेवा पीएमआई यह उछाल दर्ज हुआ है। यह लगातार 21वां महीना है, जबकि सेवा पीएमआई 50 के स्तर से ऊपर बना हुआ है। खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) के 50 से ऊपर होने का मतलब विस्तार से होता है। यदि यह 50 से नीचे है, तब गिरावट को दिखाता है। एसएंडपी ग्लोबल मार्केट इंटेलिजेंस में एसोसिएट निदेशक (इकनॉमिक्स) पॉलियाना डि लीमा ने कहा, भारत के सेवा क्षेत्र का प्रदर्शन अप्रैल में काफी शानदार रहा है। इस दौरान नए कारोबार और उत्पादन में वृद्धि पिछले करीब 13 साल में सबसे अधिक रही है। सबसे बेहतर प्रदर्शन वित्तीय और बीमा क्षेत्र ने किया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि कंपनियों ने संकेत दिया है कि अप्रैल में भारतीय सेवाओं की अंतरराष्ट्रीय मांग में खासा सुधार हुआ है। नया निर्यात कारोबार लगातार तीसरे महीने बढ़ा है। हालांकि, मूल्य के मोर्चे पर बात की जाए, तब अप्रैल में उत्पादन लागत पिछले तीन माह में सबसे तेजी से बढ़ी है। सर्वे के अनुसार, खाने-पीने का सामान, ईंधन, दवाएं, परिवहन और मजदूरी मुद्रास्फीति की प्रमुख वजह हैं। उपभोक्ता सेवाओं पर औसत खर्च में सबसे तेज वृद्धि देखने को मिली है।

अदाणी विल्मर का चौथी तिमाही में मुनाफा 60 प्रतिशत घटा

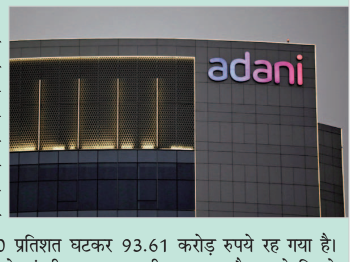

मुंबई । खाद्य तेल क्षेत्र की प्रमुख कंपनी अदाणी विल्मर का बीते वित्त वर्ष की मार्च में समाप्त चौथी तिमाही का कंसोलिडेट नेट प्रॉफिट 60 प्रतिशत घटकर 93.61 करोड़ रुपये रह गया है। आमदनी घटने से कंपनी का मुनाफा भी कम हुआ है। इससे पिछले वित्त वर्ष 2021-22 की चौथी तिमाही में कंपनी ने 234.29 करोड़ रुपये का नेट प्रॉफिट कमाया था। शेयर बाजारों को दी सूचना में कंपनी ने कहा कि तिमाही के दौरान उसकी कुल आय घटकर 13,945.02 करोड़ रुपये रह गई, जो एक साल पहले समान तिमाही में 14,979.83 करोड़ रुपये थी। वहीं, पूरे वित्त वर्ष 2022-23 में अदाणी विल्मर का मुनाफा 803.73 करोड़ रुपये से घटकर 582.12 करोड़ रुपये रह गया। हालांकि, वित्त वर्ष के दौरान कंपनी की आय बढ़कर 58,446.16 करोड़ रुपये हो गई। 2021-22 में यह आंकड़ा 54,327.16 करोड़ रुपये था।

इस्तांबुल में एक महिला होनर एक्स9ए मोबाइल फोन दिखाती हुई। चीनी मोबाइल निर्माता होनर ने एक समारोह में अपने इस नये मोबाइल को पेश किया।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में मामूली बदलाव

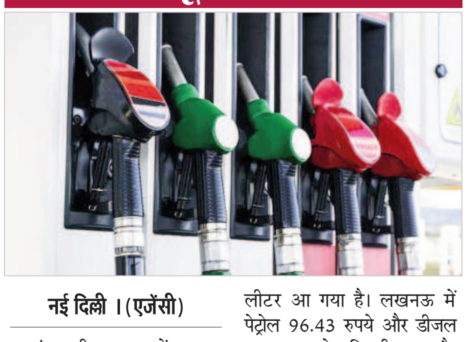

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

अंतरराष्ट्रीय बाजार में बुधवार को कच्चे तेल की कीमत में गिरावट आई। क्रूड (कच्चा तेल) 0.20 फीसदी नीचे आकर 71.52 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। वहीं ब्रेंट क्रूड भी 0.17 फीसदी नीचे आकर 75.19 डॉलर पर पहुंच गया है। इससे देश के घरेलू बाजार में भी पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कुछ जगहों पर हल्का बदलाव आया है। उत्तर प्रदेश में पेट्रोल की कीमतों में 41 पैसे और डीजल में 39 पैसे की गिरावट आई है। इसके साथ ही पंजाब और राजस्थान में भी पेट्रोल की कीमत में 13 पैसे की गिरावट आई है।नोएडा में पेट्रोल 96.92 रुपये और डीजल 90.08 रुपये प्रति लीटर पहुंच गया है। गाजियाबाद में भी 96.26 रुपये और डीजल 89.45 रुपये प्रति लीटर आ गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.43 रुपये और डीजल 89.63 रुपये प्रति लीटर पर है। पटना में पेट्रोल 107.59 रुपये और डीजल 94.36 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

वहीं चारों महानगरों की बात करें तो इनमें कीमतें पहले की तरह ही हैं। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर। वहीं मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर जबकि कोलकाता में पेट्रोल 107.24 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर हो गया है। इसके अलावा चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर पर है। दूसरी ओर महाराष्ट्र में पेट्रोल की कीमतें 31 पैसे और डीजल 30 पैसे बढ़ी हैं। इसके अलावा पश्चिम बंगाल में पेट्रोल-डीजल की कीमतें 44 और 41 पैसे बढ़ीं हैं

गो फर्स्ट के सीईओ की कर्मचारियों से अपील संकट से निकलने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे

प्रैट एंड व्हिटनी इंजन में आ रही दिक्कतों से खड़ा हुआ संकट

मुंबई ।(एजेंसी)

गो फर्स्ट के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) कौशिक खोना ने कर्मचारियों से कहा है कि प्रैट एंड व्हिटनी इंजन में बार-बार आने वाली दिक्कतों की वजह से आज एयरलाइन के समक्ष यह संकट पैदा हुआ है। उन्होंने कर्मचारियों को भरोसा दिलाया कि एयरलाइन इस स्थिति से निपटने के लिए हरसंभव कदम उठा रही है और उन्हें लेकर चिंतित है। किफायती सेवाएं देने वाली एयरलाइन गो फर्स्ट ने स्वैच्छिक दिवाला कार्यवाही के लिए भी आवेदन दायर किया है। नकदी संकट की वजह से एयरलाइन ने बुधवार से तीन दिन के लिए अपनी उड़ानें निलंबित करने की घोषणा की है। कर्मचारियों को भेज संदेश में खोना ने कहा कि प्रैट एंड व्हिटनी द्वारा इंजन की आपूर्ति करने में विफल रहने से गंभीर संकट खड़ा हो गया है। उन्होंने कहा कि एयरलाइन प्रबंधन 12 से अधिक माह से पीएंडडब्ल्यू को अतिरिक्त इंजन उपलब्ध कराने और उनकी मरम्मत के लिए भरोसा दिलाने का प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा कि इसके बावजूद पीएंडडब्ल्यू बातचीत को बाधित कर रही है।

खोना ने कहा कि इसके बाद एयरलाइन ने इस मामले में सिंगापुर में आपात मध्यस्थता के लिए कदम उठाया है। उन्होंने बताया कि मध्यस्थ ने पीएंडडब्ल्यू को 27 अप्रैल तक कम से कम 10 सेवा योग्य अतिरिक्त इंजन पट्टे पर देने को कहा है। इसके अलावा दिसंबर, 2023 तक 10 और अतिरिक्त इंजन पट्टे पर देने का आदेश पीएंडडब्ल्यू को दिया गया है। खोना ने संदेश में कहा, ''इसके साथ ही अगस्त/सितंबर, 2023 तक एयरलाइन के सभी ए320 नियो विमान परिचालन में होतेज दुर्भाग्य से, प्रैट एंड व्हिटनी ने आपात मध्यस्थता आदेश का अनुपालन नहीं करने का विकल्प चुना है।''

उन्होंने कहा कि इसके बाद एयरलाइन ने एक बार फिर मध्यस्थ से संपर्क किया जिसने अपने आदेश का फिर से अनुपालन करने को कहा है। हालांकि, पीएंडडब्ल्यू इसके बावजूद इस आदेश को मानने को तैयार नहीं है।

अदाणी टोटल गैस का नेट प्रॉफिट 20.7 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

अदाणी की कंपनियों के लिए आज का दिन सौगात लेकर आया है। एक के बाद एक उनकी कंपनियों से मुनाफे की खबर आ रही है। आज सुबह अदाणी ग्रीन के शेयरों ने बढ़त दिखाई और क्यू-4 का मुनाफा चार गुना हो गया। इसी बीच अब अदाणी गैस से भी अच्छी खबर आ रही है। 31 मार्च, 2023 को समाप्त तिमाही में अदाणी टोटल गैस का टैक्स के बाद कंसोलीडेटेड का मुनाफा 20.7 प्रतिशत बढ़कर 97.91 करोड़ रुपये हो गया, जो 2022 की समान तिमाही में 81.09 करोड़ रुपये था। हालांकि, 31 दिसंबर, 2022 को समाप्त तिमाही की तुलना में, नेट प्रॉफिट 34.8 प्रतिशत गिर गया है। कंपनी ने प्रति इक्विटी शेयर 0.25 रुपये के लाभांश की घोषणा की। 31 मार्च को समाप्त तिमाही में ऑपरेशन से कंपनी का राजस्व 12.3 प्रतिशत बढ़कर 1,197.31 करोड़ रुपये हो गया, जो पिछले साल 1,065.48 करोड़ रुपये था। कंपनी के दिखाए गए परिणाम के मुताबिक, वित्त वर्ष 23 में, कंपनी का पीएट 509.4 करोड़ रुपये से 7.28 प्रतिशत बढ़कर 546.49 करोड़ रुपये हो गया।

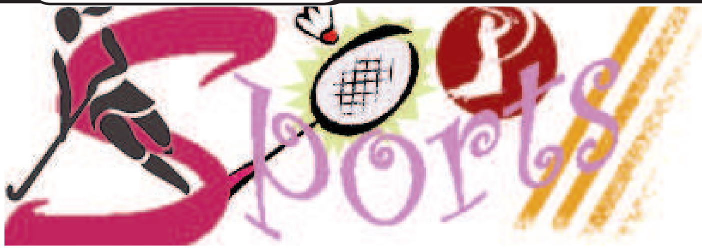

युवा बल्लेबाज शुभमन स्पिनरों को खेलने में कुशल : हरभजन

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह ने युवा बल्लेबाज शुभमन गिल की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह स्पिनरों के खिलाफ काफी अच्छा खेलते हैं। शुभमन ने पिछले कुछ समय में शानदार प्रदर्शन कर टीम में अपनी जगह पक्की की है। हरभजन ने स्पिन गेंदबाजी के खिलाफ शुभमन की तकनीक की तारीफ करते हुए कहा कि वह स्पिनरों को खेलने में महारथी साबित हुए हैं। हरभजन ने कहा, सभी की नजरें अगले कुछ साल के लिए शुभमन पर रहेंगी। उनकी टाइमिंग अच्छी है और वह बड़ी पारियां खेलेंगे और कई प्रारूपों में भारत की ओर से खेलेंगे। आईपीएल से भी उन्हें लाभ हुआ है। साथ ही कहा, वह स्पिनरों के खिलाफ बहुत सहज हैं। वह इस कला में माहिर हैं। अगर स्पिनर गिल को आगे आने और खेलने के लिए मजबूर करते हैं, तो उसका ध्यान नहीं भटकता। वह अपना समय लेते हुए अपने अंदाज में खेलता है। शुभमन ने आईपीएल के इस सत्र में पहले 8 मैचों में 333 रन बनाए हैं। इस बल्लेबाज के जून में होने वाली विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भी पारी की शुरुआत करने की उम्मीद है। हरभजन के अलावा पूर्व बल्लेबाज संजय मांजरेकर ने भी शुभमन की स्पिन के खिलाफ क्षमता की तारीफ की है।

प्लेऑफ की संभावनाएं बरकरार रखने जीत के इरादे से उतरेंगे सनराइजर्स और केकेआर

हैदराबाद ।(एजेंसी)

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में गुरुवार को सनराइजर्स हैदराबाद टीम अपने घरेलू मैदान पर कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) पर जीत के इरादे से उतरेगी। इस मैच में सनराइजर्स को घरेलू हालातों का लाभ मिलेगा पर जीत के लिए उसके शीर्ष क्रम को रन बनाने होंगे। अब तक के मैचों में उसके शुरुआती बल्लेबाज रन बनाने में विफल रहे हैं। इस सत्र में अब तक इन दोनो ही टीमों ने रन नहीं बनाये हैं। ऐसे में उन्हें प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए अपने बचे हुए सभी मैच जीतने होंगे। इसके लिए दोनो ही टीमों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। अब तक इस सत्र में इन दोनो ही टीमों का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। केकेआर के अभी तक नौ मैचों में छह जबकि सनराइजर्स के आठ मैचों में छह अंक हैं। अंक तालिका में ये दोनो ही टीमें काफी नीचे आठवें और नौवें स्थान पर हैं। अब तक के मैचों पर नजर रखें तो सनराइजर्स के शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों के प्रदर्शन में निरंतरता की कमी रही है। पिछले मैच में अभिषेक शर्मा ने पारी की शुरुआत करते हुए अच्छा प्रदर्शन किया पर मयंक अग्रवाल रन नहीं बना पाये थे। टीम को अब मयंक से भी बड़ी पारी की उम्मीद रहेगी। सनराइजर्स के बल्लेबाज अभी तक एक ईकाई के तौर पर प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं। टीम को अगर प्लेऑफ में पहुंचना है तो सभी को रन बनाने होंगे। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरने वाले राहुल त्रिपाठी भी अब तक रन बनाने में विफल रहे हैं। कप्तान एडेन मार्कराम को इस मैच में बड़ी पारी खेलकर टीम को संभालना होगा। युवा हैरी ब्रूक का प्रदर्शन भी अब तक निराशाजन रहा है। ऐसे में उन्हें एक बार फिर मध्यक्रम में उतारा अवसर दिया जा सकता है। ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर के बाहर होने से भी टीम को नुकसान हुआ है। वहीं गेंदबाजी में उमरान मलिक का प्रदर्शन बेहद खराब रहा है। वह टीम के लिए काफी महंगे साबित हुए हैं। वहीं दूसरी ओर विरोधी टीम केकेआर के भी हालात ठीक नहीं है। टीम को अब तक अपने कुछ खिलाड़ियों के बल पर ही जीत मिली है। टीम एकजुट होकर खेल नहीं पायी है। केकेआर को यदि नॉकआउट में पहुंचना है तो उसे तीनों क्षेत्रों में बेहतर प्रदर्शन करना होगा। कप्तान नितीश राणा को स्वयं बेहतर प्रदर्शन कर खिलाड़ियों को प्रेरित करना होगा। राणा स्वयं अभी तक वैसा प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं जैसे कि उनसे अपेक्षा की

जा रही थी जबकि शीर्ष क्रम में एन जगदीशन भी विफल रहे हैं। जेसन रॉय और रहमानुल्लाह गुरबाज ने अच्छी बल्लेबाजी की है पर इन दोनों को एकसाथ शामिल करना संभव नहीं है। केकेआर के लिए कमजोर गेंदबाजी भी परेशानी बन सकती है। अब तक के मैचो में आंद्रे रसेल और शार्दुल ठाकुर ने काफी रन दिये हैं। ऐसे में हर्षित राणा को अंतिम एकादश में जगह मिलने की संभावना है। हर्षित ने शुरुआती मैच में अच्छा प्रदर्शन किया था।

राहुल आईपीएल से बाहर हुए, विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप में भी खेलना संदिग्ध

उनाकदट भी बचे हुए मैचों से बाहर हुए

मुम्बई । (एजेंसी)

लखनऊ सुपरजायंट्स के कप्तान केएल राहुल चोटिल होने के कारण आईपीएल के इस 16 वें सत्र से बाहर हो गये हैं। राहुल को रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के खिलाफ हुए पिछले मुकाबले में क्षेत्ररक्षण के दौरान यह चोट लगी थी। अब उनका अगले माह 7 जून से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ लंदन में होने वाले विश्व टेस्ट चैम्पियनशिन (डब्ल्यूटीसी) मुकाबले में भी खेलना संदिग्ध है। राहुल की दाहिनी जांघ में चोट लगी है और वह अगले माह तक शायद ही ठीक हो पाये। राहुल आरसीबी के कप्तान फाफ डुप्लेसिस के कवर ड्राइव को बाउंड्री पर रोकने का प्रयास कर रहे थे तभी उन्हें यह चोट लगी। अब वह स्कैन और आगे के इलाज के लिए मुंबई जाएंगे।

राहुल पिछले काफी समय से फार्म से बाहर हैं। आईपीएल में भी अब तक खेले मैच में वह रन नहीं बना पाये थे। ऐसे में अब टीम से बाहर होने से उनकी

भविष्य पर भी सवाल उठने लगे हैं। इस बार उनके लिए वापसी काफी कठिन होगी क्योंकि युवा खिलाड़ी शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। राहुल के अलावा तेज गेंदबाज जयदेव उनाकदट भी आईपीएल से बाहर हो गए हैं। उनके भी कंधे में चोट है। बीसीसीआई के एक अधिकारी के अनुसार राहुल का स्कैन मुंबई में बीसीसीआई द्वारा तय चिकित्सा सुविधा में किया जाएगा। इसके साथ ही उनाकदट का भी इलाज होगा।

तेपे सिगमन सुपर ग्रांड मास्टर शतरंज - भारत के गुकेश और अर्जुन होंगे खिताब के दावेदार

स्टाकहोम स्वीडन (निकलेश जैन) तेपे सिगमन सुपर ग्रांड मास्टर शतरंज टूर्नामेंट में इस बार दो भारतीय खिलाड़ी नजर आएंगे । प्रतियोगिता में 8 खिलाड़ी राउंड रॉबिन आधार पर आपस में कुल 7 क्लासिकल मुक़ाबले खेलेंगे जो की 4 मई से शुरू होकर 10 मई तक खेले जाएँगे । भारत के युवा ग्रांड मास्टर और विश्व नंबर 17 2732 फीडे रेटिंग वाले डी गुकेश को प्रतियोगिता में शीर्ष वरीयता दी गयी है जबकि भारत के ही ग्रांड मास्टर अर्जुन एरिगासी को दूसरी वरीयता मिली है । अन्य खिलाड़ियों में जर्मनी के विन्सेंट केमर, नीदरलैंड के जॉर्डन वान फॉरेस्ट , रूस के पीटर स्वीडलर, इज़राइल के बोरिस गेलफंड, मेजबान स्वीडन के निल्स ग्रंडेलीयूस और यूएसए के अभिमन्यु मिश्रा को क्रमश: तीसरे से लेकर आठवीं वरीयता दी गयी है । प्रतियोगिता में पहली 40 चालों को चलने के लिए प्रति खिलाड़ी 90 मिनट दिये जाएँगे और उसके बाद बचे हुए मैच के लिए 30 मिनट का समय और दिया जाएगा जबकि पहली चाल से हर चाल पर 30 सेकंड का समय जुड़ता रहेगा ।

विराट, गंभीर को कम सजा मिली, कुछ मैचों से प्रतिबंधित करें : गावस्कर

मुम्बई ।(एजेंसी)

महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने आईपीएल मुकाबले में टीम इंडिया के पूर्व कप्तान विराट कोहली और पूर्व सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर के बीच विवाद पर नाराजगी जताते हुए कहा है कि इन्हें कम सजा मिली है। गावस्कर ने कहा कि इन दोनो को ही कुछ मैचों से प्रतिबंधित कर देना चाहिये। बीसीसीआई ने विराट और गंभीर पर मैच फीस का 100 फीसदी जुर्माना भी लगाया है।

गावस्कर ने सवाल किया कि क्या जुर्माना इस बात की गारंटी है कि भविष्य में ये ऐसा फिर नहीं करेंगे। इस मैच के दौरान कोहली और नवेद-उल-हक के बीच विवाद हो गया और इस मामले में अंपायरों को बीच में आना पड़ा। बाद में गंभीर से विराट की बहस हुई। गावस्कर ने कहा कि भविष्य में इस तरह के झगड़े रोकने के लिए कड़े कदम उठाये जाने की जरुरत है। उन्होंने आगे कहा, मुझे नहीं पता कि गंभीर की स्थिति क्या है। उन्हें यह तय करना चाहिए कि यह दोहराया न जाए। आप उम्मीद कर रहे हैं कि यह दोहराया नहीं जाएगा, क्योंकि यह इतना कड़ा जुर्माना है, इतनी कड़ी सजा है। आप क्रिकेट जोश के साथ खेलना चाहते हैं। जिस समय हम खेले थे, उस दौरान थोड़ा मजाक उड़ाया जाता था, लेकिन अब हम जो आक्रामकता देखते हैं, वह अलग है। इसका बहुत कुछ इस तथ्य से

जुड़ा है कि सब कुछ टीवी पर भी है। इस तथ्य के कारण कि आप टीवी पर हैं, आप शायद इसकी वजह से कुछ ज्यादा ही कर जाते हैं।

उन्होंने कहा कि अगर इन्हें कुछ मैचों से बाहर कर दिया जाये तो इसका प्रभाव उनकी टीमों पर भी पड़ेगा और ये बड़ी सजा होगी। उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि कुछ ऐसा करें जो सुनिश्चित करे कि ये चीजें फिर से न हों।

संक्षिप्त समाचार

शमी की गिरफ्तारी की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट पहुंची पत्नी

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी जहां आईपीएल खेल रहे हैं। वहीं शमी की गिरफ्तारी की मांग को लेकर उनकी पत्नी हसीन जहां अब सुप्रीम कोर्ट पहुंच गयी हैं। हसीन ने शमी पर प्रताड़ित करने के अलावा कई अन्य आरोप भी लगाये हैं। हसीन और शमी के बीच साल 2018 में विवाद सामने आया था। उसके बाद से ही हसीन ने शमी पर कई तरह के आरोप लगाए थे जिन्हे शमी ने गलत करार दिया था। इस मामले में हसीन हाई कोर्ट भी पहुंचीं थी पर फैसले से वह संतुष्ट नहीं हुईं। ऐसे में अब हसीन ने शीर्ष अदालत में अपील की है। हसीन ने एक बार फिर शमी पर कई आरोप लगाए हैं। उन्होंने बताया है कि शमी के अन्य महिलाओं से संबंध हैं और वह उन्हें दहेज के लिए भी प्रताड़ित किया करते थे। हसीन की इस याचिका में यह कहा गया कि कानून के हिसाब से किसी भी विशेष स्थान नहीं मिलना चाहिए। साथ ही कहा कि शमी अपने क्रिकेटर होने का लाभ उठा रहे हैं। इससे पहले जनवरी 2023 में शमी को कोलकाता हाई कोर्ट ने बड़ा झटका देते हुए यह आदेश दिया था कि वह अपनी पत्नी को हर महीने 1.30 लाख रुपए देंगे। जिसमें से 80 हजार उनकी बेटी के लिए और 50 हजार उनकी पूर्व पत्नी हसीन जहां के लिए होंगे पर हसीन इस राशि से खुश नहीं हैं। उन्होंने 10 लाख रुपयों की मांग की हैं।

पांड्या ने हार के लिए खराब बल्लेबाजी को जिम्मेदार बताया

अहमदाबाद। गुजरात टाइटंस के कप्तान हार्दिक पांड्या ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबले में मिली हार पर निराशा जताते हुए कहा कि खराब बल्लेबाजी के कारण हम हारे हैं। उन्होंने कहा कि हम यहां 129 रन बना सकते थे। साथ ही कहा कि हमने अचानक विकेट गंवा दिए जिससे मैच हाथ से निकल गया। अंत में राहुल तेवतिया ने वापसी के पूरी प्रयास किया पर हम सफल नहीं हो पाये। हार्दिक बोले कि मैच के दौरान मैं अभिनव मनोहर से बात कर रहा था कि हमें बीच में एक बड़ा ओवर चाहिए जिससे हमें लय मिल जाएगी। अभिनव के लिए भी यह स्थिति नई थी। उन्होंने जीत का श्रेय दिल्ली के गेंदबाजों को दिया। साथ ही कहा कि विकेट काफी अच्छा था, यह विकेट का दबाव था। उन्होंने वास्तव में अच्छी गेंदबाजी की। हम यह गेम इसलिए हारे क्योंकि मैं रन नहीं बना पाया। हार्दिक ने मैच में शानदार गेंदबाजी के लिए मोहम्मद शमी की जमकर प्रशंसा की और कहा कि मुझे उनके लिए दुख होता है। शमी ने बेहतरीन गेंदबाजी कर विरोधी टीम को 129 पर रोक दिया। इसके बाद भी हमारी टीम जीत नहीं पायी जो निराशाजनक है। इसमें हमारे बल्लेबाजों की गलती है पर हम इससे सबक लेकर आगे के मुकाबलों पर ध्यान देंगे। हम अब भी तालिका में शीर्ष पर हैं लेकिन हमें अब भी अच्छी क्रिकेट खेलने की जरूरत है। इस मैच में कैपिटल्स ने रोमांचक जीत हासिल की। दिल्ली ने पहले खेलते हुए मात्र 130 रन बनाए थे। जवाब में गुजरात की टीम 18 ओवर में 98 रन बना पायी पर तेवतिया ने तीन छक्के लगाकर गेम का रुख बदल दिया पर अंतिम ओवर में टीम जीत के लिए 13 रन नहीं बना पायी।

विश्व रैंकिंग में पांचवें नंबर पर पहुंची सात्विक और चिराग की जोड़ी

ध्रुव कपिला और अर्जुन की जोड़ी चार पायदान ऊपर आयी

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

एशियाई बैडमिंटन चैंपियनशिप विजेता भारत के सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष युगल जोड़ी विश्व रैंकिंग में पांचवें नंबर पर पहुंच गयी है। सात्विकसाईराज और चिराग की जोड़ी की जीत के साथ ही इस चैंपियनशिप में भारत को 58 साल बाद स्वर्ण पदक मिला है। इससे पहले दिनेश खन्ना ने साल 1965 में इस चैंपियनशिप के एकल वर्ग में स्वर्ण पदक जीता था। सात्विक और चिराग ने विश्व बैडमिंटन (बीडब्ल्यूएफ) रैंकिंग में एक स्थान के लाभ के साथ ही पांचवा स्थान हासिल किया है। सात्विक और चिराग ने फाइनल में ओंग यू सिन और तियो ई यी की मलेशियाई जोड़ी को 16-21, 21-17, 21-19 से पराजित किया था। वहीं ध्रुव कपिला और एमआर अर्जुन की एक अन्य भारतीय पुरुष युगल जोड़ी भी अपने अच्छे प्रदर्शन का लाभ मिला है। ये जोड़ी 4 पायदान ऊपर आकर 23वें स्थान पर पहुंच गई है। इसके अलावा पुरुष एकल में एचएस प्रणय नौवें स्थान पर बने हुए हैं जबकि किदांबी श्रीकांत और लक्ष्य सेन एक-एक स्थान के लाभ के साथ ही 22वें और 23वें स्थान पर बरकरार हैं। मिथुन मंजूनाथ पांच पायदान ऊपर आकर विश्व रैंकिंग में 41वें स्थान पर आ गये हैं। वहीं दूसरी ओर महिला एकल में स्टार खिलाड़ी पीवी सिंधु 12वें स्थान पर खिसक गई हैं सिंधु पिछले कुछ

समय से अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पायी हैं जिससे उनकी रैंकिंग नीचे आयी है। जबकि तान्या हेमंत 55वें स्थान पर हैं। त्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की महिला युगल जोड़ी हाल के दिनो में अच्छे प्रदर्शन के बल पर दो स्थान के लाभ के साथ ही 17वें स्थान पर आ गयी है।

इशांत ने अपनी सफलता का राज बताया

अहमदाबाद ।(एजेंसी)

तेज गेंदबाज इशांत शर्मा गुजरात टाइटंस के खिलाफ अपनी टीम दिल्ली कैपिटल्स को जीत दिलाकर बेहद उत्साहित हैं। इशांत ने अपनी सफलता का श्रेय नेट्स में गेंदबाजी अभ्यास को दिया है। इशांत के अनुसार वह इस दौरान नई गेंद फेंकने का प्रयास करते हैं। साथ ही कहा कि इस दौरान वह वाइड यॉर्कर गेंदबाजी करने का भी अभ्यास करते हैं। उसी मेहनत का फल मिला क्योंकि अंतिम ओवर में वाइड यॉर्कर फेंककर ही वह रन बचा पाये। इशांत ने कहा कि जब आप नेट्स में अभ्यास कर रहे होत हैं तो कुछ बल्लेबाजों की योजना भी बनाते हैं कि कैसे गेंदबाजी करनी है। यह सब तैयारी करने और उसे अंजाम देने के बारे में है। मैंने राहुल तेवतिया साथ काफी क्रिकेट खेला है इसलिए इस बार अंतिम ओवर में गेंदबाजी करने में मजा आया। मुझे पता था कि मुझे उसे डबल ब्लफ करना होगा नहीं तो सभी जानते हैं कि वह बल्ले से क्या कर सकता है। वहीं लक्ष्य को लेकर कहा कि बतौर गेंदबाज हम इसके बारे में नहीं सोचते। यह सिर्फ योजनाओं को क्रियान्वित करने के बारे में है। यहां से हम गति बनाए रखने की उम्मीद करते हैं, आगे बढ़ते रहे और सर्वश्रेष्ठ की उम्मीद करें। वहीं गुजरात टाइटंस के कप्तान हार्दिक पांड्या ने भी इशांत के प्रदर्शन की तारीफ की है। उन्होंने कहा कि इशांत ऐसे मौके आए और गेंदें फेंकी जिसपर बड़े शॉट नहीं लग पाए। वहीं, दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान डेविड वॉर्नर ने कहा कि इशांत की प्रशंसा करते हुए कहा कि वह अपने अनुभव का पूरा लाभ उठा रहे हैं।

राहुल ऊपरी क्रम पर उतरते तो परिणाम कुछ और होता : मूडी

लखनऊ । पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर टॉम मूडी ने कहा है लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान लोकेश राहुल को रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के खिलाफ हुए मैच में ऊपरी क्रम पर उतरना चाहिये था। मूडी के अनुसार अगर इस मैच में राहुल ऊपरी क्रम में उतरते तो मैच का परिणाम कुछ और होता। आरसीबी के साथ मुकाबले में राहुल की दाहिनी जांघ की मांसपेशी में खिंचाव आ गया था। इसके कारण उन्होंने पारी की शुरुआत नहीं की। राहुल इस मैच में 11वें नंबर पर बल्लेबाजी करने के लिए उतरे पर तब तक मैच टीम के हाथों से निकल गया था। मूडी ने कहा कि मुझे राहुल के 11वें नंबर पर उतरने का कारण समझ में नहीं आया। अगर उन्हें बल्लेबाजी के लिए जाना ही था तो बीच के ओवरों में आते। उस समय वह अपनी चोट को बचाकर तेजी से रन बना सकते थे। वह जिस समय मैदान पर उतरे उस समय तक हालात बदल गये थे। राहुल जब बल्लेबाजी के लिए क्रीज पर आए तो सुपर जायंट्स को 9 गेंद पर 24 रन की जरूरत थी। वह चोट के कारण दौड़ नहीं सके और 3 गेंदों पर एक भी रन नहीं बना पाये। ऐसे में टीम 127 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए 19.5 ओवर में 108 रन ही बना पायी। वहीं पूर्व भारतीय क्रिकेटर दीप दासगुप्ता ने राहुल के पहले बल्लेबाजी के लिए नहीं उतरने के फैसले को सही ठहराया। दासगुप्ता ने कहा कि ऊपरी क्रम में उनका न आना समझ आता है, क्योंकि आपको उम्मीद होगी कि आपके बल्लेबाज लक्ष्य हासिल कर लेंगे और राहुल को बल्लेबाजी की जरूरत ही नहीं पड़ेगी।

महिला टी-20 अंतरराष्ट्रीय : थाइलैंड ने 4 गेंदों में ही फिलीपींस को हराया

बैंकाक । (एजेंसी)

थाइलैंड और फिलीपींस के बीच हुए एक महिला टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मुकाबले में एक टीम ने केवल चार गेंदों पर ही मैच जीत लिया। इस मामले में फिलीपींस की टीम ने 11.1 ओवर तक बल्लेबाजी कर केवल 9 रन बनाए। यह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में फिलीपींस का सबसे कम स्कोर है। इसके बाद दूसरी टीम थाइलैंड ने केवल 4 गेंदों में बिना कोई विकेट खोये 10 रन बनाकर 10 विकेट से मैच जीत लिया। इसी के साथ ही वह सबसे कम गेंदों में जीत दर्ज करने वाली दूसरी टीम बन गयी है। इससे पहले रवांडा और तंजानिया ने भी 4 गेंदों में मैच जीता था। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए फिलीपींस की टीम की कोई भी बल्लेबाज दो अंकों तक भी नहीं बना पायी। टीम की ओर से 4 बल्लेबाजों ने 2-2 रन बनाये जबकि एक रन अतिरिक्त बना। इस तरह कुल 9 रन बने। वहीं थाइलैंड की ओर से थिपाचा पुथावोंग ने सबसे अधिक 4 विकेट लिए। ओनिछा केमकोफू ने 3 विकेट लिए। उनके अलावा, एक विकेट नटाया बोशाथम को मिला। इस मैच में केवल 10 रनों के लक्ष्य को थाइलैंड क्रिकेट टीम की एलेक्स स्मिथ की ओर से किए गए पहले ही ओवर की 4 गेंदों पर हासिल कर लिया। कप्तान ननापाट कोनसारसारिका ने 2 गेंदों में नाबाद 3 रन, जबकि नाकातन सनथाम ने 2 गेंदों में एक चौका लगाकर नाबाद 6 रन बनाए। गौरतलब है कि महिला टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे छोटा स्कोर बनाने

का रिकॉर्ड मालदीव का है। वह साल 2019 में बांग्लादेश और रवांडा के खिलाफ 6 रनों पर ही आउट हो गयी थी, जबकि इसी वर्ष नेपाल के खिलाफ 8 रन पर वह आउट हुई थी। वहीं तीसरे नंबर पर फिलीपींस क्रिकेट टीम आती है, जो अपनी पारी में 9 रनों पर ही आउट हो गयी थी। दूसरी ओर, थाइलैंड ने एक अनोखे वर्ल्ड रिकॉर्ड की बराबरी की। उसने मैच सिर्फ 4 गेंदों में ही जीत लिया।

पीटी उषा ने प्रदर्शनकारी पहलवानों से मुलाकात कर समर्थन का आश्वासन दिया

नई दिल्ली । भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करने वाले पहलवानों के प्रति असंवेदनशील होने के आरोपों का सामना कर रही भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा ने बुधवार को जंतर-मंतर पर उनसे मुलाकात की और उन्हें समर्थन का आश्वासन दिया। पूर्व फर्राटा धाविका उषा ने इससे पहले अपने मुद्दों के लिए आईओए से संपर्क करने के बजाय फिर से विरोध शुरू करने के लिए पहलवानों की कड़ी आलोचना की थी। उन्होंने कहा था कि पहलवानों को अनुशासन दिखाना चाहिए था। इस टिप्पणी के बाद उनकी और आईओए की आलोचना हुई थी। उषा मीडिया से बात किए बिना चली गईं लेकिन बजरंग पूनिया ने कहा कि उन्होंने मदद का आश्वासन दिया है। बजरंग ने मीडिया से कहा, ''शुरू में जब उन्होंने ऐसा कहा तो हमें बहुत बुरा लगा लेकिन फिर उन्होंने कहा कि उनकी टिप्पणियों का गलत मतलब निकाला गया। उन्होंने कहा कि वह पहले एथलीट हैं और बाद में प्रशासक हैं।%% तोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाले इस पहलवान ने कहा, '' हमने उससे कहा कि हमें न्याय चाहिए। हमारा सरकार या विपक्ष या किसी और से कोई झगड़ा नहीं है। हम यहां कुश्ती की बेहतरी के लिए बैठे हैं। अगर यह मसला सुलझ जाता है और आरोप (डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ) साबित हो जाते हैं तो कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए। बजरंग से जब पूछा गया कि क्या उषा सरकार या आईओए की ओर से समाधान लेकर आई थी तो उन्होंने कहा, ''ऐसा कुछ नहीं था। उन्होंने केवल इतना कहा कि वह हमारे साथ है। बजरंग ने फिर से दोहराया कि अगर उन्हें न्याय नहीं मिला तो विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा।

आप ने गोपाल इटालिया को फिर एक बार सौंपी गुजरात में बड़ी जिम्मेदारी

अहमदाबाद। गुजरात विधानसभा चुनाव में 5 सीटें जीतकर दस्तक देने वाली आम आदमी पार्टी (आप) इन दिनों विभिन्न संकटों से जूझ रही है। ऐसे में आप के गुजरात इकाई के पूर्व प्रमुख गोपाल इटालिया को पार्टी ने बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है। दक्षिण गुजरात के गढ़ सूरत में आप टूट रही है। दूसरी ओर पीएम मोदी के मन की बात कार्यक्रम को लेकर आप के गुजरात प्रमुख इसुदान गढ़वी के खिलाफ केस दर्ज हो गया है। ऐसे में जारी वर्ष में गुजरात की कई नगर पालिका और ग्राम पंचायतों के चुनावों को ध्यान में रखते हुए आप ने गोपाल इटालिया को चुनाव प्रभारी बनाया है। हांलाकि गोपाल इटालिया के खिलाफ गुजरात विधानसभा चुनाव से पहले प्रदेश भाजपा प्रमुख सीआर पाटील और गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी के खिलाफ विवादित टिप्पणी करने का मामला दर्ज है। हाल ही में सूरत क्राइम ब्रांच ने गोपाल इटालिया को हिरासत में लिया था और पूछताछ के बाद उन्हें छोड़ दिया था। वहीं सूरत कॉर्पोरेशन के चुनाव में आप ने 2। सीटें जीतीं थीं, जिसमें अब तक 12 नगर पार्षद भाजपा में शामिल हो चुके हैं। सूरत में आप के 15 पार्षद बचे हैं और उसमें भी राजेश मोरडिया को पार्टी से निकाला जाता है तो यह संख्या घटकर 14 रह जाएगी। सूरत कॉर्पोरेशन में विपक्ष के पद के लिए 12 नगर पार्षदों की जरूरत है। वहीं विद्यार्थी नेता युवराजसिंह जाडेजा पर भावनगर डमीकांड के आरोपियों के नाम जाहिर करने के बदले में एक करोड़ रुपए लेने का आरोप है और वह फिलहाल जेल में हैं। ऐसे में गुजरात में आप को मजबूत रखना पार्टी के लिए बड़ी चुनौती है। इसीलिए आप ने गुजरात सरकार में बतौर कांस्टेबल और क्लर्क काम कर चुके गोपाल इटालिया को स्थानीय निकाय चुनाव का प्रभारी नियुक्त किया है। ताकि पीएम मोदी के मन की बात कार्यक्रम को लेकर आप के गुजरात प्रमुख इसुदान गढ़वी के मुश्किलें बढ़ती हैं तो गोपाल इटालिया संगठन को मजबूत रख सकें। बता दें कि गुजरात विधानसभा चुनाव के बाद आप ने इसुदान गढ़वी को प्रदेश अध्यक्ष बनाया था और गोपाल इटालिया को महाराष्ट्र का सहप्रभारी नियुक्त किया था।

नरोडा गाम हत्याकांड में शिकायतकर्ता साबित नहीं कर पाया आपराधिक साजिश : कोर्ट

अहमदाबाद। नरोडा गाम हत्याकांड में स्पेशल कोर्ट ने गत 20 अप्रैल को अपना फैसला सुनाते हुए सभी 6। आरोपियों को निर्दोष घोषित किया था। आरोपियों को निर्दोष घोषित करने के बारे में अपने फैसले में कोर्ट ने अवलोकन किया है। स्पेशल कोर्ट की न्यायधीश सुभदा बख्सी ने 1।80 पन्नों के फैसले में महत्वपूर्ण संज्ञान लिया है। जिसके मुताबिक कोर्ट के रिकार्ड पर सबूत, लिखित दलीलों समेत शिकायकर्ता आरोपियों के खिलाफ आपराधिक साजिश साबित करने में नाकाम रहा है। आरोपियों ने साजिशतन झुंड बनाकर किसी की हत्या की हो ऐसा शिकायतकर्ता सिद्ध नहीं कर पाया। डॉ. माया कोडनानी को निर्दोष घोषिक करने के फैसले में न्यायधीश ने उल्लेख किया कि नरोडा पाटिया और नरोडा गाम हत्याकांड एक ही तारीख और एक समय पर हुआ था।

ऐसे में एक ही आरोपी दोनों जगह कैसे उपस्थित रह सकता है? कोर्ट के अवलोकन के मुताबिक 11 लोगों को जिंदा जलाने के कोई सबूत नहीं मिले। आरोपियों ने आपराधिक साजिश के तहत हत्या की हो इसके भी कोई प्रमाण नहीं है। गौरतलब है वर्ष 2002 में गोधरा ट्रेन अग्निकांड के बाद नरोडा गांव में 11 लोगों की हत्या कर दी गई थी। इस मामले में डॉ. माया कोडनानी के अलावा जयदीप पटेल और बाबु बजरंगी समेत 86 लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया था। स्पेशल कोर्ट की न्यायधीश सुभदा बख्शी ने गत 20 अप्रैल 2023 को इस मामले के सभी आरोपियों को निर्दोष घोषित किया था। 21 साल बाद निर्दोष घोषित किए जाने के बाद सभी आरोपियों के आंसू छलक आए थे।

अहमदाबाद मंडल पर एनडीआरएफ के सहयोग से मॉक ड्रिल का आयोजन

अहमदाबाद । पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मण्डल पर आज 3 मई 2023 को वटवा यार्ड ऋ॥ डिपो में रेलवे द्वारा राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (NDRF) टीम के साथ संयुक्त मोक ड्रिल का आयोजन किया गया। मोक ड्रिल में रेलवे की तरफ से अपर मण्डल रेल प्रबन्धक,वरिष्ठ मण्डल संरक्षा अधिकारी, वरिष्ठ मण्डल यांत्रिक इंजीनियर, वरिष्ठ मण्डल परिचालन प्रबन्धक (सामान्य), मुख्य चिकित्सा अधिकारी, वरिष्ठ मण्डल चिकित्सा अधिकारी, सहायक मण्डल संरक्षा अधिकारी एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। इसके अतिरिक्त राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (NDRF) टीम के साथ यांत्रिक, यातायात, मेडिकल, दूरसंचार, संरक्षा, वाणिज्य व बिजली विभाग के करीब 350 अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (NDRF) के 25, RPF के 23 जवान व नागरिक सुरक्षा संगठन के 14 स्वयंसेवक उपस्थित थे। दुर्घटना की सूचना रेलवे द्वारा राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (NDRF) कंट्रोल रूम को देने पर एन डी आर एफ टीम के असिस्टेंट कमांडेंट श्री विक्रम अपनी कंपनी के 25 जवानों के साथ दुर्घटना स्थल पर पहुंचे। दुर्घटना में मेडिकल राहत वैन की मेडिकल टीम, EMRI-108 की 04 एंबुलेंस एवं राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (NDRF) टीम के संयक्त प्रयासों से कुल 23 यात्रियों को कोच काट कर बाहर निकाला गया, जिसमें 03 महिला यात्री व 20 पुरुष यात्री थे। 23 घायल यात्रियों को रेलवे मेडिकल टीम द्वारा प्राथमिक उपचार के बाद 06 यात्रियों को नजदीकी हॉस्पिटल रेफर किया गया। घायल यात्रियों को कोच की खिड़की व छत्त को काट कर बाहर निकालने की ड्रिल रेलवे व राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (NDRF) द्वारा संयुक्त रूप से की गई। मोक ड्रिल के दौरान रेलवे की दुर्घटना राहत टीम द्वारा 02 अवपथित कोचों को पुन: रेल पर लाया गया। मोक ड्रिल के अंतिम में वरिष्ठ मण्डल संरक्षा अधिकारी द्वारा इस प्रकार की ड्रिल की उपयोगिता के बारे में बताया गया कि, कैसे वास्तविक दुर्घटना के समय इस प्रकार की परि-स्थतियों आने पर यह मोक ड्रिल हमें उन परिस्थितियों में कार्य करने हेतु तैयार करती है।

अहमदाबाद मंडल पर 'वन स्टेशन वन प्रोडक्ट' के तहत स्टालों पर उत्पादों की विक्री हेतु आवेदन की मांग

अहमदाबाद । भारतीय रेलवे द्वारा आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना को साकार करते हुए स्थानीय उत्पादों को लोकप्रिय एवं सर्व सुलभ बनाने हेतु वन स्टेशन- वन प्रोडक्ट योजना शुरू की गई है। जिससे भारतीय रेलवे द्वारा यात्रा करने वाले यात्री लाभान्वित हो सके। वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक, अहमदाबाद पवन कुमार सिंह के अनुसार इस योजना के अंतर्गत अहमदाबाद मंडल के अहमदाबाद, महेसाणा, पालनपुर, गांधीधाम, भुज, गांधीनगर, विरमगाम, साबरमती तथा मणिनगर स्टेशनों के "वन स्टेशन-वन प्रोडक्ट" (OSOP) स्टालों पर उत्पादों की बिक्री हेतु इच्छुक व्यक्तियों/संस्थाओं से आवेदन मांगा गया है। उपरोक्त स्टेशनों के लिए अलग-अलग वेंडर्स को यह स्टॉल प्रायोगिक तौर पर 15 दिनों के लिए 1000/- रू. के मामूली टोकन राशि पर आवंटित किया जाएगा। जिसके अंतर्गत हैंडीक्राफ्ट, स्थानीय खाद्य सामाग्री, स्वयं सहायता समूह द्वारा निर्मित उत्पाद, कपड़ा और हथकरघा, स्थानीय खिलौने, चमड़े के उत्पाद, पारंपरिक उपकरण, गारमेंट्स इत्यादि के अलावा अन्य उत्पादों की प्रदर्शनी लगाकर बिक्री की जा सकती है। व्यक्तिगत कारीगरों/शिल्पकारों और स्वयं सहायता समूहों जैसी संस्थाएं आमंत्रित हैं। वे इस योजना में भाग ले सकती हैं। इस योजना का लाभ लेने हेतु उत्पादक, डेवलपमेन्ट कमिश्नर/स्टेट/सेन्ट्रल गवर्नमेन्ट द्वारा जारी पहचान-पत्र, TRIFED रजिस्ट्रेशन, पंजीकृत स्वयं सेवी संस्था अथवा MSME प्रमाण-

पत्र धारक आवेदन कर सकते हैं। इस विषय में विशेष जानकारी हेतु स्टेशन प्रबंधक/वाणिज्यिक निरीक्षक और वाणिज्यिक विभाग, डीआरएम ऑफिस, जीसीएस अस्पताल के सामने, नरोडा रोड, अहमदाबाद-382345 में संपर्क करें। सोमवार से शुक्रवार समय सुबह 10.30 बजे से शाम 06.00 बजे तक उपस्थित होकर अथवा मो. नंबर 9724093967 पर संपर्क किया जा सकता है।

सूरत को IT hub बनाने और IT उद्यमियों को आगे ले जाने के लिए "Beyond the Boundaries" कार्यक्रम आयोजित किया गया

सूरत भूमि, सूरत। सूरत को IT hub बनाने और IT उद्यमियों को आगे ले जाने के लिए "Beyond the Boundaries" कार्यक्रम आयोजित किया गया था, जहां कार्यक्रम के दौरान 1200 से अधिक IT उद्यमी मौजूद थे। टेक्सटाइल और डायमंड सेक्टर के साथ सूरत शहर को आईटी सेक्टर में आगे ले जाने के लिए Chetan Patel World के सहयोग से Creative Multimedia and Design Institute द्वारा मंगलवार को Beyond the Boundaries प्रोग्राम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम ने IT उद्यमियों को मार्गदर्शन प्रदान किया कि व्यवसाय में कैसे आगे बढ़ना है और वर्तमान चुनौतियों का सामना कैसे करना है।

IT Park FIFAD डेवलपर्स द्वारा प्रायोजित कार्यक्रम में 14 Trees के सीईओ किरण देशपांडे मुख्य वक्ता थे, Integrity Coach चेतन पटेल अतिथि वक्ता थे।

इस कार्यक्रम में Dhiwise के सीईओ विशाल विरानी ने IT उद्यमियों से सवाल पूछे, 14 ट्रीज के सीईओ किरण देशपांडे ने अपने व्यवसाय के बारे में साझा किया और अपना व्यवसाय रुपये में बढ़ाया। इसे 400+ करोड़ तक ले जाने की अपनी सक्सेस स्टोरी बताई साथ ही eZeeTech-nosays, Co-Founder विपुल कपूर ने भी योगदान दिया। साथ ही बिजनेस को आगे कैसे ले जाना है, इस पर भी मार्गदर्शन किया। भौतिक कुमार ने कार्यक्रम का सफल संचालन किया।

नदी की बाढ़ में बहे 12 श्रमिकों में 9 को बचा लिया गया, 3 महिलाओं के शव बरामद

जूनागढ़ । गुजरात में पिछले कई दिनों से बेमौसमी बारिश ने कहर बरपा रखा है। राज्य में बारिश से कृषि फसलों को व्यापक नुकसान हुआ है। दूसरी ओर बेमौसमी बारिश की वजह से तीन लोगों की जान चली गई। जूनागढ़के माणावदर में बीते दिन हुई मूशलाधार बारिश के कारण चुडवा गांव की नदी में बाढ़ आ गई थी। जिसमें छत्रासा और चुडवा गांव के बीच खेतों में काम करने आए 12 श्रमिकों से भरी रिक्शा नदी के बहाव में बह गई। घटना की खबर मिलते ही जूनागढ़ कलेक्टर ने बचाव टीम को तुरंत मौके पर पहुंचने का आदेश दिया था। माणावदर के फायर विभाग, एनडीआरएफ और पुलिस काफिला घटनास्थल पर पहुंच गया और 9 लोगों को बचा लिया। लेकिन तीन महिलाओं की कोई खैरखबर नहीं मिलने पर उनकी तलाश शुरू की। फायर ब्रिगेड के जवानों को कई घंटों की मशक्कत के बाद आखिरकार मां-बेटी समेत तीन महिलाओं के शव खोजने में सफलता मिली है। यह घटना उस समय हुई जब सभी 12 श्रमिक रिक्शा में सवार होकर नदी पार कर रहे थे। लेकिन नदी में बाढ़ आने से रिक्शा पलट गई और उसमें सवार सभी श्रमिक पानी के बहाव में बहने लगे। जिसमें 9 लोगों को बचा लिया गया, जबकि तीन महिलाओं की मौत हो गई। मृत तीनों महिलाएं लाठ गांव की निवासी होने का पता चला है।

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक का वित्त वर्ष 23 में कर के बाद लाभ बढ़कर 2,437 करोड़ रु. हो गया, जो वित्त वर्ष 22 में 145 करोड़ रु. था

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के निदेशक मंडल की आज बैठक संपन्न हुई, जिसमें मंडल द्वारा 31 मार्च, 2023 को समाप्त तिमाही और वित्तीय वर्ष के लिए ऑडिट किए गए वित्तीय परिणामों को स्वीकृति दे दी गई। बैठक के कुछ मुख्य बिंदु इस प्रकार रहे:

मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ की टिप्पणियाँ

श्री वी वैद्यनाथन, मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक, ने कहा, "हम बैंक को विविध कस्टमरडिपॉजिट और विविध ऋ्रण पुस्तिका के माध्यम से सुदृढ़ बनाने में सक्षम रहे हैं। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि संपत्ति की गुणवत्ता उच्च बनी हुई है। मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है। यदि खुदरा पक्ष की बात करें, तो सकल एनपीए 1.65त्नहै और शुद्ध एनपीए 2.0त्नके सकल एनपीए और 1त्नसे कम के एनपीए के मार्गदर्शन के मुकाबले 0.55त्नहै। यदि हम इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनेंसिंग बुक को हटा दें, तो बैंक का ग्रॉस और नेट एनपीए क्रमश: 1.84%और 0.46%है, जो कि एक रनडाउन मोड है।"

वे आगे कहते हैं, "हमने वित्त वर्ष 23 की चौथी तिमाही में 803 करोड़ रु. का लाभ दर्ज किया है, जो कि अब तक का सबसे अधिक तिमाही लाभ है, इसके साथ ही, वित्त वर्ष 23 में अब तक का सर्वाधिक 2,437 करोड़ रु. का वार्षिक लाभ दर्ज किया है। एक सुदृढ़ जमा फ्रेंचाइजी और लगभग 50त्न कासा के साथ शुरुआत के साथ ही हम अपने सभी हितधारकों को हमारे प्रति उनकी सद्भावना के लिए धन्यवाद् देते हैं।"

- •वित्त वर्ष 23 में कर के बाद लाभ बढ़कर 2,437 करोड़ रु. हो गया, जो वित्त वर्ष 22 में 145 करोड़ रु. था
- •वित्त वर्ष 23 की चौथी तिमाही के लिए कर के बाद लाभ वित्त वर्ष 22 की चौथी तिमाही की तुलना में 134% बढ़कर 803 करोड़ रु. हो गया
- •ग्राहकों की जमा राशि सालाना 47% की वृद्धि के साथ 1,36,812 करोड़ रु. हो गई
- •ऋ्रण और अग्रिम* सालाना 24त्न की वृद्धि के साथ 1,60,599 करोड़ रु. हो गए
- •सकल एनपीए 2.51% और शुद्ध एनपीए 0.86% के साथ संपत्ति की गुणवत्ता में सुधार हुआ
- •1.65% के सकल एनपीए और 0.55% के शुद्ध एनपीए के साथ खुदरा ऋ्रण की संपत्ति की गुणवत्ता में सुधार हुआ

शीश इंडस्ट्रीज लिमिटेड का एकिकृत राजस्व 70.32 करोड़ रु साल-दर-साल 37.91 प्रतिशत की वृद्धि और 6.78 करोड़ रुपए का कर पश्चात लाभ

शीश इंडस्ट्रीज लिमिटेड (बीएसई कोड: 540693) एक भारत-आधारित बहु-अनुशासनात्मक निगम है, जो औद्योगिक और निर्यात पैकेजिंग उत्पादों, इन्सुलेशन और वेंटिलेशन उत्पादों, भू-झिल्ली उत्पादों जैसे अभिनव और गुणवत्ता वाले उत्पादों का निर्माण करता है।

वित्त वर्ष 2022-23 की चौथी तिमाही में कंपनी का कुल समेकित राजस्व रु. 18.72 करोड़ रुपये और कर के बाद लाभ 2.33 करोड़ रुपये था। 31 मार्च, 2023 को समाप्त होने वाले बारह महीने की अवधि के अंत में, कंपनी का रेवेन्यू रु. 70.32 रिकॉर्ड किया गया। एबिटा रु. 9.22 करोड़ जबकि कर पश्चात लाभ रु. 6.78 करोड़ दर्ज किया गया था और पतला ईपीएस रु. 6.42 दर्ज किया गया था। कंपनी अपने परिचालन को वित्तीय और विकास आकांक्षाओं के साथ संरेखित कर रही है, जिसमें लाभदायक और स्केलेबल व्यवसायों में निवेश शामिल है।

इस परिणाम पर टिप्पणी करते हुए, श्री सतीशकुमार मानिया, अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक, शीश इंडस्ट्रीज लिमिटेड, कहते हैं, "हम रणनीतिक रूप से जमीन से अपने व्यवसाय का निर्माण कर रहे हैं। हम अपने सभी सीखने और विशेषज्ञता के स्थान पर एक कंपनी के रूप में शामिल हो रहे हैं। इसलिए इसने हमें एक निश्चित नियोजित विस्तार मोड में लाने के लिए बहुत आवश्यक प्रोत्साहन प्रदान किया है। वित्तीय वर्ष 2022-23 के हमारे नतीजे भी उसी का प्रतिबिंब हैं। अब हम दीर्घकालिक उद्देश्य के साथ अधिक टिकाऊ व्यवसाय विकास की योजना बनाने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

इसकी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी AV-शीश पॉलीलम प्राइवेट लिमिटेड ने भी अपनी स्थापना के पहले वर्ष में बहुत अच्छी वृद्धि दिखाई है, कंपनी लैमिनेशन उत्पादों के व्यवसाय में लगी हुई है।

भारत की बेंचमार्क फैशन शोकेस हाईलाइफ प्रदर्शनी 4 और 5 मई को सूरत के होटल मैरियट में आयोजित की जाएगी

सूरत भूमि, सूरत। यदि आप इस गर्मी में नवीनतम फैशन आकर्षक हॉट स्टाइल से परिचित होना चाहते हैं, तो तैयार हो जाएं। भारत का बेंचमार्क फैशन शोकेस, हाईलाइफ प्रदर्शनी, फैशन की दुनिया में फिर से धमाल मचाने के लिए आ रहा है। यहां आपको ट्रेंडसेटिंग फैशन शोकेस और वेरायटी डिजाइन फैशन गारमेंट्स की एक विस्तृत श्रृंखला के माध्यम से इस गर्मी के नवीनतम ट्रेंड्स और विविध डिजाइन देखने को मिलेंगे। यह एक्सक्लूसिव शोकेस सूरत शहर में 4 और 5 मई को होटल मैरियट, अठवालाइंस में आयोजित किया जा रहा है। तो आइए, आप भी इस समर फैशन कार्निवल का हिस्सा बनें।

हाईलाइफ प्रदर्शनी में पेश किए गए डिजाइनर गारमेंट्स आपको नया लुक देकर बड़े उत्साह के साथ आपकी गर्मियों को यादगार बना देंगे। चाहे वह भव्य पोशाक-पोशाक हो, दूल्हा और दुल्हन के लिए शादी के कपड़े हों, उनके बैंडवेगन के लिए एथनिक डिजाइन हों, रोजमर्रा के फैशन परिधान, आभूषण या आपके घर के लिए फैशन स्टेटमेंट हों, इस प्रदर्शनी में आपके लिए उपलब्ध सभी मनमोहक फैशनेबल किस्में हैं।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)